RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:187 ता. 20 जनवरी 2023, शुक्रवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

समय से पांच घंटे पहले उड़ी अमृतसर-सिंगापुर फ्लाइट, एयरपोर्ट पर ही छूटे 35 यात्री, DGCA ने लिया संज्ञान

● स्कूट एयरलाइन के अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने ई-मेल भेजकर सभी यात्रियों को विमान के रि-शेड्यूल होने के बारे में सूचित किया था। ऐसे में बहुत सारे यात्री तय समय पर एयरपोर्ट पहुंच गए थे।

चंडीगढ़। अमृतसर के श्री गुरु रामदास इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बुधवार को स्कूट एयरलाइन का एक विमान अपने पूर्व निर्धारित समय से पांच घंटे पहले रवाना हो गया। इससे 35 यात्री एयरपोर्ट पर ही छूट गए। सिंगापुर और ऑस्ट्रेलिया जाने के लिए एयरपोर्ट पहुंचे 35 यात्रियों ने जमकर हंगामा किया। स्कूट एयरलाइन का विमान सिंगापुर के लिए शाम 7:55 बजे अमृतसर से उड़ान भरता है। बुधवार शाम को 35 यात्री जब एयरपोर्ट पहुंचे तो पता चला कि विमान दोपहर करीब तीन बजे जा चुका है। इसके बाद इन यात्रियों ने एयरपोर्ट पर हंगामा शुरू कर दिया। सभी यात्री देर रात तक एयरपोर्ट पर बैठे परेशान होते रहे। यात्रियों का कहना है कि उन्हें कोई भी जानकारी नहीं दी गई। एयरलाइन ने भी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। चंडीगढ़ से आए बलविंदर सिंह ने बताया कि उनके पास एयरलाइन का मैसेज आया था। इसमें लिखा था कि विमान अपने निर्धारित समय शाम 7:55 बजे उड़ान भरेगा। मगर यहां आकर पता चला कि विमान जा चुका है। अब एयरलाइन के अधिकारियों के साथ बात कर रहे है तो कोई सुनवाई नहीं हो रही। कहा जा रहा है कि कॉल सेंटर पर फोन कर अपनी फ्लाइट को दोबारा से बुक करवाएं। उनका कहना है कि उनकी ऑस्ट्रेलिया में कनेक्टेड फ्लाइट थी। स्कूट एयरलाइन के अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने ई-मेल भेजकर सभी यात्रियों को विमान के रि-शेड्यूल होने के बारे में सूचित किया था। ऐसे में बहुत सारे यात्री तय समय पर एयरपोर्ट पहुंच गए थे। जो यात्री नहीं आए, उनके नाम की बार-बार घोषणा भी की जाती रही लेकिन यात्रियों का कहना है कि उनको कोई ई-मेल नहीं मिला।

160 वाली स्पीड पार, अब 180 होगी रफ्तार, एनसीआर में 'मिनी बुलेट' दौड़ने को तैयार

गाजियाबाद। देश की पहली रैपिड रेल दुहाई डिपो स्टेशन से साहिबाबाद तक पहली बार 17 किलोमीटर लंबे ट्रैक पर दौड़ी। रैपिड रेल को अभी तक गाजियाबाद स्टेशन से दुहाई डिपो के बीच नौ किलोमीटर लंबे ट्रैक पर ही चलाया जा रहा था। इससे पहले 25 किलोमीटर की रफ्तार से परीक्षण किया गया था। इसे 140 से 160 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार पर हाई स्पीड में चलाकर देखा गया। अब इसे 180 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से परीक्षण किए जाने की संभावना है। कॉरिडोर बनकर तैयार प्राथमिक खंड पर सिग्नलिंग का काम पूरा होते ही हाई स्पीड ट्रायल शुरू हो जाएगा। रैपिड रेल का निर्माण कार्य दिल्ली से मेरठ तक तेजी से चल रहा है। हालांकि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) का पूरा फोकस प्राथमिक खंड साहिबाबाद से दुहाई डिपो स्टेशन पर ज्यादा है। इस खंड पर रैपिड रेल का परिचालन मार्च में शुरू होना है। इसकी तैयारी होने लगी है। कॉरिडोर बनकर तैयार हो गया। पांच स्टेशन का काम अंतिम चरण में चल रहा है। ओवरहेड इक्यूमेंट (ओएचई) इंस्टालेशन का काम पूरा हो गया है। केवल सिग्नलिंग का काम रह गया है। मंगलवार को ट्रेन की गति 140 किलोमीटर प्रतिघंटा रही।

● अब इसे 180 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से परीक्षण किए जाने की संभावना है। कॉरिडोर बनकर तैयार प्राथमिक खंड पर सिग्नलिंग का काम पूरा होते ही हाई स्पीड ट्रायल शुरू हो जाएगा। रैपिड रेल का निर्माण कार्य दिल्ली से मेरठ तक तेजी से चल रहा है। हालांकि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) का पूरा फोकस प्राथमिक खंड साहिबाबाद से दुहाई डिपो स्टेशन पर ज्यादा है। इस खंड पर रैपिड रेल का परिचालन मार्च में शुरू होना है। इसकी तैयारी होने लगी है।

वहीं बुधवार दोपहर में ट्रेन को 160 की रफ्तार पर चलाया। ट्रैक पर जांच के लिए ट्रेन का आना-जाना शुरू हो गया है। इस दौरान कोई खामी नहीं आने से अधिकारियों ने राहत की सांस ली।

मेट्रो, रेलवे और बस डिपो से जुड़ेंगे स्टेशन

रैपिड रेल का ट्रैक 180 किलोमीटर प्रति घंटे की गति वाला है। हालांकि परिचालन गति 160 किलोमीटर की रखी जाएगी। रैपिड रेल हर 5-10 मिनट में उपलब्ध होंगी। दिल्ली से मेरठ के बीच की दूरी 55 मिनट में पूरी हो जाएगी। रैपिड रेल चलने का लाभ रोजाना आठ लाख दैनिक यात्री उठाएंगे। एनसीआरटीसी ने रैपिड रेल के स्टेशन का मेट्रो स्टेशन, रेलवे स्टेशन और बस डिपो के साथ जोड़ा है।

मरीज स्ट्रेचर सहित जा सकेंगे

रैपिड रेल कोच में मरीजों के लिए व्हीलचेयर और स्ट्रेचर रखने के इंतजाम किए है। स्टेशन डिजाइन में इसका ख्याल रखा है। आपात स्थिति में मरीज को स्टेशन में प्रवेश और ट्रेन में सवार होने एवं बाहर निकलने में किसी प्रकार की समस्या नहीं होगी। गंभीर मरीज रैपिड से आ और जा सकेंगे। अलग से ग्रीन कॉरिडोर बनाने की जरूरत नहीं होगी। मरीजों से कोई अतिरिक्त चार्ज नहीं वसूला जाएगा।

विपक्ष के गढ़ से नड्डा का यूपी में चुनावी शंखनाद, 'मिशन 80' को लेकर ये है रणनीति

लखनऊ। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के बरकरार रहने का ऐलान होते ही पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनावों की तैयारी तेज कर दी है। पार्टी के लिए यूपी बेहद महत्वपूर्ण है। यही कारण है कि अध्यक्ष बनने के बाद नड्डा अपने चुनावी अभियान का श्रीगणेश यूपी से करने जा रहे हैं। वे दो दिनी यात्रा पर गुरुवार शाम वाराणसी पहुंचेंगे।

वहीं शुक्रवार को गाजीपुर में जनसभा को संबोधित करेंगे।

गाजीपुर के लिए बीजेपी की रणनीति

यूपी बीजेपी का लक्ष्य इस बार पूरी 80 सीटों पर जीत दर्ज करना है। इसके लिए सबसे बड़ी चुनौती है वो 14 सीटें हैं जो अभी तक पार्टी नहीं जीत पाई है। उसी ट्रेंड को बदलने के लिए जेपी नड्डा ने एक रणनीति तैयार की है। इन्हीं 14 सीटों में एक सीट गाजीपुर भी है जिस पर माफिया डॉन मुख्तार अंसारी के भाई अफ़जाल अंसारी बीएसपी के सांसद हैं। इस सीट पर बीजेपी सेंधमारी की कोशिश में जुट गई है। 20 नड्डा यहां कार्यकर्ता मीटिंग करेंगे और कैसे फतह करेंगे इसका टिप्स देंगे।

प्रदेश कार्यकारिणी बैठक में होंगे शामिल

वहीं दूसरी ओर पार्टी ने 22 जनवरी को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में होने वाली प्रदेश कार्यकारिणी बैठक की तैयारी भी तेज कर दी है। बैठक की तैयारियों को लेकर बुधवार को प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर पदाधिकारियों संग अनौपचारिक बैठक भी की। वहीं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी भी दिनभर राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा के दौरे और प्रदेश कार्यकारिणी बैठक की तैयारी में व्यस्त रहे। आगामी लोकसभा चुनावों की तैयारी के लिए रणनीतिक दृष्टि से इस बैठक को बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष चौधरी गुरुवार को गाजीपुर और वाराणसी के प्रवास पर रहेंगे। वहां से लौटकर वे प्रदेश कार्यकारिणी बैठक की तैयारियों को अंतिम रूप देंगे।

गोवा-मुंबई राजमार्ग पर भीषण हादसा, कार-ट्रक की भिड़ंत में 9 लोगों की मौत

रायगढ़। महाराष्ट्र में गुरुवार सुबह बड़ा सड़क हादसा हो गया है। खबर है कि गोवा-मुंबई राजमार्ग पर कार और ट्रक की भिड़ंत में 9 लोगों की मौत हो गई है। रायगढ़ पुलिस ने यह जानकारी दी है। जान गंवाने वालों में 1 बच्चा भी शामिल है। बीते सप्ताह नाशिक में हुए एक भयानक सड़क हादसे में 4 बच्चों समेत 10 लोगों की मौत हो गई थी।

समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, रायगढ़ पुलिस ने बताया है कि रायगढ़ जिले के रेपोली इलाके में गोवा-मुंबई राजमार्ग पर ट्रक और कार की भिड़ंत हो गई। उन्होंने बताया कि हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई है और एक घायल है। हादसे में जान गंवाने वालों में 5 पुरुष, 3 महिलाएं और एक बच्चा शामिल है।

नाशिक हादसा

भाषा के अनुसार, नासिक जिले में शुक्रवार सुबह एक निजी

● महाराष्ट्र में गुरुवार सुबह बड़ा सड़क हादसा हो गया है। खबर है कि गोवा-मुंबई राजमार्ग पर कार और ट्रक की भिड़ंत में 9 लोगों की मौत हो गई है। रायगढ़ पुलिस ने यह जानकारी दी है।

बस और ट्रक के बीच टक्कर होने से 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 22 अन्य लोग घायल हो गए थे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एक निजी पर्यटक बस ठाणे जिले के अंबरनाथ से अहमदनगर जिले में शिरडी जा रही थी। बस में सवार अधिकतर लोग अंबरनाथ स्थित एक कंपनी के कर्मचारी थे। ये लोग अपने परिवार के साथ शिरडी जा रहे थे।

अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में एक दंपति, मां-बेटी और एक किशोरी भी शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी कि बस और ट्रक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। जहां ट्रक का अगला हिस्सा चकनाचूर हो गया, वहीं, बस एक तरफ से लगभग कट गई।

ड्रैगन की नई चाल, लड़ना चाहता है 'जल युद्ध'; भारत ने भी तैयार किया बड़ा प्लान

नई दिल्ली। चीन की नीतियों को देखते हुए भारत हर मोर्चे पर सतर्क हो गया है। एलएसी हो या फिर पानी का मसला, भारत कोई भी मौका चूकना नहीं चाहता है जिसका फायदा चीन उठा सके। चीन से जल युद्ध की चुनौती को देखते हुए भारत ने अरुणाचल प्रदेश के सुबानसिरी में चल हरे 11000 MW के हाईड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट पर जोरशोर से काम शुरू कर दिया है। वहीं भारत ने तीन पहले से स्थापिक प्रोजेक्ट के भी विस्तार पर काम शुरू कर दिया है। यह काम एनएचपीसी को सौंपा गया है।

क्या है चीन की नई चाल

बता दें कि सरकार के सूत्रों का कहना हैकि चीन अरुणाचल के पास ही यारलुंग त्सांगपो नदी पर 60 हजार मेगावॉट का डैम बना रहा है। इस डैम को लेकर भारत सतर्क हो गया है और

चीन की इस नई चाल से निपटने का पूरा प्लान तैयार कर लिया गया है। सूत्रों का कहना है कि चीन डैम बनाने के बाद ब्रह्मपुत्र नदी का पानी डाइवर्ट कर सकता है। वहीं चीन डैम के पानी को छोड़कर भारत में बाढ़ जैसी स्थिति पैदाकर सकता है। अरुणाचल प्रदेश, असम और अन्य कई राज्यों में चीन की वजह से बाढ़ या पानी की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। भारत के अलावा बांग्लादेश पर भी इसका प्रभाव पड़ेगा।

भारत की क्या है तैयारी

भारत ने ड्रैगन को इस मोर्चे पर भी पस्त करने की तैयारी शुरू कर दी है। अरुणाचल प्रदेश में डैम निर्माण का काम फास्ट्रैक पर डाला गया है। सुबंसीरी लोअर हाइड्रो प्रोजेक्ट एनएचपीसी ने तैयार कर लिया है जो कि 2000 मेगावाट की क्षमता वाला है। इसके अलावा अरुणाचल प्रदेश में आठ अन्य प्रोजेक्ट चल रहे हैं। इन डैम में एक साल तक का पानी स्टोर किया जा सकता है। इसलिए अगर चीन कोई चाल चलता है तो पानी को रोका भी जा सकता है और पानी कम होने पर रिलीज भी किया जा सकता है।

भारत के लिए अहम है ब्रह्मपुत्र का पानी

भारत के लिए ब्रह्मपुत्र नदी बहुत मायने रखकती है। ब्रह्मपुत्र भारत के लिए 30 प्रतिशत फ्रेश पानी का स्रोत है और इसके अलावा 40 फीसदी बिजली के उत्पादन के लिए भी उत्तरदायी है।हालांकि ब्रह्मपुत्र का 50 फीसदी हिस्सा चीन में पड़ता है। सरकारी सूत्रों का कहना है कि इस साल जुलाई तक सुबंसिरी प्रोजेक्ट पूरो हो जाएगा। इसके अलावा अन्य प्रोजेक्ट भी इसी साल चलने लगेंगे।

सरकार ने हलाल मांस उत्पादों के प्रमाणन के लिए मसौदा दिशानिर्देश किया जारी

मांगे गए सुझाव

नई दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय ने सभी मांस और इसके उत्पादों को हलाल प्रमाणित के रूप में निर्यात को लेकर दिशानिर्देश जारी किया है। इसके तहत इनका निर्यात तभी होगा, जब इसके उत्पादन, प्रसंस्करण और पैकेट को लेकर वैध प्रमाणपत्र हो। यह प्रमाणपत्र भारतीय गुणवत्ता परिषद बोर्ड से मान्यता प्राप्त निकाय जारी करेगा। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने देश से मांस और मांस उत्पादों के निर्यात के लिए हलाल प्रमाणन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से हलाल प्रमाणन पर मसौदा दिशानिर्देश का प्रस्ताव किया है।दिशानिर्देशों में कहा गया है कि प्रमाणन निकाय, भारतीय अनुरूपता मूल्यांकन योजना (आइ-सीएएस) - हलाल के अनुसार निर्धारित प्रक्रिया का पालन करेंगे। बता दें कि कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकार (एपीडा) को इस उद्देश्य के लिए समग्र निगरानी एजेंसी के रूप में नामित किया जाएगा। मसौदा दिशानिर्देश आम लोगों और उद्योग जगत के सुझाव के लिए जारी किया गया है। इस पर 17

फरवरी तक सुझाव और प्रतिक्रिया दी जा सकती है। मसौदा दिशानिर्देश के अनुसार सभी मांस और मांस उत्पादों को 'हलाल प्रमाणित' के रूप में तभी निर्यात किया जायेगा, जब उसे वैध प्रमाणपत्र मिला हो। यह प्रमाणपत्र भारतीय गुणवत्ता परिषद से मान्यता प्राप्त प्रमाणन निकाय द्वारा जारी होना चाहिए। मसौदा दिशानिर्देश को जनता एवं उद्योग जगत के सुझाव के लिये जारी किया गया है। इस पर 17 फरवरी तक सुझाव दिये जा सकते हैं।

जमानत पाने के लिए फर्जी दस्तावेज देकर फंसे आसाराम, सीजेएम कोर्ट में हुई पेशी

जोधपुर। जोधपुर के रातानाडा थाने में आसाराम को लेकर एक नया मामला सामने आया है। यहां कोर्ट में फर्जी दस्तावेज पेश करने के मामले में आसाराम को आरोपी बनाया गया है। इस मामले वीरवार जोधपुर सीजेएम मेट्रो कोर्ट में आसाराम को पेश किया गया जहां कोर्ट ने आसाराम को आरोप सुनाए। बता दें कि अपने ही गुरुकुल की नाबालिग छात्रा से यौन दुराचार करने के मामले आसाराम को पहले ही आखिरी सांस तक जेल में रहने की सजा सुनाई गई है।

जानकारी के अनुसार आसाराम पर जमानत पाने के लिए जोधपुर जेल डिस्पेंसरी का फर्जी मेडिकल सर्टिफिकेट सुप्रीम कोर्ट में पेश करने का आरोप है। इसी के चलते उनको बुधवार को जोधपुर सीजेएम मेट्रो कोर्ट में पेश

किया गया। अधिवक्ता विजय चौधरी ने बताया कि रविराय और आसाराम के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में झूठे दस्तावेज पेश कर जमानत हासिल करने का आरोप है। पैरोकार रविराय की ओर से जोधपुर सेंट्रल जेल की डिस्पेंसरी का फर्जी मेडिकल सर्टिफिकेट पेश कर सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई गई थी।

आसाराम ने आरोपों का किया खंडन

सुप्रीम कोर्ट पेश जोधपुर सेंट्रल जेल की डिस्पेंसरी के मेडिकल सर्टिफिकेट में आसाराम की कई गंभीर बीमारियों का जिक्र था। ये मामला वर्ष 2017 का है। इस सर्टिफिकेट की सुप्रीम कोर्ट ने जांच करवाई तो मामला फर्जी निकला। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने मामला दर्ज करने का आदेश पारित कर दिया। इस मामले में जोधपुर के रातानाडा थाने में पैरोकार रविराय एफआईआर दर्ज हुई और मामले में आसाराम को भी आरोपी बनाया गया। वहीं, इस पूरे प्रकरण में आसाराम ने अपनी भूमिका का खंडन किया है। उनका कहना है कि इस मसले को लेकर न तो वो कभी रविराय से मिले न ही फोन पर बात हुई।

दिल्ली में शीतलहर ने 12 साल का रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में शीतलहर का दौर जारी है। मौसम विभाग के मुताबिक, राजधानी दिल्ली में शीतलहर ने बीते 12 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। बुधवार को दिल्ली में शीतलहर का आठवां दिन था, जो बीते 12 सालों में एक महीने में सबसे अधिक है। इससे पहले जनवरी 2020 में दिल्ली में 7 दिन तक शीतलहर का दौर रहा था। कश्मीर में गुरुवार से बारिश और हिमपात का अलर्ट जारी किया गया है। कश्मीर चिल्लई कलां की चपेट में हैं, ये 40 दिन की वो अवधि है जिस दौरान बर्फबारी की अधिक संभावना रहती है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, 23-24 जनवरी को उत्तर भारत में एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, लद्दाख, उत्तराखंड में बारिश के साथ अच्छी बर्फबारी होगी। इसका असर राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, यूपी में भी देखने को मिलेगी। 26 जनवरी से उत्तर भारत में मौसम साफ होना शुरू हो जाएगा।

राजस्थान-5 दिन बाद पारा चढ़ा, अगले हफ्ते ओलावृष्टि का अलर्ट जारी

राजस्थान में शीतलहर के बीच बारिश और ओले गिरने का अलर्ट है। अगले हफ्ते बारिश के साथ ओले गिर सकते हैं। 23 और 24 जनवरी को राजस्थान सहित उत्तर व मध्य भारत के कई हिस्सों में अच्छी बारिश होने की संभावना है। चुरू, फतेहपुर, माउंट आबू में लगातार 5वां दिन है, जब तापमान जीरो से नीचे रहा है।

जयपुर मौसम केंद्र की रिपोर्ट की मानें तो सीकर में अगले 5 दिनों तक मौसम शुष्क रहने वाला है। ऐसे में तापमान में उतार-चढ़ाव होने की संभावना है। फिलहाल मौसम विशेषज्ञों की मानें तो सीकर जिले में आज बेहद हल्की बारिश होने की संभावना है। वही सीकर जिले में सुबह से बादलों की आवाजाही भी जारी है।

उत्तर प्रदेश-कानपुर में ठंड ने 19 साल का रिकॉर्ड तोड़ा

यूपी के मुजफ्फरनगर में पारा 1.7 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। जबकि कानपुर में ठंड ने 19 साल के रिकॉर्ड तोड़ दिए। 22 जनवरी से बारिश के भी आसार जताए गए हैं। मौसम विभाग ने 15 जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया।

गुजरात-कड़ाके की सर्दी, बर्फ से ढंक गए तीन गांव

गुजरात में एक बार फिर कड़ाके की ठंड पड़ रही है। सुबह से ही लोग कड़ाके की ठंड में ठिठुर रहे हैं। नलिया राज्य में 2 डिग्री तापमान के साथ सर्वाधिक ठंडा शहर बन गया है। वहीं, बनासकांठा जिले के सीमावर्ती इलाके में वाव-थरड और सुइगम को बर्फ की चादर ने ढंक लिया है। ठंड से जीरा, सौंफ, रायडू जैसी फसलों को नुकसान को लेकर किसानों में चिंता की लहर है।पढ़ें पूरी खबर...

मध्यप्रदेश-बारिश के आसार, 11 शहरों में शीतलहर चलेगी

मध्यप्रदेश में पड़ रही कड़ाके की ठंड से राहत मिल सकती है। ऐसा बादल छाने से होगा। 22 जनवरी से दूसरा वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होगा। ऐसे में भोपाल समेत आधे मध्यप्रदेश में न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री तक बढ़ोतरी हो सकती है। भोपाल, ग्वालियर-चंबल संभाग में बारिश की संभावना है। बादल छंटते ही जनवरी के अंतिम सप्ताह में ठंड की वापसी हो सकती है।

फिलहाल, पूरा प्रदेश कड़ाके की ठंड की जकड़न में है। ग्वालियर-चंबल शीतलहर से कांप रहा है। मध्यप्रदेश में सबसे ठंडा दतिया है। यहां मंगलवार रात का तापमान 2.2 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। ग्वालियर में न्यूनतम तापमान 2.3 डिग्री रहा। भोपाल में इस सीजन में जनवरी की रातें 23 साल में सबसे सर्द रहीं। इंदौर में मंगलवार का दिन भी कोल्ड डे के करीब रहा।

जोशीमठ जैसा खतरा बाली चौकी में घरों में दरारें आ गई

मंडी । जमीन धंसने की त्रासदी से दो-चार हो रहे उत्तराखंड के जोशीमठ जैसा खतरा हिमाचल में भी मंडरा रहा है। मंडी जिले के तीन गांव के लोग कड़कड़ाती ठंड में डर के साए में जीने को मजबूर हैं। मामला जिला मंडी के द्रंग विधानसभा क्षेत्र के तहत विकासखंड बाली चौकी की ग्राम पंचायत भटवाड़ी का है। पंचायत समिति सदस्य शोभेराम भारद्वाज ने बताया कि लोग खतरे के साए में जीने को मजबूर हो गए हैं उन्होंने सरकार व प्रशासन से यहां पर बचाव के उचित प्रबंध समय रहते करने की मांग भी की है। स्थानीय लोगों ने बताया कि कुछ लोगों को मुआवजा भी दिया गया जो कि बहुत कम है और उनकी बहुत ज्यादा जमीन तबाह हो गई है। गांव शालानाल में फोरलेन निर्माण कार्य की कटिंग के कारण पहाड़ दरकने से लोगों के घरों में दरारें आ गई हैं और गांव को जोड़ने वाला एकमात्र सड़क मार्ग पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। स्थानीय लोगों द्वारा इसका कारण मनाली-चंडीगढ़ फोरलेन निर्माण के लिए हुई पहाड़ की कटिंग बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत भटवाड़ी के गांव शाला नाल में बीते 2 साल से संपर्क सड़क मार्ग टूटने और घरों को दरारें आने से मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों द्वारा असुविधा का कारण मनाली-चंडीगढ़ फोरलेन निर्माण के लिए हुई पहाड़ की कटिंग बताया जा रहा है। प्रभावित लोगों द्वारा इस असुविधा को लेकर मंडी प्रशासन और एनएचएआई को शिकायत दी थी। इसके उपरांत एसडीएम बालीचौकी ने मौके का दौरा किया था लेकिन आज तक समस्या जस की तस बनी हुई है।

एक पखवाड़े में 26 लाख भक्तों ने बाबा विश्वनाथ के दरबार में लगाई हाजिरी -विश्वनाथ धाम में टूटे रिकॉर्ड

वाराणसी। नये साल के पहले ही पखवारे में लगभग 26 लाख लोगों ने बाबा विश्वनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई। काशी कॉरिडोर बनते ही विश्वधाम दरबार में भक्तों की संख्या बढ़ गई है। दिव्य और भव्य काशी विश्वनाथ धाम में सुविधाओं में इजाफा होने से यहां श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। बीते वर्ष एक करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने बाबा के दरबार में हाजिरी लगाई थी। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुनील वर्मा ने बताया कि साल के पहले ही दिन 532551 दर्शनार्थियों ने दर्शन किया है। जनवरी के पहले 15 दिनों में श्रद्धालुओं की संख्या करीब 2373392 थी जबकि 17 जनवरी तक ये संख्या 2608099 हो गई है। उन्होंने बताया कि एक जनवरी की 5 लाख से अधिक की संख्या को छोड़ दिया जाए तो बाकी दिनों में एक लाख से ज्यादा भक्तों ने बाबा के दरबार में हाजिरी लगाई है। जीर्णोद्धार के पहले विश्वनाथ धाम में 30 से 40 लाख दर्शनार्थी साल भर में आते थे। श्री काशी विश्वनाथ धाम में सुविधाओं के विस्तार के साथ आने वाले समय में श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ने की उम्मीद है। ज्ञात हो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट श्रीकाशी विश्वनाथ धाम केवल मंदिर ही नहीं यात्री सुविधाओं के नजरिये से भी खास बनाया गया है। पूरा परिसर आनंद-कानन की अनुभूति भी करा रहा है। वाराणसी की नई तस्वीर बनकर सामने आई है जिसके चलते देश विदेश से पर्यटक काशी की ओर आकर्षित हो रहे हैं। वाराणसी में फिलहाल हॉट एयर बैलून फेस्टिवल का भी आयोजन हो रहा है। इसके अलावा गंगा पार रेत पर बसी टेंट सिटी भी सैलानियों के आकर्षण का केंद्रबिंदु है।

रोबोट से होगी सीवरेज पाइप लाइन की सफाई

इंदौर। इंदौर देश का छठवीं बार स्वच्छता के मामले में देश भर में नंबर 1 बना हुआ है। नगर निगम इंदौर द्वारा अभी सीवरेज की सफाई के लिए रोबोटिक मशीनों का उपयोग किया जा रहा है। रोबोटिक मशीनों से केवल चेंबरों की सफाई हो पाती है। सीवर पाइप लाइन में खराबी या लीकेज को ठीक करने के लिए उसकी खुदाई करनी पड़ती है। शहर के युवा उद्यमी अब ऐसा रोबोट तैयार करने में लगे हुए हैं जो ड्रेनेज चेंबर के अलावा सीवरेज पाइप लाइन की सफाई भी कर सके।

सांप की तरह चलेगा रोबोट

शोध करने वाले आर्क रोबोटिक्स के सदस्य शुभम विश्वकर्माराहुल विश्वकर्मा जितेंद्र दुबे मैकेनिकल और कंप्यूटर इंजीनियर ने मिलकर 1 साल शोध करने के बाद एक रोबोट तैयार किया है। यह रोबोट सांप की तरह लचीला है। 360 डिग्री में घूम सकता है। पाइप लाइन के अंदर सफाई कर सकता है। मुहाने पर लगा ग्रेवल भीतर से जमी गाद और अन्य चीजें खींच कर बाहर निकालता है। जल्द ही इस रोबोट का परीक्षण शुरू कर दिया जाएगा। यह रोबोट ड्रेनेज़ चेंबर की सफाई के दौरान यह भी पता कर सकेगा कि पाइप लाइन से कितनी गाद रही है। पानी की स्थिति क्या है। पाइप लाइन में सीवरेज का बहाव भी रोबोट के सॉफ्टवेयर में दर्ज हो जाएगा। पानी के बहाव की जानकारी मिलने से बारिश के पहले यह आकलन करने में मदद मिलेगीकि किन स्थानों के चेंबर ओवरफ्लो हो सकते हैं ऐसी स्थिति में नगर निगम समय के पहले ही सुधार कार्य करवा सकेगा अभी यह रोबोट परीक्षण स्तर पर है लेकिन इंदौर इस मामले में भी नंबर वन बनने जा रहा है।

राजस्थान : बच्चे का यौन उत्पीड़न करने के मामले 18 साल के लड़के को 20 साल की जेल

कोटा । जिले की विशेष अदालत ने सात साल के बच्चे का यौन उत्पीड़न करने के मामले में 18 साल के एक लड़के को 20 साल जेल की सजा सुनाई है लेकिन आरोपी लड़के को 21 साल की उम्र तक सुधार गृह में रखा जाएगा। अदालत ने दोषी पर 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाकर कहा कि इस अदा करने में नाकाम रहने पर उसे अतिरिक्त छह महीने जेल में बिताना होगा। लोक अभियोजक धीरेंद्र चौधरी ने कहा कि घटना सितंबर 2021 की है जब दोषी 16 महीने नौ माह का था लेकिन किशोर न्याय बोर्ड ने सिफारिश की कि उस पर एक वयस्क के रूप में मुकदमा चलाया जाए। चौधरी ने बताया कि हालांकि अदालत ने कहा कि उसके 21 साल का होने तक ''उसे सुरक्षित जगह'' रखा जाए। उसके शैक्षिक बौद्धिक और व्यवहारिक विकास के लिए परामर्श प्रदान किया जाए। यह घटना कोटा जिले के रामगंज मंडी थाना क्षेत्र के एक गांव की है। पीड़ित लड़के के एक रिश्तेदार ने 14 सितंबर 2021 को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी।

बब्बर खालसा के 2 संदिग्ध गिरफ्तार निशाने पर थे बड़े हिंदू नेता

अमृतसर । गणतंत्र दिवस 26 जनवरी से पहले पुलिस को बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। दरअसल मोहाली के स्टेट ऑपरेशन सेल ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल से संबंधित 2 संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी देर रात की गई है जिनसे एक पिस्तोल भी बरामद हुई है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान युवराज और निशान पंजाब के अमृतसर और तरनतारन के रहने वाले हैं। मोहाली स्टेट ऑपरेशन सेल के अनुसार दोनों इंग्लैंड में मौजूद खालिस्तानी समर्थक अमृतपाल और बब्बर खालसा इंटरनेशनल के बड़े मास्टरमाइंड परमजीत पम्मा से जुड़े बताए जा रहे हैं। पूछताछ में दोनों ने खुलासा किया कि उनके निशाने पर पंजाब के कुछ हिंदू नेता थे जिसके लिए उनकी रेकी भी की गई थी। बता दें कि इससे पहले मोहाली स्टेट ऑपरेशन सेल ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़े गैंगस्टरों के खिलाफ केस दर्ज किया था।

राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल के स्थापना दिवस पर पीएम मोदी और गृहमंत्री शाह ने दी बधाई

नई दिल्ली । राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) का स्थापना दिवस 2006 में स्थापना के उपलक्ष्य में भारत में हर साल 19 जनवरी को मनाया जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने इस मौके पर बल के जवानों को बधाई दी। बता दें कि एनडीआरएफ को बने आज 17 साल हो चुके हैं। इस छोटी सी समय सीमा के भीतर बल लगभग 1.48 लाख लोगों की जान बचा चुका है और 7 लाख लोगों को आपदा ग्रस्त इलाकों से निकालने में कामयाब रहा है।

2024 की तैयारी में जुटी भाजपा यूपी की हारी 15 सीटों पर शाह और नड्डा की विशेष नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2024 में होने वाले आम चुनाव के लिए सत्तारूढ़ भाजपा ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा कार्यकर्ताओं से राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में कहा था कि चुनाव में 400 दिनों का वक्त शेष हैइसकारण हमें तैयारियों में जुट जाना चाहिए। दिल्ली की सत्ता की गददी के लिए उत्तर प्रदेश काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। यूपी में भाजपा एक बार फिर से अपनी तैयारियों को मजबूत करने पर काम कर रही है। पार्टी के वरिष्ठ नेता यूपी को लेकर लगातार रणनीति बना रहे हैं। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने कार्यकर्ताओं से 2019 के आम चुनाव में हारी गई 15 लोकसभा सीटों पर राजनीतिक गतिविधियों में तेजी लाने को कहा है। हालांकि इन 15 सीटों में से भाजपा ने उपचुनाव में आजमगढ़ और रामपुर में बाजी मार ली थी। जानकारी के मुताबिक राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा आने वाले दिनों में गाजीपुर में सेना के जवानों के साथ एक संवाद कार्यक्रम आयोजित करने वाले हैं। वहीं पार्टी के वरिष्ठ नेता और चुनावी रणनीतिकार अमित शाह पश्चिम उत्तर प्रदेश को लेकर एक संगठनात्मक बैठक करने वाले हैं। साथ ही साथ सहारनपुर में एक रैली को संबोधित करने वाले हैं। माना जा रहा है कि इस रैली में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल हो सकते हैं। शाह दो रैलियों को संबोधित कर सकते हैं। पार्टी की ओर से कुछ वरिष्ठ मंत्रियों को भी पूर्वी और पश्चिमी यूपी में लगाया जाएगा। पार्टी के वरिष्ठ नेता लगातार संगठनात्मक बैठक करने के बाद जन सभाओं को भी संबोधित करने वाले हैं। गाजीपुर और सहारनपुर का चयन भाजपा की ओर से किया गया है। दोनों ही जगह भाजपा 2019 के चुनाव में हार गई थी। गाजीपुर में केंद्रीय मंत्री रहते हुए मनोज सिन्हा को हार का सामना करना पड़ा था। सिन्हा को बसपा उम्मीदवार अफजल अंसारी ने हराया था। अफजल अंसारी जेल में बंद बाहुबली मुख्तार अंसारी के भाई हैं। 2022 के विधानसभा चुनाव में भी गाजीपुर में भाजपा को सफलता नहीं मिली थी और वहां की सातों सीटों पर हार का सामना करना पड़ा था। इसकारण गाजीपुर को लेकर भाजपा की ओर से खास रणनीति बनाई जा रही है। वहीं सहारनपुर में भी भाजपा को सभी 7 विधानसभा सीटों पर सपा से कड़ी टक्कर मिली थी। सूत्रों का दावा है कि 2024 के चुनाव को लेकर भी भाजपा कैराना पर फोकस करेगी।

औधोगिक मंत्री नंद गोपाल नंदी ने प्रयागराज मे एक दिवसीय ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट कार्यक्रम का दीप प्रज्जवलन कर किया शुभारम्भ

प्रयागराज । औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन, एन0आर0आई0 एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग औधोगिक मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नंदी के द्वारा एम0एम0ए0 सभागार में आयोजित ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट-2023 कार्यक्रम का दीप प्रज्जवलन कर शुभारम्भ किया गया इस अवसर पर मंत्री जी ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले उद्यमियों को अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित भी किया आयोजित इंवेस्टर्स समिट में बताया गया कि जनपद प्रयागराज में विभिन्न क्षेत्रों के उद्यमियों के द्वारा 33554.10 करोड़ रू0 के निवेश का प्रस्ताव प्राप्त हुआ है।

इन्वेस्टर समिट में लगभग 800 आमंत्रित निवेशक का पंजीकरण किया गया उद्घाटन समारोह के उपरान्त श्री सिद्धार्थ सिंह, सहायक आयुक्त हथकरघा द्वारा एवं टेक्सटाइल्स पालिसी 2022 के प्रमुख बिन्दुओं का प्रस्तुतीकरण निवेशकों/उद्यमियों के मध्य किया गया। एफ0पी0ओ0/प्रगातिशील कृषकों एंव कृषि आधारित औद्योगिक इकाईयों के मध्य समन्वय स्थापित करने हेतु उप निदेशक कृषि द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। अग्रणी बैक प्रबन्धक, बैक आफ बडौदा द्वारा निवेशक/उद्यमियों को

बैंको द्वारा प्रदान की जा रही वित्तीय प्रोत्साहन की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। जिला उद्यान अधिकारी द्वारा खाद्य प्रसंस्करण/धान आपूर्ति तथा निर्यात के अवसर पर विभागीय योजनाओं का प्रस्तुतीकरण किया गया

इन्वेस्टरों को इन्वेस्टर हेतु आकर्षित करने के लिए एम0एस0एम0ई0 पालिसी 22022 द्वारा प्रदान किये जाने वाले विभिन्न प्रोत्साहन के सम्बन्ध में जोनल समन्वयक ई0एण्ड वाई द्वारा एम0एस0एम0ई0 पालिसी 2022 का प्रस्तुतीकरण किया गया क्षेत्रीय प्रबन्धक, यूपीसीडा प्रयागराज द्वारा सरस्वती हाई टेक सिटी की फिल्म के माध्यम से औद्योगिक आस्थान मे उपलब्ध भूखण्डों एंव अन्य मूलभूत सुविधाओं की विस्तृत जानकारी निवेशकों/उद्यमियों के मध्य किया गया जनपद में पर्यटन के क्षेत्र में निवेश बढाये जाने हेतु सिद्धार्थ, के0जी0एम0जी0 द्वारा पर्यटन नीति 2023 का प्रस्तुतीकरण किया गया जनपद में विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक विकास मे उत्कृष्ट योगदान प्रदान करने वाले निम्नांकित निवेशकों को मुख्य अतिथ मंत्री औद्योगिक विकास, उ0प्र0 लखनऊ द्वारा स्मृति चिन्ह/प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

महबूबा और फारुख समझे कश्मीर पर पाकिस्तान का वार्ता का प्रस्ताव हमेशा छलावा ही रहा

जम्मू (एजेंसी)। नेशनल कांफ्रेंस अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला के बाद पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने पाकिस्तान से वार्ता की बात कह कर कहा है कि पूर्व पीएम अटलजी की नीति को पाकिस्तान समझ गया था लेकिन भाजपा नहीं समझ पाई। महबूबा ने कहा कि अमरनाथ यात्रियों की संख्या बढ़ाने से यहां भी जोशीमठ जैसे हालात हो सकते हैं।

महबूबा ने कहा कि कश्मीर समस्या का समाधान संविधान के ढांचे के भीतर है। उन्होंने कहा कि हालांकि किसी भी समाधान के लिए शुरुआती कदम जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा और राज्य का दर्जा बहाल करना होगा। महबूबा ने कहा जम्मू-कश्मीर में सुलह के अलावा कोई रास्ता नहीं है लेकिन इसके लिए शुरुआती कदम (पूर्व) राज्य से जो कुछ भी छीन लिया गया है उसकी बहाली होगी।

दूसरी ओर फारूक अब्दुल्ला ने कहा है कि कश्मीर समस्या तब तक खत्म नहीं होगी जब तक 'हम अपने पड़ोसी से बात नहीं करते' और दशकों से चली आ रही इस समस्या का वास्तविक समाधान नहीं ढूंढ़ते। उन्होंने पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा कश्मीर की समस्या खत्म नहीं होगी... और मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है कि आतंकवाद तब तक बना रहेगा जब तक हम अपने पड़ोसी से बात नहीं करते और इस समस्या का वास्तविक समाधान नहीं निकालते।

बहरहाल कश्मीरी नेताओं को समझना होगा कि पाकिस्तान का वार्ता का प्रस्ताव हमेशा छलावा ही रहा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे यहां फारूक और महबूबा जैसे कुछ नेता भी हैं जो सबकुछ जानने-समझने के बावजूद पाकिस्तान से वार्ता की वकालत करते हैं।

कांग्रेस का आरोप धरने पर बैठे खिलाड़ियों पर चुप्पी साधकर क्यों बैठी हैं मोदी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से धरने पर बैठे खिलाड़ियों के आरोपों का जवाब देने की मांग की है। कांग्रेस नेता कुमारी शैलजा ने कहा प्रधानमंत्री आश्वासन दे कि अब ऐसा नहीं होने दिया जाएगा। कांग्रेस महासचिव शैलजा ने कहा पता चला है कि एक वरिष्ठ खिलाड़ी ने आला मंत्रियों के समाने एक बहुत ही गंभीर बात रखी थी। लेकिन इस बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ वाली सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की। ये सरकार खोखली साबित हुई इन का हर नारा झूठ से प्रेरित साबित हुआ।

कांग्रेस नेत्री ने कहा कि आपने देखा कि किस तरह से देश के बड़े-बड़े खिलाड़ी इस सरकार के खिलाफ धरने पर बैठे हैं। जब बेटियां बच्चियां महिलाओं की बात सामने आती हैं तब इस सरकार के वरिष्ठ नेता चुप्पी साध लेते हैं। इतनी बड़ी बात हुई लेकिन सरकार की तरफ से कहा गया कि बीच में राजीनामा कर लिया जाए। उन्होंने पीएम मोदी से कहा आज प्रधानमंत्री मोदी को सामने आना चाहिए और कहना चाहिए कि अब किसी भी बेटी के साथ ऐसा नहीं होने दिया जाएगा। यह जो गंभीर आरोप लगाए गए हैं सबके सामने खुले मंच से लगाए गए हैं। उन्होंने केंद्र से सवाल कहा कि सरकार क्या कर रही है हमें जवाब चाहिए हर खिलाड़ी को लड़की को और महिला को सरकार से यह जवाब चाहिए। देश के खिलाड़ियों और बच्चियों को इंसाफ चाहिए।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी पूरी तरीके से उनके साथ हैं और इस मामले में देश के खिलाड़ियों को न्याय मिलना चाहिए। चाहे कोई किसी भी बात पर हो इस पर पर्दा डालने की कोशिश नहीं की जानी चाहिए।

इससे पहले कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि देश के नामी खिलाड़ियों द्वारा लगाए गए आरोप बेहद ही गंभीर हैं। इन आरोपों की निष्पक्ष जांच बेहद ही जरूरी है। वहीं कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने भी कुश्ती संघ को बर्खास्त किए जाने की मांग की थी। दरअसल पहलवानों का आरोप है कि भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष और कोच महिला पहलवानों का यौन उत्पीड़न करते हैं। कुछ कोच सालों से यौन उत्पीड़न करते आ रहे हैं। ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली एथलीट विनेश फोगाट ने भी आरोप लगाया है कि सालों से राष्ट्रीय कोचों ने महिला पहलवानों से छेड़छाड़ और उनका यौन शोषण किया है।

स्नान के बाद भीड़ के डिस्पर्सन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के दिए निर्देश

प्रयागराज । अपर पुलिस महानिदेशक भानु भास्कर एवं मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में मौनी अमावस्या स्नान पर्व को सकुशल, सुगम एवं सुरक्षित ढंग से सम्पन्न कराये जाने के सम्बंध में बैठक आयोजित की गयी बैठक में विभिन्न विभागों के द्वारा मेला क्षेत्र में स्नान पर्व को सकुशल ढंग से सम्पन्न कराने हेतु की गयी तैयारियों की बिंदुवार समीक्षा की गयी बैठक में अपर पुलिस महानिदेशक ने निर्देशित करते हुए कहा कि मेला क्षेत्र में सड़कों पर अतिक्रमण न होने पाये उन्होंने कहा कि छोटी से छोटी बातों का विशेष ध्यान रखा जाये तथा उसको गम्भीरता से ले संदिग्ध व्यक्तियों एवं संदिग्ध वस्तुओं पर विशेष ध्यान रखा जाये। एडीजी जोन ने कहा कि मेला क्षेत्र में पानी का छिड़काव समय समय पर होता रहे, जिससे कि धूल इत्यादि की समस्या न हो उन्होंने पीपे के पुल पर किसी भी दशा में जाम न होने पाये, इसकी समुचित व्यवस्था बनाये रखने के लिए कहा है साथ ही साथ उन्होंने सभी पीपे के पुलों को पुन: एक बार चेक करने के लिए कहा है अपर पुलिस महानिदेशक ने सभी विभागों को आपसी समन्वय बनाकर स्नान पर्व को सकुशल एवं सुरक्षित ढंग से सम्पन्न कराये जाने के लिए कहा है उन्होंने कहा कि टीम वर्क की भावना से कार्य करने पर किसी भी कार्य में सफलता अवश्यंभावी है उन्होंने भीड़ एवं यातायात प्रबंधन की समुचित व्यवस्था बनाये रखने के लिए कहा है उन्होंने कहा कि स्नान पर्व के दिन स्नान के बाद भीड़ के डिस्पर्सन की समुचित व्यवस्था रहे, जिससे कि किसी भी दशा में शहर में जाम की स्थिति न उत्पन्न होने पाये

मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत ने बैठक में कहा कि मेला क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क की समुचित व्यवस्था बनाये रखने हेतु सम्बंधित कम्पनियों से समन्वय बनाकर इसकी व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कहा है उन्होंने स्नान पर्व के दिन दुकानों पर अनावश्यक भीड़ न इकट्ठा होने पाये, इसकी व्यवस्था कराये जाने के लिए कहा है मण्डलायुक्त ने जल निगम को मेला क्षेत्र में कहीं पर भी पानी लिकेज न होने पाये, इसकी शत-प्रतिशत व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के लिए कहा है उन्होंने पीपे के पुलों तथा मेला क्षेत्र में बनायी गयी सड़कों पर चकर्ड प्लेटों को सुव्यवस्थित ढंग से सुनिश्चित कराये जाने के लिए कहा है मण्डलायुक्त ने कंट्रोल रूम में सभी सम्बंधित विभागों को अपने विभाग से सम्बंधित अधिकारियों/कर्मचारियों की चैबीस घण्टे की व्यवस्था हेतु शिफ्ट वार ड्यूटी लगाये जाने के निर्देश दिए है उन्होंने मेला क्षेत्र में शौचालयों, मोबाइल शौचालयों तथा पूरे मेला क्षेत्र में साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था बनाये रखने के निर्देश दिए है

संवाददाता लक्ष्मी कात पाण्डेय । सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र धनूपुर सरापपिथा मे आशा कर्मचारियों को स्मार्ट फोन वितरण किया गया। आज प्रयागराज हंण्डिया धनूपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सरापपिथा मे समस्त आशा कर्मचारियों को स्मार्ट फोन एव चार्जर एयर फोन बैक कवर और बैख के साथ साथ स्क्रीन गार्ड अम्बुज तावारी के द्वारा प्रदान किया गया जिसमें मुख्य रूप से अधिक्षक डाक्टर संतोष कुमार पाण्डेय,सुनीता कटियार, बपीएम राघवेद्र प्रताप सिंह, बीसी पीएम पंकज राव, दीपक, विनय सजीव आदि स्वास्थ्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

दिल्ली सहित उत्तर भारत को शीतलहर से राहत के आसार!

- बारिश-बर्फबारी को लेकर भी अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली सहित पूरे उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी की वजह से मैदानी इलाकों में पारा गिर गया है और लगातार सर्दी का सितम बढ़ता ही जा रहा है। दिल्ली से लेकर यूपी-बिहार और पंजाब-हरियाणा तक कड़ाके की ठंड की चपेट में हैं। जम्मू-कश्मीर में ठंड का आलम तो यह है कि पहलगाम में बुधवार को न्यूनतम तापमान गिरकर शून्य से 11.7 डिग्री सेल्सियस नीचे चला गया। वहीं दिल्ली में लगातार आठ दिनों से शीतलहर का प्रकोप जारी है और बुधवार को न्यूनतम तापमान 2.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार 21 जनवरी से 25 फरवरी के बीच देश के मौसम में बदलाव दिखेगा और बारिश बर्फबारी और तेज हवाओं का ट्रिपल अटैक होगा। उत्तर भारत में जारी भीषण ठंड और कोहरे की मार के बीच मौसम विभाग ने बारिश बर्फबारी और ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली सहित उत्तर पश्चिमी भारत में अगले सप्ताह हल्की से मध्यम बारिश और 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली हवाओं के साथ ओलावृष्टि होने का अनुमान है। मौसम विभाग ने कहा कि एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ 21 जनवरी से 25 जनवरी तक उत्तर पश्चिमी भारत को प्रभावित कर सकता है। इसके साथ ही एक बार फिर से उत्तर भारत में ठंड बढ़ जाएगी। हरियाणा और राजस्थान के कुछ हिस्सों में शीतलहर से लेकर गंभीर शीतलहर की स्थिति की उम्मीद है। दिल्ली पंजाब उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में शीत लहर चल सकती है। मौसम विभाग ने पूर्वानुमान जताया है कि उत्तर पश्चिम भारत में शीतलहर की स्थिति आज यानी 19 जनवरी से समाप्त होने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि 19 जनवरी को हिमाचल प्रदेश जम्मू और कश्मीर और उत्तराखंड के कुछ इलाकों में बर्फबारी और बारिश हो सकती है। इसके अलावा एक्टिव पश्चिमी विक्षोभ की वजह से दिल्ली से लेकर पूरे उत्तर भारत में 21 जनवरी से 25 जनवरी के बीच बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार इसके प्रभाव से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में 21 जनवरी के शुरुआती घंटों में बारिश या हिमपात शुरू होने और 23-24 जनवरी को चरम गतिविधि के साथ 25 जनवरी तक इसके जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने कहा कि 23 और 24 जनवरी को जम्मू हिमाचल प्रदेश उत्तराखंड पंजाब हरियाणा चंडीगढ़ दिल्ली पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उत्तरी राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम ओलावृष्टि होने की संभावना है। पंजाब और हरियाणा में भी कड़ाके की ठंड का प्रकोप जारी है। प्रदेश के अधिकांश इलाकों में न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे बना रहा।

50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी हवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार दिल्ली में पांच से नौ जनवरी तक भीषण शीतलहर चली जो एक दशक में इस महीने में प्रचंड शीतलहर की दूसरी सबसे लंबी अवधि रही। दिल्ली में सर्दी के मौसम में अब तक बारिश नहीं हुई है। वहीं कश्मीर में न्यूनतम तापमान जमाव बिंदु से और नीचे गिर गया जबकि मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार से बारिश और हिमपात होने की भविष्यवाणी की है। मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली समेत उत्तर भारत में 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी और पंजाब हरियाणा से लेकर चंडीगढ़ यूपी राजस्थान में 23 से 25 के बीच में बारिश होगी। मौसम विभाग का कहना है कि नवंबर और दिसंबर में मजबूत पश्चिमी विक्षोभ बारिश न होने का कारण था।

कोरियन दुनिया की सातवीं सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली भाषा

वाशिंगटन । दुनिया में कोरियन भाषा बड़ी तेजी के साथ फैल रही है। इसके पढ़ने और बोलने वालों की संख्या लगातार बढ़ती ही जा रही है। पिछले वर्षों में कोरियन भाषा 7वीं सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली दुनिया की भाषा बन गई है। कोरियन भाषा ने चीनी भाषा को भी पीछे छोड़ दिया है। भाषा के मामले में पहले नंबर पर अंग्रेजी और दूसरे नंबर पर स्पेनिश है। पिछले 20 वर्षों में कोरिया की संस्कृति का बड़ी तेजी के साथ प्रसार हुआ है। कोरियन गाने टीवी ड्रामा ब्यूटी प्रोडक्ट फैशन खाद्य सामग्री इत्यादि के निर्यात व्यापार सेकोरियन भाषा बड़ी तेजी के साथ बढ़ी है। अमेरिका में कोरियन पढ़ने वाले छात्रों की संख्या लगातार बढ़ती ही जा रही है। पिछले तीन-चार वर्षो में इसकी संख्या 50 फ़ीसदी तक बढ़ गई है। अर्थव्यवस्था और जिया पॉलिटिक्स में कोरिया के बढ़ते हुए प्रभाव को स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। पिछले 4 वर्षों में 20 कोरियाई शब्द ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी में शामिल किए गए। जो कोरियान भाषा के महत्व को बढ़ाते हैं।

सारी दुनिया में भारत की बनी डिजाइनर साड़ियों की मांग

-विश्व स्तर पर भारतीय साड़ियों ने बनाई नई पहचान

लंदन । 19 मई को लंदन में साड़ियों के बढ़ते फैशन को देखते हुए साड़ी फैशन शो आयोजित हो रहा है। भारतीय साड़ियों की यूरोप के देशों में भारी मांग और उत्साह देखने को मिल रहा है। 19 मई को आयोजित फैशन शो में मॉडल साड़ियां पहनकर रैंप वॉक करेंगी । इस रैंप वॉक के जरिए भारतीय साड़ियों के पहनावे के नए नए ढंग और नई नई डिजाइनो को पूरी दुनिया को दिखाया जाएगा। ब्रिटेन का यह अभी तक का सबसे बड़ा फैशन शो होगा। जिसमें भारत में तैयार की गई 90 प्रकार की साड़ियों का प्रदर्शन किया जाएगा। इस फैशन शो में साड़ी के पहनने के तरीके में और डिजाइन में भी बदलाव इस फैशन शो का प्रमुख आकर्षण होगा। फैशन शो के लिए हाइब्रिड साड़ियां तैयार की गई हैं। डिजाइनर दीक्षा खन्ना इस फैशन शो में शर्ट के साथ साड़ी पहनने की डिजाइन पेश करेंगी। इस फैशन शो में भारत के बड़े-बड़े डिजाइनर और फैशन स्टूडियो द्वारा प्रस्तुत साड़ियों के विभिन्न रेंज को फैशन शो में दिखाया जाएगा। इस शो में अबू जानी और संदीप खोसला की तैयार की गई जालीदार साड़ियां भी दर्शकों को मनमोहक होंगी। ऐसा कहा जा रहा है। दुनिया भर के देशों में विशेष रुप से यूरोप के देशों में साड़ियों को लेकर युवतियों और महिलाओं में नया क्रेज देखने को मिल रहा है। लंदन के फैशन शो में पहली बार डिजाइन के साथ साड़ियों के पहनने के तरीकों में भी बदलाव सारी दुनिया को दिखाया जाएगा। फैशन की दुनिया में जिस तरह से साड़ियों की मांग बढ़ रही है। उससे इस फैशन शो से डिजाइनर्स को बड़ी आशा है।

इजराइली सैनिकों ने वेस्ट बैंक मेंदो फलस्तीनियों को गोली मारी, मौत

रामल्लाह। इजराइली सैनिकों ने अपने कब्जे वाले इलाके वेस्ट बैंक में बृहस्पतिवार को तड़के एक सैन्य अभियान के दौरान दो फलस्तीनियों को गोली मार दी जिससे उनकी मौत हो गई। फलस्तीनी मीडिया ने यह जानकारी दी। फलस्तीन की आधिकारिक समाचार एजेंसी वफ़ा के मुताबिक़, हमले में मारे गए लोगों की पहचान जावेद बावत्का (58) और अधम जबरीन के रूप में की गयी है। उन्हें उत्तरी वेस्ट बैंक में जेनिन शरणार्थी शिविर में गोली मार दी गई। जावेद बावत्का एक शिक्षक थे जबकि सशस्त्र समूह अल-अक्सा शहीदों की ब्रिगेड ने दावा किया कि अधम जबरीन एक लड़ाका थीं। इस घटना को लेकर इजराइली सेना ने अब तक कोई टिप्पणी नहीं की है।

एप्पल ने घोषणा की उन्नत डेटा सुरक्षा विकल्प का विस्तार कर रहा

सैन फ्रांसिस्को । आईफोन निर्माता कंपनी एप्पल ने घोषणा की है कि वह वैश्विक स्तर पर उपयोगकर्ताओं के लिए अपने उन्नत डेटा सुरक्षा विकल्प का विस्तार कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार आईओएस 16.3 से शुरू होकर सुरक्षा फीचर उपयोगकर्ताओं को फोटो नोट्स वॉयस मेमो मैसेज बैकअप डिवाइस बैकअप और बहुत कुछ सहित अतिरिक्त आईक्लाउड डेटा श्रेणियों के लिए एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन को सक्षम करने की अनुमति देगा। आईओएस 16.3 वर्तमान में बीटा में है और अगले सप्ताह जनता के लिए रिलीज होने की उम्मीद है। एडवांस्ड डेटा प्रोटेक्शन सबसे पहले अमेरिका में दिसंबर में आईओएस 16.2 के साथ लांच किया गया था। इसके अलावा उन्नत डेटा सुरक्षा का उद्देश्य अधिकांश शेयर्ड आईक्लाउड कंटेंट के लिए एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन बनाए रखना है जब तक कि सभी प्रतिभागियों के पास उन्नत डेटा सुरक्षा सक्षम है जिसमें आईक्लाउड शेयर्ड फोटो लाइब्रेरी आईक्लाउड ड्राइव शेयर्ड फोल्डर और शेयर्ड नोट्स शामिल हैं। दूसरी ओर एप्पल का दावा है कि आईवर्क सहयोग फोटो में शेयर्ड एल्बम फीचर और किसी के साथ लिंक के साथ कंटेंट साझा करना उन्नत डेटा सुरक्षा का समर्थन नहीं करता है। इस बीच एप्पल कथित तौर पर आईओएस 16.3 बीटा में अपने होमकिट आर्किटेक्चर को रिलीज करेगा।

जिस टिकट को खरीदकर भूल गए थे बुजुर्ग दंपति उस पर निकली 8 करोड़ डालर की लाटरी

कैरोलिना। किस्मत मेहरबान हो तो कुछ भी हो सकता है। कई बैठे बिठाए ऐसी चीजें हाथ लग जाती हैं जिनके बारे में कल्पना भी नहीं की गई होती। एक लाटरी लेने के बाद एक बुजुर्ग कपल की किस्मत चमक गई और वे मालामाल हो गए। अमेरिका के कैरोलिना के रहने वाले एक शख्स लॉटरी का टिकट खरीदकर भूल गए उस टिकट पर लाटरी लग गई तो उन्होंने उस टिकट को खोजना शुरू किया। वे उस टिकट को रखकर भूल गए थे। बड़ी मुश्किल से उनकी पत्नी को लाटरी का टिकट मिल गया। उस पर 8 करोड़ रुपए की लॉटरी निकली थी। टिकट मिलते ही शख्स ने चैन की सांस ली मगर तब तक वह भी नहीं जानता था कि अगले पल उसकी किस्मत क्या रंग दिखाने वाली है। लॉटरी का रिजल्ट आते ही दोनों के होश उड़ गए क्योंकि उन्होंने 8 करोड़ की राशि जीत ली थी। टेरी पीस नाम के शख्स ने करोड़ों की जीत का श्रेय अपनी पत्नी को दिया। टैक्स कटने के बाद उन्हें 5 करोड़ डालर का भुगतान किया गया जिससे वह सबसे पहले अपना घर रेनोवेट कराना चाहते हैं। इसके बाद पोते-पोतियों के लिए कुछ पैसे जमा कर पत्नी के साथ आगे की जिंदगी आराम से बिताना चाहते हैं।

भारत में वीजा की प्रतीक्षा अवधि खत्म करने पर पूरी ताकत लगा रहा है अमेरिका कई कदम उठाए

-वीजा का प्रतीक्षा समय 120 कैलेंडर दिनों का हासिल करने का लक्ष्य

वाशिंगटन ।भारत में अमेरिकी वीजा की प्रके लिए लगने वाले लंबे इंतजार के समय को खत्म करने के लिए अमेरिका पूरी ताकत लगा रहा है। एक वरिष्ठ अमेरिकी वीजा अधिकारी के अनुसार अमेरिका इसमें अपनी पूरी ऊर्जा लगा रहा है। इसमें देश में काउंसलर अधिकारियों का एक कैडर भेजना और भारतीय वीजा आवेदकों के लिए जर्मनी और थाईलैंड तक अपने अन्य विदेशी दूतावास खोलना शामिल है। वीजा सेवाओं की उपसहायक सचिव जूली स्टफट ने कहा कि भारत उन बहुत कम देशों में से एक था जहां कोरोना वायरस से संबंधित यात्रा प्रतिबंध हटाए जाने के बाद अमेरिकी वीजा के लिए आवेदनों में बहुत तेजी देखी गई। पहली बार वीजा आवेदकों के लिए लंबी प्रतीक्षा अवधि को लेकर भारत में चिंताएं बढ़ रही हैं। खासकर बी1 (बिजनेस) और बी2 (पर्यटक) श्रेणियों के तहत आवेदन करने वालों के लिए समय बढ़ा है। भारत में पहली बार बी1/बी2 वीजा आवेदकों की प्रतीक्षा अवधि पिछले साल अक्टूबर में करीब तीन साल थी। जूली स्टफट ने एक साक्षात्कार में कहा कि अभी दुनिया भर में वीजा संचालन का सामान्यीकरण सर्वोच्च प्राथमिकता है। पूरी दुनिया में अमेरिका का वीजा ऑपरेशन सबसे बड़ा है।

पेरिस में हड़ताल के बीच ही एक खचाखच भरी मैट्रो में सवार होने का प्रयास करते हुए लोग।

नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मारिया रसा की कंपनी कर चोरी के आरोपों से मुक्त

मनीला । नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मारिया रसा और उनकी ऑनलाइन समाचार कंपनी को फिलीपींस की एक अदालत ने कर चोरी के आरोपों से मुक्त किया गया है। बता दें कि रसा का कहना था कि उन्हें पूर्व राष्ट्रपति रोड्रिगो दुतेर्ते के खिलाफ रिपोर्टिंग करने को लेकर इन मामलों में फंसाया गया है। कोर्ट ऑफ टैक्स अपील्स ने फैसला सुनाया कि अभियोजक इस आरोपों को साबित करने में विफल रहे कि दो विदेशी निवेशकों के साथ साझेदारी के माध्यम से पैसा जुटाने के बाद रसा और उनकी कंपनी रैप्लर होल्डिंग कॉरपोरेशन ने चार मामलों में टैक्स भुगतान से खुद को बचा लिया। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि आरोपी का बरी होना कोर्ट के इस निष्कर्ष पर आधारित है कि प्रतिवादियों ने इस तरह का जुर्म नहीं किया है। वहीं रैप्लर ने राजनीतिक साजिश पर विजय के रूप में अदालत के इस फैसले का स्वागत किया। कंपनी ने कहा कि अदालत को इस न्यायोचित निर्णय के लिए धन्यवाद देते हैं और स्वीकार करते हैं कि आंतरिक राजस्व ब्यूरो द्वारा लगाए गए धोखाधड़ी झूठे और कमजोर आरोपों का वास्तव में कोई आधार नहीं है। इसके अलावा रैप्लर ने फैसला सुनाए जाने के बाद रसा के हवाले से कहा कि आज तथ्य सच्चाई और न्याय की जीत हुई है।

पीएम मोदी के बचाव के लिए ब्रिटिश संसद में आगे आए ऋषि सुनक,

पाक मूल के सांसद की कर दी बोलती बंद

लंदन (एजेंसी)। गुजरात दंगों पर बीबीसी की डॉक्युमेंट्री का विवाद अब ब्रिटेन की संसद तक पहुंच गया है। पाकिस्तान मूल के सासंद इमरान हुसैन ने संसद में इससे जुड़ा मुद्दा उठाया तो ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक पीएम मोदी के समर्थन में सामने आए। उन्होंने पाक मूल के सांसद को दो टूक कहा कि वो अपने भारतीय समकक्ष के चरित्र चित्रण से सहमत नहीं हैं। पाक मूल के एक ब्रिटिश सांसद ने ब्रिटेन की संसद में इस विषय को उठाया तो पीएम ऋषि सुनक द्वारा इसे खारिज कर दिया गया।

सुनक ने कहा कि पूरे मामले को लेकर लंबे समय से चली आ रही यूके सरकार की स्थिति स्पष्ट है और बदली नहीं है। बेशक, हम कहीं भी उत्पीड़न को बर्दाश्त नहीं करते हैं, लेकिन वह पीएम मोदी के इस चरित्र चित्रण से सहमत नहीं हैं। बता दें कि ब्रिटिश ब्रॉडकास्टर बीबीसी ने India: The Modi Question नाम से एक नई सीरिज का निर्माण किया है। इसमें पीएम मोदी और भारत के मुस्लिमों के बीच तनाव की बात कही गई है। साथ ही गुजरात दंगों में पीएम मोदी की कथित भूमिका और दंगों में हजारों

लोगों के मारे जाने को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा था कि 'इसके (फिल्म के) पीछे एक एजेंडा है। हाल ही में प्रकाशित की गई बीबीसी की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बनी डॉक्यूमेंट्री पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि हमें लगता है कि यह एक प्रोपोगेंडा पीस है। इसकी कोई वस्तुनिष्ठता नहीं है, यह पक्षपातपूर्ण है। ध्यान दें कि इसे भारत में प्रदर्शित नहीं किया गया है।

न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न छोड़ेंगी पद, अक्टूबर में होंगे आम चुनाव

वेलिंगटन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह अपना पद छोड़ने जा रही हैं और अक्टूबर में देश में आम चुनाव होंगे। नम आंखों के साथ अर्डर्न ने नेपियर में पत्रकारों से कहा कि सात फरवरी बतौर प्रधानमंत्री उनका आखिरी दिन होगा। उन्होंने कहा, '' मेरे कार्यकाल का छठा वर्ष शुरू होने जा रहा है और बीते हर साल मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है।'' उन्होंने घोषणा की कि न्यूजीलैंड का अगला आम चुनाव 14 अक्टूबर को होगा और वह तब तक सांसद के रूप में काम करती रहेंगी। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि चुनाव तक प्रधानमंत्री पद कौन संभालेगा। उप प्रधानमंत्री ग्रांट रॉबर्टसन ने घोषणा की है कि वह लेबर पार्टी के नेतृत्व के लिए चुनाव नहीं लड़ेंगे। अर्डर्न ने अपने पद को कई विशेषाधिकारों से भरा लेकिन चुनौतीपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि

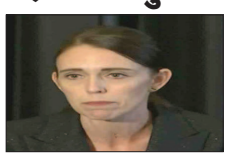

इस भूमिका को निभाने के लिए हमेशा अप्रत्याशित चीजों के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा, '' मैं यह पद इसलिए नहीं छोड़ रही क्योंकि यह चुनौतियों से भरा है। अगर ऐसा होता तो प्रधानमंत्री बनने के दो महीने बाद ही मैंने पद छोड़ दिया होता। मैं यह पद इसलिए छोड़ रही हूं क्योंकि इससे मिलने वाले विशेषाधिकारों के साथ कई जिम्मेदारियां भी आती हैं जिम्मेदारी यह जानने की कि आप नेतृत्व करने के लिए कब सही व्यक्ति हैं और कब नहीं। मुझे पता है कि इस पद के लिए क्या चाहिए और मुझे पता है कि अब मेरे पास जज़्बा नहीं है। यही असल बात है।''

जेलेंस्की का आह्वान- रूस के नए हमलों के खिलाफ कार्रवाई तेज करे दुनिया

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति ब्लादिमिर जेलेंक्सी ने दावोस में विश्व इकोनॉमिक फोरम में अपने वर्चुअल संबोधन में दुनिया से अपने युद्धग्रस्त देश पर नए रूसी हमलों को रोकने के प्रयास में तेजी से और अधिक निर्णायक रूप से कार्य करने का आह्वान किया है। मीडिया के अनुसार राष्ट्रपति ने बुधवार को अंग्रेजी में रिस्टोरिंग सिक्योरिटी एंड पीस सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि तीन साल पहले मैंने पहली बार विश्व आर्थिक मंच में भाग लिया था। यह वह समय था जब दुनिया कोविड-19 से लड़ रही थी। यह लड़ाई हम लड़े और जीते। अब दुनिया (रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर) पुतिन के खिलाफ लड़ रही है। हम दावोस में नई चुनौतियों और खतरों पर चर्चा करेंगे। इसका मतलब होगा कि हम निश्चित रूप से मौजूदा खतरे पर काबू पा लेंगे। इतिहास खुद को दोहराता है। सबसे पहले दुनिया या तो नोटिस करने में विफल रहती है या किसी खतरे को कम आंकती है। फिर वह इसका विरोध करने के लिए एकजुट होती है और फिर दुनिया जीत जाती है। हर बार वही परिणाम होता है। दुनिया ने नाजीवाद रंगभेद महामारी जलवायु परिवर्तन के प्रति उदासीनता वित्तीय संकट और क्रेमलिन तनाव पर काबू पा लिया। दुनिया फिर से उबर जाएगी। यह मिनटों में कितना कुछ कहा जा सकता है। यह मिनटों में कितना समझा जा सकता है। दुनिया फिर से जीत जाएगी। इसे तेजी से करने का समय सही है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार जेलेंस्की ने बुधवार को ब्रोवेरी शहर में हुई त्रासदी का जिक्र किया जहां एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में आंतरिक मंत्री डेनिस मोनास्टिरस्की सहित 14 लोगों की मौत हो गई थी। सत्र के प्रतिभागियों ने उन सभी की याद में एक मिनट का मौन रखा जिन्हें युद्ध के लगभग 11 महीनों के दौरान यूक्रेन ने खो दिया है। जेलेंस्की ने कहा कि दुनिया 2014 में हिचकिचा रही थी जब रूस ने बिना किसी हिचकिचाहट के क्रीमिया पर कब्जा कर लिया। 2022 में दुनिया हिचकिचा रही थी जब रूस ने बिना किसी हिचकिचाहट के पूर्ण पैमाने पर युद्ध शुरू कर दिया। राष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि दुनिया को आज और हमेशा संकोच नहीं करना चाहिए। जब बुराई बदला लेना चाहती है तो दुनिया को संकल्प और गति की आवश्यकता होती है।

सऊदी अरब अब बिना शर्त पाकिस्तान को नहीं देगा लोन

- चीन भी अब पाकिस्तान को बिना शर्त खैरात देने से कर रहा है परहेज

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख असीम मुनीर को बड़ा झटका लगा है। सऊदी अरब ने संकेत दिया है कि वह अपने सहयोगी देशों को अब भविष्य में बिना शर्त आर्थिक सहायता नहीं देगा। सऊदी अरब ने कहा कि वह अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए बड़ी योजना पर काम कर रहा है। सऊदी अरब के वित्त मंत्री ने कहा कि उनका देश अब पहले की सीधे आर्थिक सहायता देने की नीति को बदल रहा है। इसके अलावा किसी दूसरे देश में बिना शर्त पैसा भी नहीं

जमा करेंगे। इससे पहले सऊदी अरब ने पाकिस्तान को अरबों डॉलर की मदद दी थी और उसके विदेशी मुद्रा भंडार में कई अरब डॉलर जमा कराए थे। सऊदी अरब के वित्त मंत्री मोहम्मद अल जदान ने दावोस में वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम में कहा कि सऊदी अरब क्षेत्र के देशों को प्रोत्साहित कर रहा है कि वे आर्थिक सुधार को लागू करें। उन्होंने कहा कि हम अब तक बिना किसी शर्त को लगाए अपने सहयोगियों को सीधी आर्थिक सहायता देते थे और उनके यहां पैसा भी जमा करते थे। हम इसे बदल रहे हैं। हम बहुपक्षीय संस्थानों के साथ काम कर रहे हैं ताकि सुधार किया जा सके।

सऊदी मंत्री ने कहा कि हम अपने लोगों पर अब टैक्स लगा रहे हैं। हम अपेक्षा कर रहे हैं कि अन्य लोग भी अपनी प्रयासों के तहत यही करेंगे। हम मदद करना चाहते हैं लेकिन यह भी चाहते हैं कि आप अपना प्रयास करें। सऊदी ने अब तक कई बार पाकिस्तान को इस संकट से उबारा है लेकिन अब वह चाहता है कि पाकिस्तान आईएमएफ के प्रोग्राम में शामिल हो। यही नहीं चीन भी अब पाकिस्तान को बिना शर्त खैरात देने से परहेज कर रहा है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के लिए संकट यह है कि अगर वह आईएमएफ के प्रोग्राम में शामिल होते हैं तो देश में करीब 70 फीसदी मंहगाई बढ़ जाएगी। इससे उनका चुनाव जीतना लगभग असंभव हो जाएगा। यही वजह है कि शहबाज इस फैसले से बच रहे हैं।

नेपाल विमान हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों से मिलने पहुंचे पीएम पुष्प कमल दहल

काठमाडु । हाल ही में नेपाल में भीषण विमान हादसा हो गया था। बताया जा रहा है इस हादसे में कुल 71 लोगों की मौत हो गई थी। यह हादसा इतना भीषण था कि कोई भी नहीं बचा था लोग और विमान पूरी तरह से जल चुके थे। बताया जा रहा है कि नेपाल के पीएम पुष्प कमल दहल प्रचंड इस हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों से मिलने पहुंचे हैं। हालांकि अब तक इसके कारण का पता नहीं लग पाया है। इसके लिए एक अलग जांच कमेटी बनाई गई है। नेपाल में हुए इस हादसे में पांच भारतीयों समेत कुल 71 लोग मारे गए थे। यति एयरलाइंस के 9एन-एएनसी एटीआर-72 विमान ने काठमांडू के त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से रविवार सुबह 10:33 बजे उड़ान भरी और उतरने से कुछ मिनट पहले पुराने हवाई अड्डे और नए हवाई अड्डे के बीच सेती नदी के तट पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसा इतना भयावह था कि किसी भी शव को पहचान पाना काफी मुश्किल था। इसलिए पोस्टमॉर्टम के बाद शवों का डीएनए टेस्ट कराया गया और फिर उन्हें उनके परिवारों को सौंप दिया गया। इसी वजह से शवों को सौंपने में देरी हुई थी।

जांच कमेटी ने विमान का ब्लैक बॉक्स किया बरामद : जांच कमेटी ने इस विमान का ब्लैक बॉक्स बरामद कर लिया है। इस बॉक्स के जरिए पता लगाया जाएगा कि आखिर विमान का हादसा किस तकनीकी कारण से हुआ है। नेपाल सेना ने डीएओ (जिला प्रशासन कार्यालय) के माध्यम से नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के अधिकारियों को उड़ान डेटा रिकॉर्डर और विमान का ब्लैक बॉक्स सौंप दिया है। नेपाल सरकार ने विमान हादसे की जांच के लिए पांच सदस्यीय समिति का गठन किया। पूर्व विमानन सचिव नागेंद्र घिमिरे की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय समिति को 45 दिनों के भीतर इस हादसे की रिपोर्ट देने को कहा गया है।

दबा है सोने का भंडार, बदल सकती है कंगाल पाकिस्तान की किस्मत, बदहाल देश को उबारने वाली रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पैसे-पैसे का मोहताज पाकिस्तान ने अपनी अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए भीख का कटोरा लिए कभी सऊदी तो कभी चीन के दरवाजे पर दस्तक दे रहा है। मिन्नते की और आर्थिक मदद के लिए गुहार भी लगाता नजर आ रहा है। पाकिस्तान का आर्थिक संकट इस वक्त वित्तीय संकट से फौरन बाहर निकलने का कोई विकल्प नजर नहीं आ रहा है। लेकिन इस देश की एक ही उम्मीद बची है, और वो है सोना। वास्तव में, सोना किसी भी देश को आर्थिक संकट से उबारने में मदद कर सकता है। लेकिन हम हम पाकिस्तान के सोने के भंडार की बात नहीं कर रहे हैं। बल्कि देश के बलूचिस्तान प्रांत की सोने की खदानों की बात कर रहे हैं। ऐसे में आइए जानते हैं इन सोने की खानों के बारे में जिससे बहुत लोग अब तक अंजान हैं।

सोने-तांबे की खदानों से उबरेगी की बदहाली

अकेले सोने-तांबे की खदानों में ही पाकिस्तान को इस विकट स्थिति से उबारने की ताकत है। बलूचिस्तान प्रांत में स्थित इन खदानों में सैकड़ों टन सोना पड़ा है। सोने और तांबे के विशाल भंडार पाकिस्तान को बचा सकते हैं। हालांकि इतनी बड़ी मात्रा में सोने की खपत को लेकर अभी तक कोई रिपोर्ट या बयान नहीं दिया गया है, लेकिन उम्मीद है कि इस तरह से पाकिस्तान फिर से पलक झपकते ही उबर जाएगा। बलूचिस्तान प्रांत में स्थित रेको दिक खदान दुनिया की सबसे बड़ी सोने और तांबे की खानों में से एक है।

इस जगह है तांबे-सोने का सबसे बड़ा भंडार

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था बहुत बुरी स्थिति में है। लिहाजा शहबाज शरीफ सरकार पैकेज के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) समेत अन्य देशों से मदद मांग रही है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स की एक पुरानी रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान की असली दौलत इन्हीं सोने और तांबे की खदानों में है। इसमें अरबों टन सोने और तांबे का भंडार है। रेको दिक खदान बलूचिस्तान के चगाई जिले के रेको दिक कस्बे के पास स्थित है। इस खदान में पाकिस्तान में तांबे-सोने का सबसे

बड़ा भंडार है। एक अनुमान के अनुसार यहां लगभग 590 मिलियन टन खनिज भंडार हैं। जानकारों के मुताबिक प्रति टन अयस्क में करीब 0.22 ग्राम सोना और करीब 0.41 फीसदी तांबा उपलब्ध है। खदान ईरान और अफगानिस्तान की सीमा के पास एक सुप्त ज्वालामुखी के पास है। पाकिस्तान की सरकार इन बहु-अरब डॉलर के सोने और तांबे की खानों से अर्थव्यवस्था को पलट सकती है।

संपादकीय

बात-घात की नीति

ऐसे वक्त में जब पाकिस्तान आर्थिक रूप से दिवालिया होने के कगार पर है और जनता आटे-चावल जैसी मूलभूत जरूरतों के लिए त्राहि-त्राहि कर रही है, पाक हुक्मरानों को आटे-दाल का भाव पता चल गया है। यहां तक कि उसके खैरख्वाह मित्र देश भी उसकी मदद के लिये आगे आने से कतरा रहे हैं। ऐसे वक्त में पाक के अवाम में यह विमर्श जोर पकड़ रहा है कि अपने पड़ोसी भारत से मदद क्यों न ली जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व और अंतर्राष्ट्रीय राजनय में विशिष्ट पहचाने बनाने की खूब चर्चा पाकिस्तान व वहां के सोशल मीडिया में गाहे-बगाहे होती रहती है। यही वजह है कि पाक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा के दौरान विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर अपने समकक्ष नरेंद्र मोदी से बातचीत का प्रस्ताव किया था। जहां दुबई स्थित अल अरबिया समाचार चैनल को दिये साक्षात्कार के दौरान यह टिप्पणी सामने आई, वहीं अगले दिन पाक प्रधानमंत्री कार्यालय की तरफ से बयान आ गया कि कश्मीर में अनुच्छेद 370 बहाल किये बिना भारत से बातचीत नहीं होगी। बहुत संभव है यह बयान सेना के दबाव में आया होगा, जो नहीं चाहती कि दोनों देशों के रिश्ते सामान्य बनें। विगत में दोनों देशों में सहज संबंध बनाने के प्रयासों में सेना ने पलीता ही लगाया। दरअसल, भारत का उग्र विरोध ही पाकिस्तानी सेना का आधार है। उनकी रोजी-रोटी इसी पर चलती है। हमने विगत में देखा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जब लाहौर यात्रा के जरिये दोनों देशों को करीब लाने का प्रयास कर रहे थे, सेना पीछे से कारगिल का खंजर भारत की पीठ पर भोंक रही थी। यह एक टकसाली सत्य है कि अब चाहे मुंबई हमला हो या देश की संसद पर हुआ अटैक, यह बिना सैन्य प्रतिष्ठानों के प्रशिक्षण के संभव नहीं था। दरअसल, पाकिस्तानी जनता की आम राय है कि भारतीय सीमा से शुरू होने वाला कारोबार पाक के लोगों के लिये सस्ता खाद्यान्न व फल-सब्जी उपलब्ध कराने का अंतिम विकल्प है।

वहीं दूसरी ओर भारत ने संयुक्त राष्ट्र में बड़ी कूटनीतिक सफलता तब हासिल की जब संगठन की आईएस-अलकायदा प्रतिबंध समिति ने दुर्दांत आतंकवादी अब्दुल रहमान मक्की को अंतर्राष्ट्रीय आतंकवादी घोषित किया। जिससे पाक फिर अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी के सामने बेनकाब हुआ। भारत ने पश्चिमी देशों को विश्वास में लेकर साबित कर दिया कि पाकिस्तान अब भी आतंकवाद की पाठशाला बना हुआ है। भारत इस दिशा में लगातार प्रयासरत था और पहले भी इस तरह के प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र की समिति के सामने रखे थे, लेकिन हर बार चीन तकनीकी आधार पर इसे रुकवा देता था। इस बार चीन का दखल न देना इस बात का प्रमाण है कि उसे अंतर्राष्ट्रीय राजनय में भारत के बढ़ते कद और संभावना की अर्थव्यवस्था का अहसास हो गया है। वहीं दूसरी ओर चीनी राष्ट्रपति अपनी घरेलू समस्याओं में उलझे हुए हैं और देश की आर्थिक हालत खस्ता हो रही है। संयुक्त राष्ट्र के इस कदम से साबित हो गया कि पाक में सत्ता प्रतिष्ठानों द्वारा पोषित लश्कर-ए-तैयबा और जमात उद दावा के गुर्गे लगातार भारत विरोधी अभियानों में भूमिका निभाते रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की समिति ने हमारे इस तर्क को स्वीकार किया कि इन संगठनों के हथियार प्रशिक्षण और आर्थिक मदद से जम्मू-कश्मीर में भारत विरोधी गतिविधियां चलाई जा रही हैं। युवाओं को गुमराह करके आतंकवादी बनाया जा रहा है। निस्संदेह, पहले से ही आर्थिक बदहाली से जूझ रहे पाक के लिये यह बड़ा झटका है और उसकी पूरी दुनिया में बदनामी होगी। अब विदेशी निवेशक पाक आने से पहले कई बार सोचेंगे। वैसे खुद चीन भी बलूचिस्तान में चीन-पाक आर्थिक गलियारे की सुरक्षा में लगे चीनियों पर होने वाले हमलों से आजिज आ चुका है। वहीं दूसरी ओर जम्मू-कश्मीर में सक्रिय आतंकवादियों का मनोबल भी संयुक्त राष्ट्र के इस फैसले के बाद गिरेगा। बहरहाल, पाक के हुक्मरानों को एक बात तो समझ में आ गई है कि उसकी गुरबत और खस्ता माली हालात में भारत ही मददगार हो सकता है। मगर जरूरी यह है कि पाक की तरफ से ईमानदार पहल हो। बात और घात का खेल अब न चलेगा।

बेमानी पेशकश

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कश्मीर समेत विभिन्न 'ज्वलंत' मुद्दों के हल के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ 'गंभीर' बातचीत का आह्वान किया है। यह कहते हुए कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) परमाणु हथियार संपन्न इन दोनों पड़ोसी देशों के बीच बातचीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। शहबाज शरीफ ने दुबई स्थित अल अरबिया समाचार चैनल के साथ एक साक्षात्कार में यह मंशा जताई। गौरतलब है कि भारत और पाकिस्तान के संबंध कश्मीर के मुद्दे पर आजादी के बाद से ही तनावपूर्ण रहे हैं, और इस हद तक रहे कि दोनों देशों के बीच युद्ध भी हुए। हालांकि हर बार पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ी लेकिन वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आता। भारत के खिलाफ उसने प्रॉक्सी वॉर छेड़ा और सीमा पार से आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देता रहा। भारत द्वारा संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद तो दोनों देशों के बीच संबंध और भी खराब हो गए। पाकिस्तान ने अपनी धरती पर आतंकियों को प्रशिक्षण देकर भारत की सीमा में भेजकर हिंसा और खूनखराबा करने के मंसूबे पाल रखे हैं। लेकिन भारत न केवल युद्ध के मैदान में, बल्कि कूटनीतिक मोर्चे पर भी उस पर भारी पड़ा है। हाल में पाकिस्तान के खिलाफ आतंकवाद के मोर्चे पर भारत को एक और बड़ी कूटनीतिक जीत हासिल हुई जब संयुक्त राष्ट्र ने पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा के उपप्रमुख अब्दुल रहमान मक्की को वैश्विक आतंकवादी घोषित कर दिया। जहां तक पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की यूएई की मध्यस्थता संबंधी जो मंशा जताई गई है, उसका कोई मतलब नहीं है। भारत कश्मीर के मुद्दे पर किसी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को पहले ही खारिज कर चुका है। हालांकि शहबाज ने नसीहत भरे अंदाज में कहा है कि युद्धों से पाकिस्तान के लोगों को दुख, गरीबी और बेरोजगारी का दंश मिला है। इससे उसने सीख ली है और शांति से रहना चाहता है। बेशक, कोई अपने किए-धरे पर तौबा करे तो इससे अच्छी बात क्या हो सकती है। और बातचीत की पेशकश करे तो और भी उत्साहजनक है। लेकिन तीसरे देश की मध्यस्था की बात कहे जाने पर लगता है कि शहबाज ने बेमानी बात कही है। वह इस बारे में भारत के रुख से वाकिफ है। आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते। बातचीत का अनुकूल माहौल जरूरी है।

चिंतन-मनन

ईश्वरीय सिद्धांत

तीन अत्यन्त महत्वपूर्ण सिद्धांत व्यक्त होते हैं- यह जो संसार है परमात्मा से व्याप्त है उसके अतिरिक्त सब मिथ्या है माया है भ्रम है स्वप्न है। मनुष्य को उसकी इच्छानुसार सृष्टि संचालन के लिए कार्य करते रहना चाहिए। मनुष्य में जो श्रेष्ठता-शक्ति या सौन्दर्य है वह उसके दैवी गुणों के विकास पर ही है। मनुष्य जीवन के सुख और उसकी शांति के लिए इन तीनों सिद्धांतों का पालन ऐसा ही पुण्य-फलदायक है। ईश्वर उपासना मनुष्य का स्वाभाविक धर्म है। उपासना विकास की प्रक्रिया है।

संकुचित को सीमारहित करना स्वार्थ को छोड़कर परार्थ की ओर अग्रसर होना मनुष्य के आत्मतत्व की ओर विकास की परंपरा है। पर यह तभी संभव है जब सर्व-शक्तिमान परमात्मा की सत्ता को स्वीकार कर लें उसकी शरणागति की प्राप्ति हो जाय। मनुष्य रहते हुए मानवता की सीमा को भेदकर उसे देवस्वरूप में विकसित कर देना ईश्वर की शक्ति का कार्य है। जान-बूझकर या अकारण परमात्मा कभी किसी को दंड नहीं देता। प्रकृति की स्वच्छंद प्रगति प्रवृत्ति में ही सबका हित नियंत्रित है। जो इन प्राकृतिक नियमों से टकराता है वह बार-बार दुःख भोगता है और तब तक चैन नहीं पाता जब तक वापस लौटकर फिर उस सही मार्ग पर नहीं चलने लगता है। भगवान भक्त की भावनाओं का फल तो देते हैं किंतु उनका विधान सभी संसार के लिए एक जैसा ही है।

भावनाशील व्यक्ति भी जब तक अपने आप की सीमाएं नहीं पार कर लेता तब तक अटूट विश्वास दृढ़ निश्चय रखते हुए भी उन्हें प्राप्त नहीं कर पाता। अपने से विमुख प्राणियों को भी वे दुःख-दंड नहीं देते। मनुष्य का विधान तो देश काल और परिस्थितियों वश बदलता भी रहता है किंतु उसका विधान सदैव एक जैसा ही है। भावनाशील व्यक्ति भी उसकी चाहे कितनी ही उपासना करे- सांसारिक कर्त्तव्यों की अवहेलना कर या दैवी-विधान का उल्लंघन कर कभी सुखी नहीं रह सकता। जैसा कर्म-बीज वैसा ही फल यह उसका निश्चल नियम है। सुख और दुःख बंधन और मुक्ति मनुष्य के कर्मो के अनुसार ही प्राप्त होते हैं। दुष्कर्मो का फल भोगने से मनुष्य बच नहीं सकता। अपनी तुच्छ सत्ता को परमात्मा की शरणागति में ले जाने से मनुष्य अनेकों कष्ट- कठिनाइयों से बच जाता है। गृहपति की अवज्ञा करके जिस तरह घर का कोई भी सदस्य सुखी नहीं रह सकता उसी प्रकार परमात्मा का विरोधी भी कभी सुखी या संतुष्ट नहीं रह सकता।

राजस्थान में कांग्रेस को मिटाना होगा आपसी झगड़ा

पार्टी आलाकमान ने इस मसले पर अभी तक कोई निर्णय नहीं किया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पार्टी के लिए गहलोत और पायलट दोनों को जरूरी बता रहे हैं। अशोक गहलोत 2023 के अंत तक मुख्यमंत्री बने रहेंगे या चुनाव से पहले सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाया जाएगा, यह साफ नहीं है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि पार्टी इस असमंजस के हालातों में ही खुद को सबसे बेहतर स्थिति में देख रही है। कांग्रेस में ऊपरी स्तर पर खींचतान और असमंजस की स्थिति का असर नीचे के स्तर पर नेताओं और कार्यकर्ताओं पर पड़ रहा है। चुनावी साल में जिम्मेदारियों को लेकर नेता असमंजस में हैं। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को लगता है कि अब भी मुख्यमंत्री बदला जा सकता है। अगर मुख्यमंत्री नहीं बदलता है तो पार्टी प्रदेशाध्यक्ष व चुनाव प्रचार कमेटी के अध्यक्ष का पद पायलट खेमे के पास जा सकता है।

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान में दिसंबर में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस पूरी तरह चुनावी मूड मे लग रही है। प्रदेश में 18 दिन तक चली राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के बाद कांग्रेस संगठन सक्रिय हो गया है। कांग्रेस के नए प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने पद संभालते ही लम्बे समय से रिक्त पड़े संगठन के पदों पर नियुक्तियां करवानी प्रारंभ करवा दी है। इससे संगठन में हलचल होने लगी है और सुस्त पड़े कार्यकर्ता भी अब तरोताजा लग रहे हैं। प्रदेश प्रभारी रंधावा ने जहां प्रदेश कांग्रेस के रिक्त पड़े सभी 400 ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों में से अधिकांश ब्लॉक अध्यक्षों का मनोनयन करवा दिया है। वहीं पहली बार मंडल इकाई का भी गठन करवाया जा रहा है। यह कांग्रेस में एक नई शुरुआत है। इससे बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं को संगठन में पदाधिकारी बनाया जा सकेगा, जिससे कार्यकर्ता पार्टी उम्मीदवार के साथ जुट कर चुनाव में काम करेगें।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा समाप्त होने के बाद 27 जनवरी से प्रदेश कांग्रेस कमेटी नया कार्यक्रम हाथ जोड़ो अभियान चलाएगी। 18 दिसंबर को अलवर के मालाखेड़ा में भारत जोड़ो यात्रा के तहत आयोजित जनसभा में राहुल गांधी ने कहा था कि मुझे भाजपा वाले बुरे नहीं लगते हैं। मैं रास्ते में जाता हूं तो इशारा करके पूछते हैं कि क्या कर रहे हो? मैं उन्हें जवाब देना चाहता हूं कि नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोल रहा हूं। आइए आप भी बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलिए। महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस, सरदार पटेल, अंबेडकर साहब ने भी मोहब्बत की दुकान खोली थी। राहुल गांधी के भाषण की इन लाइनों को अब प्रदेश कांग्रेस कमेटी घर-घर पहुंचाने का काम करेगी। इसके लिए पार्टी ने काम शुरू कर दिया है।

इसी अभियान के तहत राहुल गांधी के पत्र हर घर तक पहुंचाए जाएंगे। राहुल का व्यक्तिगत पत्र प्रदेश के हर घर में पहुंचाने के लिए पार्टी पदाधिकारियों को टास्क दे दिया गया है। अगले दो महीने में प्रदेश के हर कोने तक राहुल गांधी के इस संदेश को लोगों को तक पहुंचाया जाएगा। इस अभियान की निगरानी के लिए प्रदेश में वरिष्ठ नेताओं को पर्यवेक्षकों बनाया गया है। बताया जा रहा है कि ये पत्र घर जाकर दिया जाएगा ताकि जनता से सीधा संवाद भी हो और उनकी परेशानी व मुद्दों को सुना जाए। इस कार्यक्रम के लिए आयोजित होने वाली यात्रा दो महीने तक गांवों में रहेगी। एक महीने में सभी पॉलिंग बूथ कवर किए जाएंगे। हर गांव में मीटिंग होगी। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ता घर-घर संदेश लेकर जाएंगे।

पत्र में राहुल गांधी के संदेश के साथ केंद्र सरकार की नाकामियां भी बताई जाएंगी। गांवों में यात्रा का वीडियो भी दिखाया जाएगा। हर गांव के ग्रुप भी बनेंगे। गांवो में युवक कांग्रेस व एनएसयूआई बाइक रैली निकालेगी। जिला स्तर पर कार्यकर्ता मेला लगेंगे। इसमें प्रदेशाध्यक्ष, मुख्यमंत्री व वरिष्ठ नेता भाग लेंगे। प्रदेश स्तर पर महासंगम होगा। कांग्रेस महारैली का भी आयोजन किया जाएगा। इसमें कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष व अन्य बड़े नेता आएंगे।

राजस्थान का बजट भी इस बार अलग हट कर होगा। माना जाता है कि राजस्थान का बजट पूरे देश को रास्ता दिखाता है। राजस्थान में सरकारी कर्मचारियों के लिए फिर से पुरानी पेंशन योजना लागू करने के बाद कांग्रेस शासित व अन्य कई राज्यों ने भी इस योजना को लागू करने की घोषणा कर दी है। इसके अलावा आने वाले बजट में प्रदेश को बहुत कुछ खास मिलने वाला है। कांग्रेस का बजट आम आदमी का बजट होता है। राहुल गांधी की यात्रा के दौरान राजस्थान सरकार द्वारा गरीब परिवारों को 500 रुपये में गैस सिलेंडर देने की घोषणा की जा चुकी है। चुनावी वर्ष में प्रशासन को भी और अधिक सक्रिय किया जा रहा है। सियासी तापमान नापने के लिए सभी जिला कलेक्टर और मंत्री भी जल्द ही गांव-कस्बों में महीने में दो बार जन सुनवाई कर रात्रि चौपाल लगाएंगे। चुनावी वर्ष में गुड गवर्नेंस को प्रभावी बनाने के लिए मुख्यमंत्री के निर्देश पर ऐसा होने जा रहा है। जिलों में जहां भी संभव होगा मंत्रियों-कलेक्टरों की मीटिंग्स को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जयपुर स्थित सचिवालय से भी जोड़ा जाएगा, जिससे समस्याओं को हाथों-हाथ ही निपटाया जा सके।

इस विषय में जयपुर के ओटीएस में चिंतन शिविर का आयोजन होगा। शिविर की मुख्य थीम ही गुड गवर्नेंस है। शिविर में सभी बजट घोषणाओं और घोषणा पत्र में किए गए वादों पर ही सभी मंत्रियों को प्रजेंटेशन देना है। इसमें मंत्री बीते चार वर्षों में घोषणाओं पर अब तक हुए काम को बताएंगे और शेष रही घोषणाओं को कब तक पूरा करेंगे इस विषय में अपना प्लान साझा करेंगे। इसका उद्देश्य प्रशासनिक मशीनरी को कसने के साथ ही सरकार के परफार्मेंस के बारे में राजनीतिक फीडबैक भी जुटाना है। कुछ महीने बाद सरकार के सामने विधानसभा चुनाव आने वाले हैं। ऐसे में कलेक्टर-मंत्रियों के जरिए मिलने वाला फीडबैक मददगार साबित हो सकता है।

हालांकि चुनावी वर्ष को लेकर कांग्रेस ने कार्य शुरू कर दिया है। बावजूद इसके नेतृत्व के स्तर पर स्थितियां साफ नहीं होने से कांग्रेस में अंदरुनी स्तर पर असमंजस और खींचतान बनी हुई है। इसका असर कार्यक्रमों और तैयारियों पर देखने को मिल रहा है। कांग्रेस में मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच लड़ाई जगजाहिर हो चुकी है। दोनों की यह लड़ाई जुलाई 2020 में हुई बगावत के बाद से लगातार चल रही है। वहीं 25 सितम्बर 2022 को हुई इस्तीफा पॉलिटिक्स के बाद यह और गहरा गई।

पार्टी आलाकमान ने इस मसले पर अभी तक कोई निर्णय नहीं किया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पार्टी के लिए गहलोत और पायलट दोनों को जरूरी बता रहे हैं। अशोक गहलोत 2023 के अंत तक मुख्यमंत्री बने रहेंगे या चुनाव से पहले सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाया जाएगा, यह साफ नहीं है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि पार्टी इस असमंजस के हालातों में ही खुद को सबसे बेहतर स्थिति में देख रही है। कांग्रेस में ऊपरी स्तर पर खींचतान और असमंजस की स्थिति का असर नीचे के स्तर पर नेताओं और कार्यकर्ताओं पर पड़ रहा है। चुनावी साल में जिम्मेदारियों को लेकर नेता असमंजस में हैं। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को लगता है कि अब भी मुख्यमंत्री बदला जा सकता है। अगर मुख्यमंत्री नहीं बदलता है तो पार्टी प्रदेशाध्यक्ष व चुनाव प्रचार कमेटी के अध्यक्ष का पद पायलट खेमे के पास जा सकता है। ऐसे में पार्टी कार्यकर्ता किसके नेतृत्व में चुनाव लड़ेगें इसको लेकर उहापोह की स्थिति पार्टी के हित में नहीं हैं।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

विचार मंथन

पहले बुनियादी ढांचा बनाने की जरूरत

ऋषभ मिश्रा

इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को चार्ज करने के लिए कंपनियों द्वारा लगाये गए सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों का देशभर में 5 से 25 फ़ीसदी तक ही इस्तेमाल हो पा रहा है। दरअसल, देश में अभी इलेक्ट्रिक वाहनों को व्यापक तौर पर नहीं अपनाया गया है। इसका एक मुख्य कारण इलेक्ट्रिक गाड़ियों की क़ीमत पेट्रोल या डीज़ल गाड़ियों की तुलना में ज्यादा होना है। हालांकि सरकार कई तरह की रियायतें दे रही है लेकिन फिर भी पेट्रोल-डीज़ल की गाड़ियों के मुकाबले ई-वाहनों की कीमत ज्यादा ही है।

दरअसल, ज्यादातर ई-वाहन दोपहिया (9 लाख से ज्यादा पंजीकृत दोपहिया) हैं इनमें से करीब 80 फ़ीसदी वाहन घरों पर ही चार्ज किये जाते हैं लेकिन इसमें लंबा वक़्त लगता है। जैसे सुबह गाड़ी तैयार रखने के लिए उसे रात में चार्ज पर लगा दिया जाता है। 'ब्यूरो ऑफ़ एनर्जी एफिसिएंसी' के मुताबिक दोपहिया इलेक्ट्रिक गाड़ियों की रेंज 84 किलोमीटर प्रति चार्ज बताई गई है। वहीं चौपहिया इलेक्ट्रिक गाड़ियों की औसत रेंज 150-200 किलोमीटर प्रति चार्ज बताई गई है।

भारत में अभी भी इलेक्ट्रिक गाड़ियों के लिए चार्जिंग स्टेशन की भारी कमी है। जिस तरह हमें हर हाइवे या सड़क पर पेट्रोल पंप दिख जाते हैं उसके मुकाबले चार्जिंग स्टेशन बहुत ही कम जगहों पर मिलते हैं। भारत में कुल कारों में से इलेक्ट्रिक कारों की हिस्सेदारी महज 1 फ़ीसदी है। इसके लिए बड़ी संख्या में सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन की ज़रूरत है क्योंकि कारों को लम्बी दूरी तक चलना होता है। मगर अभी गिनी चुनी इलेक्ट्रिक कारें ही सड़कों पर नज़र आती हैं।

इसका दूसरा सबसे बड़ा कारण इलेक्ट्रिक गाड़ियों में लीथियम आयन बैटरियों का इस्तेमाल है। ये बैटरियां 6 से 7 साल तक ही चल पाती हैं इसके बाद इन्हें बदलना पड़ता है। बैटरियों की कम लाइफ़ इसे खरीदने वालों के मन में संशय पैदा करती है। दरअसल एक बैटरी की कीमत किसी इलेक्ट्रिक गाड़ी के तीन-चौथाई रकम के बराबर होती है। हालांकि सरकार ने पिछले साल 'प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव' (पीएलआई) योजना को मंजूरी दी थी। यह योजना देश में एडवांस केमिस्ट्री सेल (एसीसी) के निर्माण के लिए लाई गई है जिससे बैटरी की कीमतों को कम किया जा सके।

भारत में बिज़नेस कंसल्टिंग फर्म 'बेन एंड कंपनी' के अनुसार देश में अभी करीब 5000 सार्वजनिक और निजी चार्जिंग स्टेशन हैं। लेकिन इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या काफी कम होने की वजह से चार्जिंग स्टेशनों के लिए कारगर आर्थिक मॉडल अभी सामने नहीं आ पाया है। कई बार यह सुझाव दिया जाता है कि पेट्रोल पंप पर ही इलेक्ट्रिक गाड़ियों को चार्ज करने की सुविधा दी जानी चाहिए लेकिन इसमें एक बड़ी चुनौती यह है कि इलेक्ट्रिक गाड़ियों को चार्ज करने में 1-5 घंटे का समय लगता है ऐसे में ईवी को चार्ज करना किसी गाड़ी में पेट्रोल, डीज़ल या सीएनजी डलवाने जितना तेज़ी से नहीं हो सकता। साथ ही चार्जिंग स्टेशन पर गाड़ी को कुछ घंटों के लिए छोड़ने की सुविधा भी उपलब्ध करायी जा सकती है। 'बैटरी स्वैप' करने की सुविधा एक बेहतर विकल्प हो सकती है, जिसमें खाली बैटरी को उतनी वारंटी वाली फुल बैटरी से तुरंत बदल दिया जाए।

दिल्ली-एनसीआर तथा उत्तर भारत के अन्य शहरों में इसके सार्वजनिक फ़ास्ट चार्जर का उपयोग काफी कम किया जा रहा है। दरअसल चार्जरों का औसत इस्तेमाल करीब 15 फ़ीसदी ही हो पा रहा है। शहर के अंदर यह 15 फ़ीसदी से भी कम है, लेकिन राजमार्गों पर विकल्प सीमित रहने से इनका 25 फीसद तक इस्तेमाल हो रहा है। चार्जिंग स्टेशन की कमी के साथ ही गाड़ियों की रेंज को लेकर भी ड्राइवरों के मन में डर बना रहता है। अक़्सर लंबी दूरी तक गाड़ी चलाने वाले ड्राइवर इलेक्ट्रिक गाड़ियों की कम रेंज से परेशान होते हैं।

बैटरी और चार्जर बनाने वाली 'एक्सपोनेंट एनर्जी' हल्के वाणिज्यिक वाहनों के लिए 15 मिनट में चार्ज करने वाले चार्जर पर ज़ोर दे रही है क्योंकि इलेक्ट्रिक वाहनों को चार्ज करने के लिए ज्यादा पावर की ज़रूरत होती है। साथ ही कम समय में चार्ज करने वाले चार्जर से अधिक वाहनों को चार्ज किया जा सकता है। कुल वाहनों में वाणिज्यिक वाहनों की संख्या 10 फ़ीसदी है लेकिन कुल ईंधन खपत का 70 फ़ीसदी तक पारम्परिक वाहनों में जाता है। उत्तर प्रदेश में प्रति एक चार्जिंग स्टेशन पर रोजाना औसतन 9 वाहन आते हैं। बाजार में ई- वाहनों की संख्या बढ़ने पर 'हाइपर चार्जर' का इस्तेमाल तेज़ी से बढ़ेगा।

वहीं दूसरी ओर, इलेक्ट्रिक वाहन कंपनियों को यूनिवर्सल चार्जिंग सिस्टम के बारे में भी सोचना होगा क्योंकि हर कंपनी अपने अलग-अलग चार्जिंग पोर्ट देती है। गाड़ियों की परफॉर्मेंस में मौसम और तापमान का भी बड़ा योगदान होता है। सामान्य तौर पर किसी इलेक्ट्रिक गाड़ी के बेहतर परफॉर्मेंस के लिए औसत तापमान की रेंज 15-40 डिग्री सेल्सियस मानी जाती है। ऐसे में पूरे देश के लिए एक तरह की इलेक्ट्रिक गाड़ियों से काम नहीं चल सकता। बढ़ते प्रदूषण और तेल की बढ़ती कीमतों को देखते हुए यह तो तय है कि आने वाला समय इलेक्ट्रिक गाड़ियों का ही है।

ऑक्सफैम रिपोर्ट

अमीरों पर लगे ज्यादा टैक्स

राहुल लाल

भारत में आर्थिक असमानता की खाई और चौड़ी हो गई है। ऑक्सफैम-2023 की रिपोर्ट के अनुसार देश के 1प्र. अमीरों के पास 40प्र. आबादी से ज्यादा संपत्ति है। रिपोर्ट के अनुसार 2020 में अरबपतियों की संख्या 102 थी, वहीं 2022 में यह आंकड़ा 166 पर पहुंच गया। इस तरह दो वर्ष में देश में 64 अरबपति बढ़ गए। रिपोर्ट से स्पष्ट है कि कुछ लोगों की संपत्ति में भारी वृद्धि हुई है, तो करोड़ों लोग और भी गरीब हुए हैं। आय असमानता कल्याणकारी राज्य की सबसे बड़ी विडंबना है।

भारत में असमानता को कम करने के लिए संविधान के नीति-निर्देशक तत्वों में विशिष्ट प्रावधान किए गए हैं। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 38(1) एवं अनुच्छेद 39 (1) असमानता को दूर करने के लिए सरकारों को स्पष्ट निर्देश प्रदान करता है। इसके बावजूद भारत में हाल के वर्षो में जिस तरह आर्थिक असमानता में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है, वह चिंताजनक है। सरकार को अपनी कर प्रणाली में सुधार की आवश्यकता है। हाल के समय में कॉरपोरेट टैक्स में कमी की गई, वहीं दूध-दही जैसी आवश्यक खाद्य वस्तुओं के जीएसटी में वृद्धि की गई। कॉरपोरेट टैक्स में कमी करते हुए सरकार ने कहा था कि इससे नये निवेश को आकर्षित करने में मदद मिलेगी।

लेकिन कंपनियों ने कॉरपोरेट टैक्स में छूट का लाभ तो लिया पर निवेश में कमी अभी चिंता का विषय बनी हुई है। 64 फीसदी जीएसटी 50 फीसदी गरीब दे रहे हैं, जबकि अमीर केवल 10प्र.। स्पष्ट है कि अप्रत्यक्ष करों के संदर्भ में सरकार को अत्यंत संवेदनशील होने की जरूरत है। प्रगतिशील कर प्रणाली मूलतः आय आधारित होती है। प्रत्यक्ष कर में तो इसका पालन हो जाता है परंतु अप्रत्यक्ष कर की चपेट में देश का निर्धनतम व्यक्ति भी आ जाता है। इसलिए सरकार से अपेक्षा की जाती है कि वह जीवनोपयोगी वस्तुओं को जीएसटी के दायरे से बाहर रखे।

रिपोर्ट के अनुसार भारतीय अरबपतियों की संपत्ति पर दो फीसदी टैक्स लगाया जाए तो तीन साल तक कुपोषण के शिकार बच्चों के लिए सभी जरूरतों को पूरा किया जा सकता है। भारत के 10 सबसे अमीरों पर एक बार 5प्र. कर लगाया जाए तो 1.37 लाख करोड़ रुपये मिलेंगे। यह स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के बजट से 1.5 गुना अधिक है। स्पष्ट है कि अमीरी-गरीबी के खाई को समाप्त करने के लिए सरकार को कॉरपोरेट टैक्स छूट पर पुनर्विचार करना चाहिए और अतिरिक्त प्रगतिशील संपत्ति कर अरबपतियों पर लगाना चाहिए। धन के पुनर्वितरण को अधिक न्याय-संगत बनाने के लिए वर्तमान नवउदारवादी मॉडल को 'नॉर्डिक आर्थिक मॉडल' से प्रतिस्थापित किया जा सकता है। नॉर्डिक आर्थिक मॉडल में सभी के लिए प्रभावी कल्याण, भ्रष्टाचार-मुक्त शासन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा का मौलिक अधिकार और अमीरों के लिए उच्च कर दर इत्यादि शामिल हैं।

आवश्यक है कि जहां विकास दर तीव्र हो, वहीं रोजगारोन्मुखी भी हो। देश बेरोजगारी और महंगाई की समस्याओं से जूझ रहा है। जब सामान्य लोगों की क्रय क्षमता कम हो तो महंगाई लोगों के जीवन स्तर को कम कर देती है। इससे अमीरी-गरीबी के खाई बढ़ती है। आर्थिक विषमता के खात्मे के लिए वंचितों के राजनीतिक सशक्तीकरण की भी आवश्यकता है। राजनीतिक सक्षमता वाले लोग बेहतर शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवा की मांग करके इन्हें प्राप्त कर सकेंगे। भारत में अधिकांश रोजगार असंगठित क्षेत्र में है, और वह क्षेत्र नोटबंदी, जीएसटी और लॉकडाउन से अब तक उभर नहीं पाया है। इसलिए आर्थिक समानता के लिए इस क्षेत्र पर जोर देना आवश्यक है।

दुनिया भर के आर्थिक विशेषज्ञों में इस बात पर सहमति बढ़ रही है कि आर्थिक विकास समावेशी नहीं है, और उसमें टिकाऊ विकास के तीन जरूरी पहलू-आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरण-शामिल नहीं हैं, तो वह गरीबी कम करने के लिए पर्याप्त नहीं होगा। इन्हीं चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए संयुक्त राष्ट्र के टिकाऊ विकास लक्ष्यों (एसडीजी) में 10वें लक्ष्य का उद्देश्य बढ़ती असमानता को कम करना रखा गया है।

वर्तमान में आर्थिक असमानता से उबरने का सबसे बेहतर उपाय यही होगा कि वंचित वर्ग को अच्छी शिक्षा, रोजगार उपलब्ध कराते हुए सुदूरवर्ती गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाए। इसके लिए कल्याणकारी योजनाओं पर ज्यादा खर्च करने की जरूरत है। अभी भी भारत में स्वास्थ्य पर कुल जीडीपी का केवल 1 से 1.5 फीसदी खर्च होता है जबकि यह कम से कम जीडीपी का 6ब होना चाहिए। इसी तरह शिक्षा पर भी भारत में जीडीपी का 3प्र. खर्च किया जाता है, जबकि नई शिक्षा नीति में सरकार ने स्वयं माना है कि शिक्षा क्षेत्र में कम से कम जीडीपी का 5प्र. खर्च होना चाहिए। भारत में क्षमता है कि वह नागरिकों को एक अधिकारयुक्त जीवन देने के साथ ही समाज में व्याप्त असमानता को दूर कर सकता है।

हाई ब्लड शुगर होने पर शरीर के इन अंगों पर पड़ सकता है बुरा असर

डायबिटीज के मामलों में तेजी देखी जा रही है। भारत में डायबिटीज के आंकड़े चिंताजनक है। जी हां, करीब 77 करोड़ लोग इस बीमारी की चपेट में है। वहीं अनुमान जताया जा रहा है कि साल 2045 तक यह संख्या बढ़कर 134करोड़ तक पहुंच जाएगी। अचानक से शरीर में ब्लड के रक्तस्त्राव के बढ़ जाने को हाइपरग्लेसेमिया कहा जाता है। इससे शरीर के कई अंगों को क्षति पहुंचती है।

आंखों की समस्या

डायबिटीज होने के बाद एक अच्छी लाइफस्टाइल से ही अच्छे से लॉन्ग लाइफ जी सकते हैं। ब्लड शुगर असामान्य रूप से बढ़ने से आंखों पर प्रभाव पड़ता है। इससे धुंधलापन होना, मोतियाबिंद होना, ग्लूकोमा जैसी समस्या घेरने लगती है। इसके लिए पौष्टिक आहार बहुत जरूरी है।

घाव के ठीक होने में वक्त लगना

दरअसल, हाइपरग्लेसेमिया की वजह से घाव ठीक होने में वक्त लगता है। कई बार महीने भी लग जाते हैं। इतना ही नहीं घाव अगर ठीक नहीं होता है तो कई बार इंफेक्शन नहीं फैले इसलिए अंग को ही निकालना पड़ता है। जिसका कारण होता है रोग प्रतिरोधक क्षमता का कम होना।

संक्रमण का खतरा

रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने के कारण संक्रमण का खतरा अधिक होता है। डायबिटीज मरीज को यूरिन के संक्रमण का खतरा बहुत अधिक होता है। इसका प्रभाव किडनी पर भी पड़ता है।

पैरों की समस्या

मधुमेह होने के कारण पैर अधिक दर्द करते हैं। कई बार असहनीय दर्द रहता है। पैरों में घाव हो जाना, उंगलियों का कालापन होना।

शुगर कंट्रोल नहीं होने पर पूरे पैर में भी समस्या हो सकती है। इसलिए बेहतर है मीठा जरा भी नहीं खाएं और शुगर फ्री चीजों का ही सेवन करें।

आहार में शामिल करें ये नॉन डेयरी कैल्शियम रिच फूड नहीं होगी कैल्शियम की कमी

शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा करने के लिए दूध और दूध से बने उत्पादों का सेवन बहुत जरूरी होता है। लेकिन यदि आपको दूध पीना पसंद नहीं है या आपको दूध से एलर्जी है तब आप क्या करेंगी? नहीं आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। प्रकृति ने हमें ऐसे बहुत से खाद्य पदार्थ दिए हैं, जिनमें उच्च मात्रा में कैल्शियम होता है। इसलिए आज बात करते हैं उन फूड्स की जो दूध के बिना भी आपके शरीर में कैल्शियम की कमी नहीं होने देंगे।

हरी सब्जियां

गहरे रंग वाली सब्जियां जैसे बथुआ, पालक, चौलाई, मेथी आदि में आयरन और फोलेट के साथ-साथ कैल्शियम की भी अच्छी मात्रा होती है। आप इन्हें अपनी डाइट में शामिल कर कैल्शियम की प्राप्ति कर सकती हैं।

बादाम और अंजीर

बादाम को पावर बैंक कहा जाता है, क्योंकि इसमें सभी आवश्यक आयरन और विटामिन होते हैं। यह कैल्शियम में भी काफी समृद्ध होता है। इसी के साथ-साथ अंजीर में भी आयरन और कैल्शियम की समृद्ध मात्रा होती है। नाश्ते, लंच या हल्की स्नैकिंग के रूप में आप बादाम और अंजीर का एक साथ सेवन कर सकती हैं।

डाइट में शामिल करें सोया

यदि आप अपनी डाइट में सोया या उससे बने फूड्स जैसे टोफू का प्रयोग करती हैं तो आपको लगभग 220 मिलीग्राम से 250 मिलीग्राम कैल्शियम की आपूर्ति होती है। जो आपकी दैनिक जरूरत के बराबर है।

भुने हुए तिल

यदि आप कैल्शियम रिच नॉन डेरी प्रोडक्ट की तलाश में हैं, तो भुने हुए तिल आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है। एक्सपर्ट के मुताबिक लगभग 25 ग्राम तिल आपको 270 मिलीग्राम कैल्शियम, दैनिक जरूरत के बराबर आपूर्ति करता है।

मछली भी है कैल्शियम रिच

सार्डिन या साल्मन यह दो बेहतरीन मछलियां हैं। जिनसे दैनिक जरूरत की कैल्शियम की आपूर्ति होती है। यह दोनों ही कैल्शियम, ओमेगा 3 फैटी एसिड और प्रोटीन के बेहतरीन स्रोत हैं। आपको इनको बस जरूरत के मुताबिक ही खाना है। यानी कि हफ्ते में लगभग दो टुकड़े।

साबुत अनाज एवं दालें

आप अपनी डाइट में ऐसे कुछ अनाज या दालों का प्रयोग कर सकती हैं, जो कैल्शियम का बेहतरीन स्रोत हैं। जैसे कि मोठ, राजमा, कुलथी, बाजरा, चना, सोयाबीन, रागी आदि।

क्यों जरूरी है कैल्शियम

हमारे शरीर में हड्डियों के विकास के लिए कैल्शियम बेहद आवश्यक है। यह हड्डियों के साथ ही मांसपेशियों, कोशिकाओं और हृदय व नसों के सुचारू रूप से काम करने के लिए भी बहुत जरूरी है। हमारे शरीर में कैल्शियम की मात्रा सबसे अधिक पायी जाती है। इनमें से लगभग 98% हिस्सा हमारे दांतो और हमारे शरीर की हड्डियों में प्रयोग होता है। जबकि इसका 1% रक्त और मांसपेशियों में प्रयोग होता है। इसलिए कैल्शियम सभी के लिए आवश्यक है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं को अधिक कैल्शियम की जरूरत होती है। इसी वजह से कैल्शियम की आपूर्ति के लिए दूध और दूध से बने पदार्थों का सेवन किया जाता है। मगर यदि आपको दूध से एलर्जी है या आपको दूध पीना पसंद नहीं है, तो आपको नॉन डेयरी प्रोडक्ट से यह जरूरत पूरी करनी होगी।

आयुर्वेद ने भी माना खाली पेट इन चीजों का सेवन करने से घटता है मोटापा

वजन घटाने के लिए लोग न जानें कितनी प्रकार की डायट फॉलो करते हैं। लेकिन अपने आपको भूखा रखकर लंबे समय तक बिना सोचे-समझे किसी भी प्रकार की डायट का पालन करना मुश्किल हो जाता है। वजन घटाना कोई आसान काम नहीं है। शरीर की एक्सट्रा चर्बी को निकालने के लिए नियमित व्यायाम के साथ कैलोरीज भी बर्न करनी पड़ती हैं। इसके लिए आयुर्वेद के पास ऐसे कई तरीके हैं, जिससे शरीर की गंदगी बाहर निकलेगी और आपको वजन कम करने में आसानी होगी। ये तरीके बेहद आसान हैं, लेकिन आपको इन्हें अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना होगा। आइए जानते हैं क्या हैं वो तरीके जिसे मोटापा घटाने के लिए आयुर्वेद में अहम माना गया है.

गर्म पानी के साथ घी और नींबू

200 मिलीलीटर पानी के साथ थोड़ा सा नींबू या घी का सेवन करने से पेरिस्टलसिस में सुधार होता है, जो कि वेस्ट और खाने की गति को नीचे की ओर ढकेलता है। यदि आपका शरीर वात या पित्त प्रकार का है, तो आप इससे आपका पाचन तंत्र चिकना होगा जिससे कब्ज की समस्या दूर होगी।

डायजेस्टिव चाय

आजकल, बाजार में आयुर्वेदिक चाय की ढेर सारी वैराइटीज उपलब्ध हैं। लेकिन अच्छा होगा कि आप घर पर अपनी चाय खुद ही बना लें। इसके लिए 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, 1 चम्मच धनिया के बीज, 1 इलायची और थोड़ी सी अजवाइन को लेकर 500 मिलीलीटर पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी की मात्रा आधी न हो जाए। इस चाय को खाली पेट पीने से अपच, ब्लोटिंग और वजन कम करने में मदद मिलेगी।

अपने मेटाबोलिज्म को तेज बनाने के लिए आप दालचीनी, इलायची, लौंग, कद्दूकस की हुई अदरक, काली मिर्च, हल्दी और स्टार ऐनीज को 500 मिली पानी में उबालें। यह पानी आधा हो जाए तब इसमें आधा नींबू और कोकोनट शुगर मिलाएं। चाय शरीर की गर्मी बढ़ाकर चयापचय में सुधार करके वजन कम करने में मदद करेगी।

कच्चे फल

सुबह खाली पेट हर्बल चाय पीने के बाद, कच्चे फलों का सेवन करें जो प्रकृति में थोड़े से कसैले हो सकते हैं। ग्रीन और रेड एपल, क्रैनबेरी, ब्लूबेरी, चेरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, अनानास, आंवला और अनार जैसे फलों को ही चुनें। यह फल शरीर में वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं और आपकी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाते हैं, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

सिलेरी जूस

तनाव से बचने के लिए आयुर्वेद कच्चे फल और पकी या उबली हुई सब्जियां खाने की सलाह देता है। ऐसी स्मूदी लेने से बचें जिसमें फल, सब्जियां, दूध और दही का मिश्रण शामिल हो। यह शरीर में विषाक्त पदार्थों के संचय का कारण बन सकता है। बल्कि पेट की ब्लोटिंग और अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए एक चुटकी सेंधा नमक और नारियल तेल के साथ सिलेरी का जूस लें।

वजन घटाने के बुनियादी नियम

- जब आपको भूख लगे तब ही खाएं।
- सूर्यास्त के बाद न खाएं।
- इंटरमिटेंट फास्टिंग करें जिसमें 16 घंटे के तक कुछ भी न खाएं। इससे आपकी ऊर्जा तो बढ़ती है साथ में दिमाग पर कंट्रोल रहता है।
- कच्चे फल खाने के बाद पका हुआ भोजन करें।
- आपका पेट केवल आपकी मुट्ठी के आकार का है। अपनी भूख से 80 प्रतिशत भोजन कम खाएं, ताकि खाना पचाने वाले रस अपना काम आसानी से कर सकें।

डायबिटीज कंट्रोल करने के लिए डाइट में शामिल करें अनार के फूल

खून बढ़ाने से लेकर ग्लोइंग स्किन पाने के लिए अनार खाने के फायदों के बारे में आपने सुना ही होगा। लेकिन क्या आपने अनार के फूल के फायदों के बारे में सुना है। प्राकृति ने मनुष्य को बहुत कुछ दिया है, जो स्वस्थ रहने और किसी बीमारी से लड़ने के लिए काफी है। ऐसा ही एक प्राकृति का तोहफा है अनार का फूल। आइए जानते हैं अनार के फूल के फायदों के बारे में।

- शुगर की परेशानी इन दिनों आम हो गई है। दुनियाभर में कई लोग इस जानलेवा बीमारी से जूझ रहे हैं। हालांकि इसे कंट्रोल करने के कई तरीके हैं, लेकिन बावजूद इसके इसे ठीक नहीं किया जा सकता। ऐसे में एक स्वस्थ जीवन शैली पर स्विच करना महत्तवपूर्ण है। शुगर के मरीजों को कम चीनी और फाइड चीजों को अवॉइड करना चाहिए। ऐसे में डाइट में अनार के फूल शामिल करना अच्छा हो सकता है। हेल्थ रिपोर्ट्स के मुताबिक अनार के फूल में फोटोकेमिकल होता है, जो शुगर के मरीजों के लिए अच्छा होता है।
- बेदाग स्किन और स्वस्थ चमक इन दिनों खो सी गई है। पर्यावरण प्रदूषण और गलती जीवनशैली के चलते ऐसी त्वचा पाना बेहद ही मुश्किल हो गया है। वहीं बीजी रूटीन में नियमित त्वचा की देखभाल करना भी मुश्किल होता है। ऐसे में आप अनार के फूल पर विश्वास कर सकते हैं, इसकी मदद से झुर्रियों और समय से पहले बूढ़ा होने से बचा जा सकता है।
- कोरोना काल में हर किसी ने एक चीज अच्छे से सिखी है और वो है स्वस्थ्य रहना। लोग इन दिनों स्वस्थ और इम्यूनिटी को बढ़ावा देने वाली हर एक चीज का पूर्ण रूप से ख्याल रख रहे हैं। ऐसे में अनार के फूल भी स्वस्थ रहने में आपकी मदद कर सकते हैं। इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। जो बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने में मदद करते हैं।
- अनार के फूल को डाइट में शामिल करने से अपने कार्डियोवस्कुलर हेल्थ का ख्याल रख सकते हैं। शरीर में सबसे महत्तवपूर्ण अंगों में से ऐक होता है हृदय, जो पूरे शरीर में ब्लड पंप करता है। इससे न केवल ऑक्सीजन बल्कि शरीर के विभिन्न कार्यों को करने के लिए पोष्क तत्व भी पहुंचाता है। अगर दिल की सेहत का ध्यान न रखा जाए तो आप आलसी, सुस्त और लो एनर्जी महसूस करेंगे।
- अनार का फूल में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट आपके इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने के साथ शरीर में जमा फैट को खत्म कर आपको हेल्दी रखता है। हालांकि अच्छे परिणाम के लिए आपको कसरत करनी होगी।

कैसे करें अनार के फूल का इस्तेमाल

आप अनार के फूलों के सपलीमेंट ले सकते हैं, या फिर अगर आपको अनार के फूल मिल जाते हैं तो आप इसकी चाय बनाकर पी सकते हैं। हालांकि किसी भी तरह की जलन महसूस होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

दूध, दही, पनीर के सेवन से कम होता है डायबिटीज और हाई बीपी का खतरा

वैज्ञानिकों के अनुसार दही, दूध या पनीर का रोजाना सेवन डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर का खतरा कम करता है। हाल ही में एक शोध ने डेयरी रिच डाइट (यानी दही, दूध या पनीर युक्त खाद्य पदार्थ) को रक्त शर्करा के स्तर, ब्लड प्रेशर में सुधार और हृदय रोग संबंधी जोखिमों को कम करने से जोड़ा गया। शोध के मुताबिक, रोजाना इन डेयरी उत्पादों का दो बार सेवन इन बीमारियों से राहत दिलाने में फायदा करता है।

इस अध्ययन को डायबिटीज रिसर्च जर्नल में प्रकाशित किया गया। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का विश्लेषण करना था। उन्होंने भारत सहित दुनियाभर के 21 देशों के 35 से 70 वर्ष के लोगों में डेयरी रिच डाइट के प्रभाव का गहराई से अध्ययन किया। इस शो में डेयरी उत्पादों जैसे दूध, दही, दही से बने पेय, पनीर से बनी डिशेज शामिल थीं। इन्हें फुल या लो फैट के रूप में बांटा गया था। बटर और क्रीम का अलग से मूल्यांकन किया गया था, क्योंकि वे आमतौर पर उन देशों में नहीं खाए जाते थे जो अध्ययन का हिस्सा थे।

मेटाबॉलिक सिंड्रोम के पांच घटकों पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का अध्ययन किया गया था। यह अध्ययन लगभग 1,13,000 लोगों में किया गया। मेटाबॉलिक सिंड्रोम एक तरह से समस्याओं का झुंड होता है। मुख्य रूप से इसमें ब्लड प्रेशर बढ़ना, ब्लड शुगर बढ़ जाना, कमर के आसपास चर्बी बढ़ जाना और कोलेस्ट्रॉल व ट्राइग्लिसराइड का स्तर असामान्य हो जाना जैसी समस्याएं शामिल होती हैं। मेटाबॉलिक सिंड्रोम में ये समस्याएं एक साथ होती हैं जिससे स्ट्रोक, डायबिटीज व हृदय संबंधी बीमारियां होने का जोखिम बढ़ जाता है।

शोधकर्ताओं ने हाई ब्लड प्रेशर, बढ़ी हुई कमर, गुड कोलेस्ट्रॉल का निम्न स्तर, हाई ब्लड फैट्स और बढ़े हुए फास्टिंग ब्लड ग्लूकोज की 12 महीनों की स्थिति को ट्रैक किया। अध्ययन से पहले लगभग 46,667 लोगों को मेटाबॉलिक सिंड्रोम था, यानी उनमें पांच में से कम से कम तीन स्थितियां थीं। शोधकर्ताओं ने पाया कि फुल फैट वाले डेयरी का सेवन करने से मेटाबॉलिक सिंड्रोम का जोखिम कम था। इससे पता चलता है कि डेयरी प्रोडक्ट शरीर की कार्यप्रणाली में कैसे सुधार करते हैं। शोध में कहा गया है कि यदि इन निष्कर्षों के आधार पर बड़े और दीर्घकालिक परीक्षणों में पुष्टि की जाती है, तो बढ़ती डेयरी खपत मेटाबॉलिक सिंड्रोम, डायबिटीज और हृदय रोग के मामलों को कम करने के लिए बड़े काम की हो सकती है।

डेयरी उत्पादों में स्वास्थ्य लाभ में हड्डियों, दांतों और मांसपेशियों की मजबूती, पाचन में सुधार, वजन घटाना आदि शामिल हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक डेयरी उत्पाद प्रोटीन और कैल्शियम के बड़े स्रोत हैं। इसके अलावा यह उत्पाद विटामिन और मिनरल्स के भी बड़े संयोजक होते हैं। डेयरी उत्पाद मुख्य रूप से पशुओं के दूध से निर्मित खाद्य या पेय पदार्थ होते हैं। मुख्य रूप से जिन पशुओं के दूध का प्रयोग इन उत्पादों को बनाने के लिए किया जाता है उनमें गाय, भैंस, बकरी, भेड़, याक और ऊंट शामिल हैं।

हेल्दी डाइट के लिए खाइए ब्राउन राइस

जो लोग हेल्दी डाइट और व वजन कम करने में दिलचस्पी रखते हैं और चावल से परहेज करते हैं, उनके लिए ब्राउन राइस एक बेहतरीन विकल्प है। कैलोरी कम होने के साथ-साथ इसके और भी कुछ फायदे हैं। जानिए इसके 5 फायदे.

कोलेस्ट्रॉल

ब्राउन राइस खाने का सबसे बड़ा फायदा यही है कि यह कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और अनचाहे फैट को शरीर के आंतरिक भागों में जमने से रोकता है।

डाइबिटीज

सामान्यतः चावल में शर्करा की मात्रा अधिक होती है, जिसके कारण डाइबिटीज के रोगी इससे दूरी बनाए रखते हैं। लेकिन ब्राउन राइस के सेवन से रक्त में शर्करा का स्तर नहीं बढ़ता। इसलिए यह आपके लिए बेहतर विकल्प है।

हृदय रोग

हार्टअटैक या हृदय के अन्य रोग, ज्यादातर हृदय की धमनियों में कोलेस्ट्रॉल के जमाव के कारण होते हैं। ऐसे में ब्राउन राइस का सेवन इससे बचाकर आपके हृदय की भी रक्षा करता है।

हड्डियां

मैग्नीशियम व कैल्शियम से भरपूर होने के कारण ब्राउन राइस, हड्डियों को मजबूत करने के लिए बेहद फायदेमंद है। सफेछ चावल की अपेक्षा यह सेहत के कई फायदे देता है।

वजन कम

वजन कम करना चाहते हैं, और चावल से दूर नहीं रह सकते, तो सफेद चावल की जगह ब्राउन राइस को भोजन में शामिल करें। कुछ ही समय में आप वजन में कमी महसूस करेंगे।

जरूरी नहीं महंगी बादाम खाना, सस्ती मूंगफली भी है प्रोटीन का खजाना

मूंगफली का सेवन सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। बल्कि इसे बादाम का पर्याय माना जाता है। जितने पोषक तत्व बादाम में मौजूद होते हैं वह सभी मूंगफली में आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। लेकिन बादाम महंगा होता है और मूंगफली सस्ती होती है लेकिन आप बादाम की जगह मूंगफली भी खा सकते हैं। एक लीटर दूध के बजाए 100 ग्राम कच्ची मूंगफली में अधिक प्रोटीन होता है। मूंगफली के साथ ही मूंगफली के तेल के कई फायदे होते हैं। यह कीटाणुओं को खत्म करने में मददगार होता है। जानते हैं मूंगफली खाने के अचूक फायदों के बारे में –

हड्डियों को करें मजबूत

मूंगफली के सेवन से हड्डियां मजबूत होती है। मूंगफली में मौजूद पोषक तत्वों से शरीर को विटामिन डी और कैल्शियम मिलता है। बादाम के बदले इसका आसानी से सेवन कर सकते हैं।

हार्मोन को करें बैलेंस

जब महिला और पुरुषों में हार्मोंस अनबैलेंस्ड हो जाते हैं तब कई प्रकार की शारीरिक समस्या होती है। इसलिए महिला और पुरुष को रोज एक मुट्ठी मूंगफली का सेवन करना चाहिए।

कैंसर से बचाएं

मूंगफली में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है जिसका नाम है पॉलीफिनॉलिक। इसके सेवन से पेट के कैंसर का खतरा कम हो जाता है। सप्ताह में 1 बार मूंगफली के साथ मक्खन का सेवन करना चाहिए।

झुर्रियों को हटाए

मूंगफली खाने से झुर्रियां कम होती है। इसमें मौजूद तत्व चेहरे पर बारीक रेखा और झुर्रियों को बनने से रोकती है।

डायबिटीज को करें नियंत्रित

मूंगफली का सेवन करने से डायबिटीज की आशंका कम होती है। रोज अपनी डाइट में इसे जरूर शामिल करना चाहिए। ताकि घातक बीमारियों से बचा जा सकें।

लाइफ वेस्ट के निरीक्षण के समय को कम करने के लिए इंडिगो ने सेंसर तकनीक का इस्तेमाल किया

नई दिल्ली।

परिचालन दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से, इंडिगो एयरलाइन ने विमान पर लाइफ वेस्ट की तेज और सटीक स्कैनिंग के लिए सेंसर तकनीक पेश की है।वाणिज्यिक सेवा में सभी यात्री विमानों पर ले जाने के लिए जीवन रक्षक अनिवार्य सुरक्षा उपकरण हैं। इन वेस्टों को समय-समय पर जांच की आवश्यकता होती है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि बोर्ड पर पर्याप्त संख्या में उपलब्ध हैं और यह कि वे सेवा योग्य स्थिति में हैं। विमान के प्रकार के आधार पर, सभी निहितों के मैन्युअल निरीक्षण में सामान्य रूप से 90-120 मिनट लगेंगे। सेंसर तकनीक की शुरुआत के साथ, इस समय को घटाकर प्रति विमान 3-4 मिनट कर दिया गया है। एयरलाइन के अनुसार, इस नवाचार के परिणामस्वरूप भारत के 300 विमानों के सबसे बड़े बेड़े में समय की भारी बचत हुई है, जिसमें 53,000 से अधिक जीवन निहित हैं। इस समय की बचत से बेड़े का बेहतर उपयोग होगा और यात्रियों के लिए प्रतीक्षा समय कम होगा। इंडिगो के मुख्य डिजिटल और सूचना अधिकारी नीतन चोपड़ा ने आगे कहा, इंडिगो में, हम नवाचार को चलाने और परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के लिए लगातार नए रास्ते तलाश रहे हैं। पूरी तरह से इन-हाउस विकसित, लाइफ वेस्ट के लिए यह सेंसर-आधारित निरीक्षण प्रक्रिया हमें अगली उड़ान के लिए विमान को तेजी से तैयार करने में सक्षम बनाती है। हम नए डिजिटल और इनोवेटिव फ्रंटियर में आगे बढ़ना जारी रखेंगे और परिचालन दक्षता बढ़ाने और अपने ग्राहकों को समय पर, परेशानी मुक्त और किफायती यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए ऐसे और समाधान पेश करेंगे। सेंसर तकनीक एक स्वचालित डेटा संग्रह तकनीक को संदर्भित करती है जो उस टैग को पढ़ती है जो लाइफ वेस्ट पर होता है जो बदले में टैग किए गए लाइफ वेस्ट को पहचानने, ट्रैक करने और पता लगाने में मदद करता है।

अडानी की ओर से फॉलो-ऑन शेयरों की खरीद के लिए 10-15 प्रतिशत छूट मिलेगी

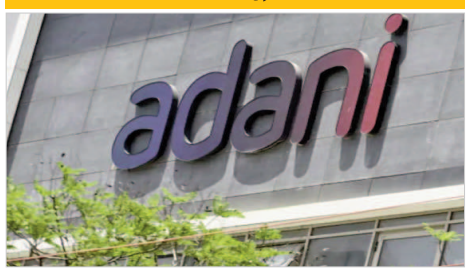

नई दिल्ली ।

गौतम अडानी की फ्लैगशिप कंपनी निवेशकों को भारत की प्रमुख फॉलो-ऑन शेयर बिक्री में 10-15 प्रतिशत की छूट की पेशकश की योजना बनाई है। कंपनी की ओर अपने समर्थकों का आधार मजबूत करने का यह प्रयास है। अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड द्वारा एक्सचेंज में फाइलिंग के अनुसार 3112 रुपए से 3276 रुपए के प्राइस बैंड में शेयर बेचकर 2.5 बिलियन डॉलर जुटाने की कोशिश है। एक खबर ने पहले बताया था कि बड़े निवेशकों को मौजूदा बाजार मूल्य पर 10 प्रतिशत की रियायत मिलेगी जबकि खुदरा निवेशक खरीदारी करने के लिए और भी कम भुगतान करेंगे। इस कंपनी बाजार मूल्य पिछले एक साल में लगभग दोगुना हो गया है। कंपनी ने अपने प्रॉस्पेक्टस में कहा कि एकत्र किए गए पैसे में लगभग आधा अडानी के हवाईअड्डे और नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के विस्तार के लिए खर्च किया जाएगा जबकि 42 अरब रुपए जुटाई गई राशि के एक चौथाई से थोड़ा कम का उपयोग कर्ज को कम करने के लिए किया जाएगा। प्रमुख निवेशक 25 जनवरी को और बाकी 27 जनवरी से 31 जनवरी तक बोली लगा सकेंगे। अनुवर्ती बिक्री के लिए एक दुर्लभ कदम में एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति निवेशकों को उनकी खरीद के लिए किश्तों में भुगतान करने की अनुमति देंगे। बोलीदाताओं को प्रस्ताव मूल्य का 50 प्रतिशत अग्रिम भुगतान के रूप में देना होगा उसके बाद शेष राशि की एक या दो किश्तें में भुगतान करनी होगी। खुदरा निवेशकों को प्रति शेयर 64 रुपए की छूट मिलेगी।

कच्चे तेल में गिरावट कई राज्यों में बदले पेट्रोल और डीजल के भाव

ब्रेंट क्रूड 0.94 डॉलर घटकर 84.98 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गुरुवार को गिरावट देखने को मिल रही है। ब्रेंट क्रूड 0.94 डॉलर घटकर 84.98 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं डब्ल्यूटीआई 0.35 डॉलर गिरकर 79.13 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। देश के कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में गुरुवार को बदलाव देखने को मिल रहा है। महाराष्ट्र में पेट्रोल की कीमत 57 पैसे घटकर 105.96 रुपए प्रति लीटर हो गई है। यहां डीजल 54 पैसे गिरकर 92.49 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहा है। मध्य प्रदेश में भी ईंधन सस्ता हुआ है। यहां पेट्रोल 30 पैसे की गिरावट के साथ 109.70 रुपए प्रति लीटर और डीजल 28 पैसे सस्ता होकर 94.89 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहा है। उत्तर प्रदेश में पेट्रोल की कीमत में कोई बदलाव नहीं है लेकिन डीजल 25 पैसे सस्ता हुआ है। इसी तरह पश्चिम बंगाल में पेट्रोल 44 पैसे और डीजल 41 पैसे सस्ता हुआ है। चेन्नई में पेट्रोल-डीजल के दाम कुछ बढ़े हैं। दक्षिण भारत के अधिकांश राज्यों में ईंधन थोड़ा महंगा हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर चेन्नई में पेट्रोल 102.73 रुपए और डीजल 94.33 रुपए प्रति लीटर नोएडा में पेट्रोल 96.64 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.44 रुपए और डीजल 89.64 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 108.12 रुपए और डीजल 94.86 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

फोनपे ने 12 अरब डॉलर के मूल्यांकन पर 350 मिलियन डॉलर जुटाए

बेंगलुरु। फिनटेक प्लेटफॉर्म फोनपे ने गुरुवार को कहा कि उसने 12 अरब डॉलर के प्री-मनी वैल्यूएशन पर एक प्रमुख वैश्विक विकास इक्विटी फर्म जनरल अटलांटिक से फंडिंग में 350 मिलियन डॉलर जुटाए हैं।प्रमुख वैश्विक और भारतीय निवेशकों ने भी दौर में भाग लिया। यह निवेश जनवरी 2023 में शुरू होने वाले कुल 1 अरब डॉलर के धन उगाहने की पहली किश्त को चिह्नित करता है। यह फंडरेज फोनपे द्वारा भारत में अधिवास के हाल ही में घोषित बदलाव और फ्लिपकार्ट से पूरी तरह अलग होने के बाद हुआ है। फोनपे के संस्थापक और सीईओ समीर निगम ने कहा, हम भारत में यूपीआई पैमेंट्स के लिए विकास की अगली लहर को सुगम बनाने के साथ-साथ बीमा, संपत्ति प्रबंधन और उधार जैसे नए व्यावसायिक कार्यक्षेत्रों में निवेश करके अपने विकास के अगले चरण को पूरा करने के लिए तत्पर हैं। फोनपे की योजना बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण निवेश करने के लिए नए फंडों को तैनात करने की है, जिसमें डेटा केंद्रों का विकास और देश में बड़े पैमाने पर वित्तीय सेवाओं की पेशकश में मदद करना शामिल है। कंपनी बीमा, धन प्रबंधन और उधार सहित नए व्यवसायों में निवेश करने की भी योजना बना रही है। फोनपे के 400 मिलियन से अधिक रजिस्टर्ड यूजर्स हैं और इसने देश के 99 प्रतिशत पिन कोड को कवर करते हुए टियर 2, 3 और 4 शहरों और उससे आगे के 35 मिलियन से अधिक ऑफलाइन व्यापारियों को डिजिटाइज किया है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई।

मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही एफएमसीजी धातु और वाहन फार्मा और उर्जा शेयरों में बिकवाली हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 187.31 अंक करीब 0.31 फीसदी नीचे आकर 60858.43 के स्तर पर बंद हुआ जबकि पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 57.50 अंक तकरीबन 0.32 फीसदी नीचे आकर 18107.85 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान कोल इंडिया यूपीएल ओएनजीसी एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस और बीपीसीएल निफ्टी के सबसे लाभ वाले शेयर रहे जबकि अडानी इंटरप्राइजेस एशियन पेंट टाटा मोटर्स इंडसइंड बैंक और कोटक महिन्द्र निफ्टी के सबसे नुकसान वाले शेयर रहे। वहीं गत दिवस बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ था। उम्मीद की जा रही है कि इस बजट में वंदे भारत ट्रेन और हाइड्रोजन ट्रेनों को लेकर बड़ी घोषणा हो सकती है। बजट में 35 हाइड्रोजन-ईंधन वाली ट्रेनों 400 से 500 वंदे भारत ट्रेन 4000 नए ऑटो मोबाइल कैरियर कोच 58000 वैगन ट्रेनों का तोहफा मिल सकता है। वहीं दिसंबर में घरेलू एयरलाइन ट्रैफिक सालाना आधार पर 14 फीसदी बढ़कर 1.27 करोड़ पैसेंजर रहा है। दिसंबर में इंडिगो का मार्केट शेयर महीने दर महीने आधार पर 55.7 फीसदी से घटकर 54.9 फीसदी पर रहा है। वहीं दिसंबर में स्पाइसजेट का मार्केट शेयर महीने दर महीने 7.5 फीसदी से बढ़कर 7.6 फीसदी पर रहा है।

एप्पल 2024 मैक मिनी के डिजाइन अपडेट में नहीं करेगा बदलाव

सैन फ्रांसिस्को। टेक दिग्गज एप्पल कथित तौर पर अपने आगामी अगली पीढ़ी के मैक मिनी के लिए डिजाइन अपडेट नहीं लाएगा जो 2024 में आने वाला है।मैकरियूमर्स की रिपोर्ट के अनुसार, विश्लेषक मिंग-ची कुओ के अनुसार, अगली नई मैक मिनी में फॉर्म फैक्टर डिजाइन समान होगा। टेक दिग्गज ने मंगलवार को मैक मिनी के एम2 और एम2 प्रो वर्जन्स पेश किए थे, जिनका डिजाइन पिछली पीढ़ी के एम1 मॉडल के समान है, जिसमें कोई बड़ा बाहरी अपडेट नहीं है। इसके बजाय, परिवर्तन सभी आंतरिक हैं जैसे कि इसमें तेजी से एम-सीरीज चिप्स शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2021 और 2022 में अफवाहें थीं कि मैक मिनी को प्लेक्सीग्लास टॉप और अन्य विशेषताओं के साथ एक नया रूप मिलेगा, लेकिन इस साल की रिलीज के साथ ऐसा नहीं हुआ। इस बीच, मंगलवार को आईफोन निर्माता ने एम2 और एम2 प्रो चिप्स के साथ एक नया मैक मिनी पेश किया, जो पहले से कहीं अधिक शक्तिशाली, सक्षम और बहुमुखी है। इसकी कीमत 59,900 रुपये से शुरू है। नई एम2 प्रो चिप पहली बार मैक मिनी को प्रो-लेवल परफॉर्मेंस डिलीवर करती है, जिससे यूजर्स हाई-परफॉर्मेंस वर्कफ्लो चलाने में सक्षम हो जाते हैं जो पहले इस तरह के कॉम्पैक्ट डिजाइन में अकल्पनीय थे।

सोने-चांदी की कीमतें गिरीं

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में गुरुवार को सोने और चांदी की कीमतें गिरी हैं। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट आई। दस ग्राम सोना नीचे आकर 56475 रुपये का हो गया है। वहीं एक किलो चांदी की कीमतें भी कम हुई हैं और अब यह 68500 रुपये में मिल रही है। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 52 रुपये के नुकसान के साथ ही 56475 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ जबकि गत कारोबारी सत्र में सोना 56527 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं इसी प्रकार चांदी की कीमत भी 850 रुपये नीचे आने के साथ ही ये 68500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बंद हुई। दिल्ली में सोना 52 रुपये की गिरावट के साथ 56475 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा जबकि विदेशी बाजारों में सोना गिरावट के साथ 1901 डॉलर प्रति औंस पर जबकि . चांदी फायदे के साथ ही 24.23 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया।

सरकार ने हलाल मीट के निर्यात को लेकर जारी किए दिशा निर्देश

नई दिल्ली । वाणिज्य मंत्रालय ने सभी मांस और इसके उत्पादों को हलाल प्रमाणित के रूप में निर्यात को लेकर दिशानिर्देश जारी` किए हैं। इसके तहत इनका निर्यात तभी किया जाएगा जब इसके उत्पादन प्रसंस्करण और पैकेट को लेकर वैध प्रमाणपत्र हो। यह प्रमाणपत्र भारतीय गुणवत्ता परिषद के बोर्ड से मान्यता प्राप्त निकाय जारी करेगा. विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने देश से मांस और मांस उत्पादों के निर्यात के लिए हलाल प्रमाणन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से हलाल प्रमाणन पर दिशानिर्देश के मसौदे का प्रस्ताव किया है। दिशानिर्देश में कहा गया है कि प्रमाणन निकाय भारतीय अनुरूपता मूल्यांकन योजना (आई-सीएएस) हलाल के अनुसार निर्धारित प्रक्रिया का पालन करेंगे। इसमें कहा गया है कि कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकार (एपीडा) को इस उद्देश्य के लिए समग्र निगरानी एजेंसी के रूप में नामित किया जाएगा। मसौदा दिशानिर्देश के अनुसार सभी मांस और मांस उत्पादों को हलाल प्रमाणित के रूप में तभी निर्यात किया जाएगा जब उसे वैध प्रमाणपत्र मिला हो। यह प्रमाणपत्र भारतीय गुणवत्ता परिषद से मान्यता प्राप्त प्रमाणन निकाय द्वारा जारी होना चाहिए। मसौदा दिशानिर्देश को जनता एवं उद्योग जगत के सुझाव के लिए जारी किया गया है। इस पर 17 फरवरी तक सुझाव और प्रतिक्रिया दिए जा सकते हैं।

वेदांता मीनाक्षी एनर्जी का अधिग्रहण करेगी

नई दिल्ली । अनिल अग्रवाल प्रवर्तित कंपनी वेदांता दिवालिया हो चुकी ताप विद्युत कंपनी मीनाक्षी एनर्जी का दिवाला प्रक्रिया के तहत 1440 करोड़ रुपए में अधिग्रहण करेगी। दूसरी तिमाही में वेदांता का लाभ 60 फीसदी से अधिक घटा इस वजह से हुई बड़ी गिरावट दूसरी तिमाही में वेदांता का लाभ 60 फीसदी से अधिक घटा इस वजह से हुई बड़ी गिरावट कंपनी ने शेयर बाजार को बताया` कि कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) के तहत मीनाक्षी एनर्जी लिमिटेड की बोली लगाने के बाद वेदांता लिमिटेड को 18 जनवरी 2023 को सफल बोलीकर्ता घोषित कर दिया गया है जिसके बाद वेदांता के निदेशक मंडल ने मीनाक्षी एनर्जी लिमिटेड के अधिग्रहण को मंजूरी दे दी। अधिग्रहण के अगले वित्त वर्ष में पूरे होने की संभावना है। मीनाक्षी एनर्जी लिमिटेड आंध्र प्रदेश के नेल्लोर में स्थित 1000 मेगावॉट का कोयला आधारित बिजली संयंत्र है। अधिग्रहण की कीमत पर वेदांता ने कहा कि अनुमानित राशि 1440 करोड़ रुपये है जिसमें से 312 करोड़ रुपए अग्रिम रूप से जमा कराए जाएंगे जबकि 1128 करोड़ रुपए का भुगतान पांच वर्षों के अंदर पांच समान किस्तों में किया जाएगा।

जेएसडब्ल्यू रिन्यू एनर्जी को एसईसीआई से दो परियोजनाएं मिलीं

नई दिल्ली ।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने कहा कि उसकी इकाई जेएसडब्ल्यू रिन्यू एनर्जी फाइव को सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एसईसीआई) से बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली से संबंधित दो परियोजनाएं मिली हैं। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इसके तहत कंपनी को 12 साल तक प्रति माह 10.8 लाख रुपए प्रति मेगावाट का निश्चित क्षमता शुल्क मिलेगा। इन परियोजनाओं की कुल क्षमता 500 मेगावाट 1000 मेगावाट है। कंपनी ने बताया कि 500 मेगावाट 1000 मेगावाट की ऊर्जा भंडारण प्रणाली का मतलब है कि 500 मेगावाट की बैटरी दो घंटे तक पावर बैकअप दे सकती है। इस तरह इससे कुल 1000 मेगावाट का उत्पादन होता है।

23 जनवरी 2023 को मनाया जाएगा नेशनल आमंड डे: बादाम खाएं और अपनी सेहत बनाएं

भारत । लोग बादाम को सभी रूप में खाना पसंद करते है। दुनिया भर में बादाम को पसंदीदा फूड आइटम्स में से एक माना जाता है। हर व्यक्ति को अपने रोजाना के भोजन में बादाम को जरूर शामिल करना चाहिए। बादाम में स्वास्थ्य के लिए लाभकारी कई गुण होते हैं। बादाम ने भारतीय घरों में अपने लिए अलग जगह बना ली है। भारत में सवेरे बादाम खाना सदियों पुरानी परंपरा है। यह स्नैक्स के रूप में खाए जाते हैं, कई रेसिपीज में इनका इस्तेमाल होता है, त्वकचा को बेहतर बनाने के लिए भी इन्हें खाया जाता है, यह सांस्कृतिक परंपराओं का हिस्साम होते हैं और इसे एक मूल्यवान उपहार भी समझा जाता है। हर साल 23 जनवरी को मनाया जाने वाला नेशनल आमंड डे इस स्वादिष्ट नट्स को पहचानने और बादाम को खाने से स्वास्थ्य को होने वाले फायदों के प्रति लोगों को जागरूक करने का एक तरीका है।

बादाम 15 आवश्यक पोषक तत्वों का प्राकृतिक स्रोत हैं। बादाम विटामिन ई, पौधों पर आधारित प्रोटीन और डाइटरी फाइबर से भरपूर होते हैं। इसके अलावा बादाम मैग्नीशियम, जिंक, आयरन, कैल्शियम आदि खनिजों का भी स्त्रोत है और इससे कई फायदे होते हैं। बादाम का अनुकूल फैट प्रोफाइल भी है, 30 ग्राम बादाम में 13 ग्राम अनसेचुरेटेड फैट्स होते हैं, जिसमें से 9 ग्राम अनसेचुरेटेड फैट हैं। ये मानव शरीर के लिए फैट्स का अच्छा प्रकार है। बादाम में इतने पोषक तत्व हैं तो किसी को इसमें हैरानी नहीं होनी चाहिए कि क्यों मुट्ठी भर बादाम या हर दिन 23 बादाम किसी की सेहत के लिए बेहद अच्छे हैं!

यहां रोजाना बादाम खाने से स्वास्थ्य को होने वाले विभिन्न लाभों के बारे में बताया गया है:

वजन का प्रबंधन : मुट्ठी भर बादाम में भूख मिटाने वाली विशेषताएं होती है, जिससे पेट भरा हुआ महसूस होता है। यह सुबह और रात के खाने के बीच भूख को मिटाने का कारगर उपाय हो सकता है।

डायबिटीज प्रबंधन : बादाम लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाला भोजन है। कई रिसर्च स्टडीज में पाया गया कि अगर बादाम खाने के साथ खाए जाएं तो वह कार्बोहाइड्रेट से युक्त खाद्य पदार्थों के ब्लड शुगर के प्रभाव को कम करते हैं, जिससे डायबिटीज को मैनेज करने में मदद मिलती है।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए खुला है यूरोपः शॉल्ट्स

दावोस । जर्मनी के चांसलर ओलाफ शॉल्ट्स ने कहा कि यूरोप अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए खुला है और वह भारत तथा कुछ दूसरे देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। गौरतलब है कि यूरोपीय संघ ने पिछले साल भारत के साथ एक एफटीए के लिए फिर से बातचीत शुरू की है। इसके अलावा दोनों पक्षों के बीच एक निवेश संरक्षण समझौते और भौगोलिक संकेतों (जीआई) पर एक समझौते के लिए अलग से बातचीत चल रही है। यूरोपीय संघ के भीतर जर्मनी भारत के सबसे बड़े व्यापार भागीदारों में एक है। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक 2023 में चांसलर ने कहा` कि हमने कनाडा कोरिया जापान न्यूजीलैंड और चिली के साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर सफलतापूर्वक बातचीत की है। मैं यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूरी कोशिश कर रहा हूं कि जल्द ही इसमें नए देश शामिल हों भारत इंडोनेशिया और कुछ दक्षिण अमेरिकी देश। उन्होंने कहा` कि हम अमेरिका के साथ औद्योगिक क्षेत्र के लिए एक टैरिफ समझौते पर चर्चा करने के लिए भी तैयार हैं। यूरोपीय संघ भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। वर्ष 2021 में कुल भारतीय व्यापार में इसकी लगभग 11 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। दूसरी ओर भारत यूरोपीय संघ का 10वां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। शॉल्ट्स ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के प्रति संवेदनशील अर्थव्यवस्था बनाने की ओर बदलाव इस सदी का सबसे महत्वपूर्ण काम है और रूसी युद्ध के कारण यह प्रक्रिया तेज हुई है।

लोटे कन्फेक्शनरी लिमिटेड हैवमोर आइसक्रीम में 450 करोड़ रुपये का निवेश करेगी

भारत में लोकप्रिय और भरोसेमंद आइसक्रीम ब्रांडों में दक्षिण कोरिया की लोट्टे कन्फेक्शनरी लिमिटेड की सहायक कंपनी हैवमोर आइसक्रीम ने 100 रुपये का लक्ष्य रखा है। 450 करोड़ रुपये निवेश करने का फैसला किया है। लोट्टे कन्फेक्शनरी लिमिटेड ने दिसंबर 2017 में रु। यह निवेश हैवमोर आइसक्रीम के 1,000 करोड़ रुपये में अधिग्रहण के बाद किया जाएगा। आज, हैवमोर आइसक्रीम भारत का सबसे तेजी से बढ़ता आइसक्रीम ब्रांड है, जिसके भारत के 20 से अधिक राज्यों में 216 विशिष्ट आइसक्रीम पार्लर हैं।

वर्षों से लगातार विकास के साथ हैवमोर आइसक्रीम अपनी क्षमता का विस्तार करने और भारतीय बाजार में बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए तैयार है। हैवमोर अगले पांच वर्षों में इस निवेश का उपयोग करेगा और उसने एमआईडीसी तालेगांव, पुणे में एक नई विनिर्माण इकाई स्थापित करने की घोषणा की है। उच्च स्तर की इंजीनियरिंग और डिजाइन इनोवेशन वाली यह आधुनिक इकाई भारत में ब्रांड की पहली कोरियाई प्रौद्योगिकी आधारित इकाई होगी। एमआईडीसी से लीज पर ली गई यह इकाई 60,000 वर्ग मीटर है। कुल क्षेत्रफल में बनाया जाएगा और भविष्य की मांग को पूरा करने के लिए इसकी उत्पादन क्षमता में काफी वृद्धि करेगा। यह इकाई 2024 में पूरी तरह से चालू हो जाएगी।

घोषणा पर टिप्पणी करते हुए हैवमोर आइसक्रीम के प्रबंध निदेशक श्री कोमल आनंद ने कहा, "लोट्टेभारत भारत को एक रणनीतिक बाजार के रूप में देखता है और यह निवेश निर्णय भारत में विकास के अवसरों में समूह के भरोसे को दर्शाता है। इस पहल के केंद्र में उपभोक्ताओं को संतुष्ट करने वाले स्वादिष्ट विकल्पों के साथ भारत के खाद्य बाजार में क्रांति लाना है। कंपनी ने 2021 में अपना ग्लोबल बेस्टसेलर लोट्टे वर्ल्ड कॉन लॉन्च किया और उत्पाद की स्वीकार्यता अपेक्षाओं से अधिक रही।"

उन्होंने कहा कि चूंकि अन्य एशियाई देशों की तुलना में आइसक्रीम की प्रति व्यक्ति खपत कम है, इसलिए खपत में वृद्धि की गुंजाइश बहुत अधिक है। श्री आनंद ने कहा, इस इकाई के साथ हम अपनी पहुंच बढ़ाना चाहते हैं।

इंडसइंड बैंक का मुनाफा 58 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई ।

निजी क्षेत्र के इंडसइंड बैंक का चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही का मुनाफा 58 प्रतिशत बढ़कर 1964 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। बैंक ने कहा कि संपत्ति की गुणवत्ता और मूल आय में सुधार से उसका मुनाफा बढ़ा है। इंडसइंड बैंक की शुद्ध ब्याज आय 18 प्रतिशत बढ़कर 4495 करोड़ रुपए हो गई। वहीं इस दौरान बैंक की अन्य आय बढ़कर 2076 करोड़ रुपए हो गई। पिछले वित्त वर्ष 2021-22 की समान अवधि में अन्य आय 1877 करोड़ रुपए रही थी।

हमारी लड़ाई कुश्ती महासंघ से सरकार से नहीं: बजरंग

नई दिल्ली । ओलंपिक पदक विजेता पहलवान बजरंग पूनिया ने कहा है कि उनकी लड़ाई कुश्ती महासंघ से है न कि सरकार से। उन्होंने कहा कि सरकार महासंघ को बंद करे। साथ ही कहा कि इसका शीघ्र हल नहीं निकला तो वे क्योंकि कानून की सहायता देंगे। वहीं महिला पहलवान साक्षी मलिक ने कहा कि खेल मंत्रालय के साथ बैठक में हमें केवल आश्वासन मिला है। इसी प्रकार की कार्रवाई का भरोसा नहीं दिया गया है। इसलिए जब तक कोई सख्त कदम नहीं उठाया जाता हम शांत नहीं बैठेंगे। उन्होंने कहा कि हर जगह उनके लोग हैं। हमें केरल महाराष्ट्र से भी पीड़ितों के फोन आ रहे हैं । इसलिए हम प्रधानमंत्री से इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग करते हैं। वहीं विनेश फोगाट ने कहा कि हमारे साथ 5 से 6 महिला पहलवान हैं जिन्होंने इस प्रकार के शोषण का सामना किया है और हमारे पास इसे साबित करने के लिए सबूत भी हैं। हमें सरकार से अब तक कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला है। हम चाहते हैं कि कुश्ती महासंघ के प्रमुख बृजभूषण सिंह को सजा मिले।

हॉकी विश्व कप: नीदरलैंड्स ने चिली को 14-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

भुवनेश्वर,

विश्व नंबर 3 नीदरलैंड गुरुवार को यहां कलिंगा स्टेडियम में चिली को 14-0 से हराकर एफआईएच ओडिशा हॉकी विश्व कप 2023 के क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली टीम बन गई। पुरुषों के विश्व कप के तीन बार का विजेता नीदरलैंड, ग्रुप सी में तीन जीत से नौ अंकों के साथ शीर्ष पर हैं। मलेशिया ने पूल सी के एक अन्य मैच में उच्च रैंकिंग वाली न्यूजीलैंड को 3-2 से हराकर दो जीत से छह अंकों के साथ तालिका में दूसरा स्थान हासिल किया। मलेशिया से विश्व रैंकिंग में दो स्थान आगे न्यूजीलैंड तीन अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहा, जबकि चिली तीन हार के बाद शून्य अंक के साथ समाप्त हुआ। इस तरह नीदरलैंड ने क्वार्टर फाइनल में सीधे प्रवेश कर लिया, जबकि मलेशिया और न्यूजीलैंड क्रासओवर मैचों से गुजरेंगे। अपने पिछले मैचों में मलेशिया और न्यूजीलैंड को हराने के बाद, नीदरलैंड ने ड्रैग-फ्लिकर जिप जानसेन द्वारा गोलों की हैट्रिक देखी, जिन्होंने कुल चार गोल किए, और थिएरी ब्रिंकमैन ने तीन और बिजेन कोएन के दो गोलों से टूर्नामेंट में अब तक की सबसे बड़ी जीत हासिल की। जानसेन ने पहले पेनल्टी कार्नर से 6वें मिनट में गोल किया और फिर 29वें मिनट, 34वें मिनट और 44वें मिनट में गोल किए, जिससे डचों ने चिली के खिलाफ लगातार गोल दागे, और अपने विरोधियों को पूरी तरह से चित कर दिया। ब्रिंकमैन ने अपना पहला गोल 25वें मिनट में किया और 33वें और 59वें मिनट में पेनल्टी कार्नर पर दो और गोल करके हैट्रिक पूरी की। बिजेन ने 40वें और 45वें मिनट में दो गोल दागे, जिससे नीदरलैंड मैच में पूरी तरह से हावी हो गया। डर्क डी विल्डर (22वें मिनट), थिज्स वैन डैम (23वें मिनट), टेरेन्स पीटर्स (37वें मिनट), जस्टेन ब्लोक (42वें मिनट) और टीन बेइन्स (58वें मिनट) ने नीदरलैंड्स के स्कोर में एक-एक गोल का योगदान दिया। डचों ने वास्तव में चिली के पाले में खुद को नियंत्रित किया। कुल 17 पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए, जिनमें से उन्होंने छह को गोल में बदला। डर्क डी विल्डर (22वें मिनट), थिज्स वैन डैम (23वें मिनट), टेरेन्स पीटर्स (37वें मिनट), जस्टेन ब्लोक (42वें मिनट) और टीन बेइन्स (58वें मिनट) ने नीदरलैंड्स के स्कोर में एक-एक गोल का योगदान दिया।

ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में पहुंची सानिया और अन्ना

मेलबर्न ।

भारत की महिला टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा और उनकी युगल जोड़ीदार कजाकिस्तान की अन्ना डेनिलिना ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस के महिला युगल के दूसरे दौर में पहुंच गयी हैं। सानिया और अन्ना ने पहले दौर में यूक्रेन और बेल्जियम की जोड़ी एनहेलिना कालिनिना और एलिसन वान उइतवैंक को 6-2 7-5 से पराजित किया। सानिया और अन्ना का सामना अब दूसरे दौर में यूक्रेन-बेल्जियम की एनहेलिना कालिनिना और एलिसन वान यूत्वांक की जोड़ी से होगा। वहीं पुरुष वर्ग में रामकुमार रामनाथन और उनके मैक्सिको के उनके साथी मिगुएल एंजेल रेयेस-वरेला को यूनानी जोड़ी फानोस सितसिपास और उनके भाई पेट्रोस ने एक अन्य मुकाबले में 6-3 5-7 6-3 से हराया। सानिया ने इस महीने की शुरूआत में घोषणा की थी कि वह 19 फरवरी से शुरू होने वाली डब्ल्यूटीए 1000 प्रतियोगिता दुबई टेनिस चैंपियनशिप के बाद पेशेवर टेनिस को अलविदा कह देंगी।

इंडिया ओपन: चोट के कारण विराग-सात्विक की जोड़ी को दूसरे दौर के मुकाबले से हटना पड़ा

भारतीय बैडमिंटन संघ:

भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने कहा कि भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी और गत चैम्पियन चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी ने चोट के कारण गुरुवार को इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट के अपने दूसरे दौर के मैच से नाम वापस ले लिया। बीएआई ने ट्वीट किया, भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी दुर्भाग्य से चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गई है। हम सभी के लिए एक दुखद क्षण! सात्विक की ग्रोइन चोट के कारण स्टार जोड़ी चीनी जोड़ी लियू यू चेन और ओउ जुआन यी के खिलाफ मैच से हट गई। मंगलवार को वर्ल्ड नंबर 5 की जोड़ी ने स्कॉटलैंड के क्रिस्टोफर ग्रिमली और मैथ्यू ग्रिमली पर केवल 41 मिनट में 21-13, 21-15 से आसान जीत दर्ज की। डिफेंडिंग मेन्स डबल्स चैंपियन इंडिया ओपन 2023 में अपने करियर के दूसरे सुपर 750 खिताब के लिए संघर्ष कर रहे थे, जिन्होंने लू चिंग-याओ और यांग पो-हान की ताइपे जोड़ी को हराकर पिछले साल फ्रेंच ओपन जीता था। मंगलवार को वर्ल्ड नंबर 5 की जोड़ी ने स्कॉटलैंड के क्रिस्टोफर ग्रिमली और मैथ्यू ग्रिमली पर केवल 41 मिनट में 21-13, 21-15 से आसान जीत दर्ज की।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : चोट के खतरे के बीच जोकोविच तीसरे दौर में

मेलबर्न,

नौ बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच गुरुवार को यहां रॉड लेवर एरिना में फ्रेंचमैन इंजो कुआकौड को हराकर आस्ट्रेलियन ओपन के तीसरे दौर में पहुंच गए, लेकिन इस दौरान वह चोटिल होने से बाल-बाल बच गए। 35 वर्षीय टेनिस खिलाड़ी ने तीन घंटे चार मिनट में कौकाउड को 6-1, 6-7(5), 6-2, 6-0 से हराया। वह पूर्व विश्व नंबर 3 ग्रिगोर दिमित्रोव के साथ भिड़ेंगे, जिन्होंने तीसरे दौर में लास्लो जेरे को 6-3, 6-2, 6-0 से हराया। सर्बियाई 22वीं ग्रैंड स्लैम ट्रॉफी के रिकॉर्ड का पीछा कर रहे हैं और अगर वह खिताब जीतते हैं, तो एटीपी रैंकिंग में नंबर 1 स्थान पर पहुंच जाएंगे। जोकोविच ने मैच के बाद कहा, यह उम्मीद की जाती है, जब आप कोर्ट पर पसंदीदा के रूप में खेलते हैं और आप डेब्यू कर रहे खिलाड़ी से भिड़ते समय सावधानी बरतते हैं। मेरे पास इस मैच को जीतने के लिए कई मौके थे। उन्होंने कहा, कभी-कभी परिस्थितियां आपके रास्ते में नहीं आती हैं लेकिन यह खेल है। मैं अपने जीवन और करियर में कई बार ऐसी परिस्थितियों से गुजरा हूं, इसलिए मुझे लगता है कि यह समझने में भी मदद करता है कि आपको क्या करना है। अपना सर्वश्रेष्ठ देने का क्षण है। जोकोविच ने मैच के बाद कहा, यह उम्मीद की जाती है, जब आप कोर्ट पर पसंदीदा के रूप में खेलते हैं और आप डेब्यू कर रहे खिलाड़ी से भिड़ते समय सावधानी बरतते हैं। मेरे पास इस मैच को जीतने के लिए कई मौके थे।

संक्षिप्त समाचार

शास्त्री ने टीम की जीत का एक पुराना वीडियो सोशल साझा किया

तब शुभमन सिराज और ऋषभ ने किया था शानदार प्रदर्शन

मुम्बई । शुभमन गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय में शानदार दौहरा शतक लगाकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। शुभमन एकदिवसीय में दोहरा शतक लगाने वाले पांचवें भारतीय बल्लेबाज हैं। इससे पहले सचिन तेंदुलकर वीरेंद्र सहवाग रोहित शर्मा और ईशान किशन ने एकदिवसीय में दोहरे शतक लगाये हैं। वहीं भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने आज ही के दिन मिली टीम की जीत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुए उस मैच में भी शुभमन ने पारी की शुरुआत करते हुए अहम भूमिका निभाई थी। शास्त्री ने वीडियो साझा करते हुए लिखा तीन युवाओं ने सभी चुनौतियों को पार करके टेस्ट में सबसे बड़ी जीत दिलाई। शुभमन ने नींव रखी। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने विकेट लिए। तो ऋषभ पंत ने इसे खत्म किया। साथ ही उम्मीद जतायी कि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी जल्द ही अन्य 2 के साथ टीम के साथ जुड़ेंगे। ऋषभ पिछले दिनों हुए कार हादसे के बाद से ही अस्पताल में भर्ती हैं और उनके घुटने की सर्जरी हुई है। इससे उबरने में उन्हें छह माह का समय लगने की उम्मीद है। शास्त्री ने ब्रिसबेन में खेले गए टेस्ट का जिक्र भी किया तब ऑस्ट्रेलिया की टीम दूसरी पारी में 294 रन बनाकर आउट हो गई थी और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने 5 विकेट लिए थे। तब शुभमन ने सलामी बल्लेबाज के तौर पर 91 रन बनाये थे। की उन्होंने दूसरे विकेट के लिए चेतेश्वर पुजारा 56 के साथ 114 रन जोड़े थे। इसके बाद ऋषभ ने 138 गेंद पर 89 रन की आक्रामक पारी खेलकर टीम को जीत दिलायी थी।

इंडिया ओपन 2023: लक्ष्य सेन संघर्षपूर्ण मुकाबले में गेम्के से हारे

नई दिल्ली, योनेक्स-सनराइज इंडिया ओपन के गत चैंपियन लक्ष्य सेन का अजेय अभियान उस समय समाप्त हो गया, जब वह इंदिरा गांधी स्टेडियम में गुरुवार को खेले गए पुरुष एकल वर्ग में डेनमार्क के रासमस गेम्के के खिलाफ तीन गेम तक चले दूसरे दौर के रोमांचक मुकाबले में हार गए। सेन ने शुरूआती गेम जीता लेकिन गेम्के ने भारतीय बैडमिंटन संघ द्वारा आयोजित किए जा रहे इस एचएसबीसी-बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 750 इवेंट में लंबी रैलियों की मदद से दूसरा गेम जीता और फिर तीसरा गेम भी जीत मुकाबले अपने नाम में करने में सफल रहे। गेम्के ने यह मैच 16-21, 21-15, 21-18 से जीता। गेम्के अब शीर्ष वरीय और हमवतन और विश्व नम्बर-1 विक्टर एक्सेलसेन से भिड़ेंगे, जिन्होंने गुरुवार को ही चीन के शि यू क्यूई को 21-16, 16-21, 21-9 से हराया। पुरुष एकल में चौथी वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी, तीसरी वरीयता प्राप्त सिंगापुर के लोह कीन यू और पांचवीं वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे के चाउ टिएन चेन और महिला एकल में जापान की शीर्ष वरीयता प्राप्त अकाने यामागुची, स्पेन की कैरोलिना मारिन और चीन की हे बिंगजियाओ अगले दौर में पहुंच गई हैं। सेन और गेम्के के बीच दूसरे दौर की भिड़ंत ने निर्णायक मुकाबले तक दर्शकों को अपनी सीट से बांधे रखा क्योंकि सेन ने 8-14 से पीछे रहने के बाद वापसी करते हुए स्कोर 13-14 कर दिया।

खेल मंत्रालय की खिलाड़ियों के साथ हुई बैठक 22 जनवरी को इस्तीफे दे सकते हैं बृजभूषण

बजरंग बोले धरना अभी जारी रहेगा

नई दिल्ली ।

पहलवानों के यौन शोषण के आरोपों के बाद निशाने पर आये भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह 22 जनवरी को इस्तीफा दे सकते हैं। वहीं आज भी पहलवान कुश्ती महासंघ के प्रमुख के खिलाफ यहां जंतर मंतर पर धरने पर बैठे रहे। इसबीच खेल मंत्रालय की धरने पर बैठे पहलवानों के साथ एक बैठक भी हुई। इसके बाद यह फैसला हुआ कि कुश्ती महासंघ की 22 जनवरी को एक बैठक होगी और इसी में बृजभूषण इस्तीफा दे सकते हैं। खेल सचिव सुजाता चतुर्वेदी ने आज पहलवानों से बात कर उनका पक्ष भी जाना। खेल सचिव ने पहलवान बजरंग पुनिया उनकी पत्नी संगीता विनेश फोगाट सरिता मोर अंशु मलिक अंतिम पंघाल से बात की। इस बैठक में भारतीय खेल प्राधिकरण के महानिदेशक संदीप प्रधान और संयुक्त सचिव (खेल) कुणाल भी शामिल हुए। बैठक समाप्त होने के बाद बजरंग वापिस जंतर-मंतर पर लौटे और कहा कि अभी धरना जारी रहेगा। धरने में पहलवान रवि दहिया और दीपक पूनिया भी शामिल हुए।

इससे पहले विनेश ने बुधवार को आरोप लगाये थे कि कि डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष पिछले कई साल से महिला पहलवानों का उत्पीड़न कर रहे है। विनेश ने यह भी आरोप लगाया कि लखनऊ में राष्ट्रीय शिविर में कई कोचों ने महिला पहलवानों का शोषण किया था। वहीं डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। इस दौरान पहलवानों के समर्थन में धरना स्थल पर माकपा नेता बृंदा कारत भी पहुंची थीं पर पहलवानों ने यह कहकर उन्हें लौटा दिया कि इस प्रदर्शन को वह राजनीतिक रंग नहीं देना चाहते हैं। बजरंग ने बृंदा से कहा कि इस मामले को राजनीतिक मुद्दा नहीं बनाएं। साथ ही कहा कि हमें किसी राजनेता की जरुरत नहीं है। हम अपनी लड़ाई स्वयं लड़ेंगे।

बाएं हाथ के स्पिनरों का सामना नहीं कर पा रहे विराट

नई दिल्ली ।

टीम इंडिया के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने पिछले कुछ समय के अंदर अपनी लय दोबारा हासिल कर ली है और वह अब पहले की तरह ही एक बड़ी पारियां खेलने लगे हैं पर न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय मैच से उनकी पुरानी कमजोर एक बार फिर सामने आ गयी। वह कमजोर है बाएं हाथ के स्पिनर का सामना करना। विराट को विश्वकप से पहले अपनी इसी परेशानी को दूर करना होगा। विराट की यह परेशानी न्यूजीलैंड के खिलाफ हैदराबाद एकदिवसीय में भी नजर आई। अपने पिछले एकदिवसीय में श्रीलंका के खिलाफ नाबाद 166 रन बनाने वाले कोहली से कीवी टीम के खिलाफ भी बड़ी पारी की उम्मीद थी पर वह केवल 8 रन ही बना पाये। उन्हें न्यूजीलैंड के स्पिनर मिचेल सैंटनर ने पेवेलियन भेजा। सैंटनर विराट की गेंद को समझने में नाकाम रहे। उनके इस तरह आउट होने के बाद एक बार फिर यह साफ हो गया कि बाएं हाथ के स्पिनर का सामना करने में उन्हें समस्या आ रही है। गेंदबाजों को खेलने में उन्हें परेशानी हो रही है. साल 2020 से ही अगर आंकड़े देखें तो विराट तीनों फॉर्मेट मिलाकर कुल 15 बार बाएं हाथ के स्पिनर का शिकार बने। इस दौरान वह टी20 में 3 बार एकदिवसीय में 6 और टेस्ट में भी इतनी ही बार बाएं हाथ के स्पिनर की गेंद पर आउट हुए। इसके अलावा वह दक्षिण अफ्रीकी बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज और बांग्लादेश के शाकिब अल हसन की गेंद पर भी 2-2 बार आउट हुए हैं। बाएं हाथ के गेंदबाजों मिचेल सैंटनर और तबरेज शम्सी ने भी एक-एक बार आउट किया है। करीब 90 फीसदी बार फिंगर स्पिनर ने उन्हें पेवेलियन भेजा है। विराट साल 2020 से अबतक 6 बार टेस्ट में बाएं हाथ के स्पिनर की गेंद पर आउट हुए हैं। ऐसा लगता है कि वह गेंद की लेंथ को भांप नहीं पा रहे हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ पिछली टेस्ट सीरीज में भी विराट बाएं हाथ के स्पिनर तैजुल इस्लाम की गेंद पर क्लीन बोल्ड हो गए थे। तब भी वह गेंद की लेंथ को ठीक से भांप नहीं पाए थे और बैकफुट पर जाकर खेलने की कोशिश में बोल्ड हो गए थे।

विश्व कप फुटबॉल से जुड़े थे पांच अरब लोग : फीफा

जिनेवा । विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) ने कहा है कि कतर में गत वर्ष हुए विश्व कप फुटबॉल से विश्व भर में करीब पांच अरब लोग जुड़े थे। फीफा ने अपनी एक घोषणा में ये बात कही है। फीफा की एक रिपोर्ट के अनुसार सोशल मीडिया पर सभी प्लेटफार्मों पर 93.60 लाख पोस्ट हैं। इसके अलावा भी कई अन्य तरीकों से लोग विश्व कप से जुड़े रहे और इसके मैच सबसे ज्यादा देखे गये। कतर 2022 ने विश्व कप रिकॉर्ड की एक श्रृंखला बनाई है। साथ ही कहा कि तीस लाख 40 हजार दर्शकों ने स्टेडियमों में मैच देखे जो इतिहास में अब तक सबसे ज्यादा है। वहीं टूर्नामेंट के दौरान सबसे अधिक 172 गोल दागे गये। इसमें कई बड़ी टीमों को उलटफेर का शिकार भी होना पड़ा है। इस दौरान अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी ने सबसे अधिक 26 विश्व कप मैच खेलते हुए जर्मनी के लोथर मैथॉस के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया। वहीं क्रोएशिया के खिलाफ मैच में कनाडा के अल्फोंसो डेविस का 68 सेकंड का गोल विश्व कप इतिहास का सबसे तेज गोल था। यह पहला विश्वकप था जो किसी खाड़ी देश में हुआ। इसके साथ ही यह अब तक का सबसे महंगा ओलंपिक भी रहा।

हम भारत के खिलाफ बेहतर करने की करेंगे कोशिश : सुने लूस

ईस्ट लंदन

महिला टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला की शुरूआत से पहले, दक्षिण अफ्रीका की कप्तान सुने लूस ने कहा कि उनकी टीम उन संयोजनों से अवगत है, जिसे भारत गुरुवार रात बफेलो पार्क स्टेडियम में उनके खिलाफ उतार सकता है। 2 फरवरी तक चलने वाली त्रिकोणीय श्रृंखला में, 2016 टी20 विश्व कप चैंपियन वेस्टइंडीज श्रृंखला में तीसरी टीम है। दक्षिण अफ्रीका ने आखिरी बार मार्च 2021 में खेल के सबसे छोटे प्रारूप में भारत के खिलाफ खेला था, जहां उन्होंने 2-1 में लखनऊ में सीरीज जीत का रिकॉर्ड बनाया था। उस श्रृंखला जीत ने प्रोटियाज को भारत के खिलाफ अपने जीत अनुपात को 33 प्रतिशत तक सुधारने में मदद की, 13 मैचों में चार जीत और एक मैच जिसमें कोई नतीजा नहीं निकला। अगले महीने शुरू होने वाले महिला टी20 विश्व कप के साथ अब कम समय रह गया है। दक्षिण अफ्रीका भारत के खिलाफ त्रिकोणीय श्रृंखला के पहले मैच से मेगा इवेंट के लिए अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देना चाहता है। उन्होंने कहा, हमने भारतीय टीम को देखा है और हमने उनके खिलाफ काफी खेला है। वे हाल ही में इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले हैं। इसलिए हमें पता है कि क्या उम्मीद करनी है। हम उन सभी संयोजनों को जानते हैं जो वे संभवतः हमारे खिलाफ उतार सकते हैं। त्रिकोणीय श्रृंखला को लेकर उत्साहित हूं। उस श्रृंखला जीत ने प्रोटियाज को भारत के खिलाफ अपने जीत अनुपात को 33 प्रतिशत तक सुधारने में मदद की, 13 मैचों में चार जीत और एक मैच जिसमें कोई नतीजा नहीं निकला। अगले महीने शुरू होने वाले महिला टी20 विश्व कप के साथ अब कम समय रह गया है। दक्षिण अफ्रीका भारत के खिलाफ त्रिकोणीय श्रृंखला के पहले मैच से मेगा इवेंट के लिए अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देना चाहता है।

मेलबोर्न में ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस में खेलती हुई बेलारुस की आर्यना सबलेंका।

पीएम मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत तथा 5 ट्रिलियन इकोनॉमीबनाने का लक्ष्य

अहमदाबाद । अहमदाबाद में आयोजित स्पर्श महोत्सव में गुरुवार को संबोधन करते हुए केन्द्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि ऐसे महोत्सव में प्राचीन परम्परा तथा आधुनिक प्रौद्योगिकी के समन्वय से समाज को संस्कारित करने का कार्य हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत तथा 5 ट्रिलियन इकोनॉमी बनाने का लक्ष्य है। ऐसे में समाज एवं राष्ट्र निर्माण के लिए विज़न के साथ-साथ संस्कार भी आवश्यक है जो कार्य स्पर्श जैसे महोत्सवों के माध्यम से होता है। गडकरी ने स्पर्श महोत्सव में भारतीय उत्सव परम्परा का महिमागान करते हुए कहा कि समाज को जीवन जीने की नई दृष्टि प्रदान करने के उद्देश्य के साथ भारत में प्राचीन काल से उत्सवों की परम्परा है। आज महोत्सव द्वारा प्राचीन परम्परा तथा आधुनिक प्रौद्योगिकी के समन्वय से समाज निर्माण का कार्य हो रहा है जो प्रशंसनीय है। संस्कृत उक्ति का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आप किसी को आँखों का दान कर सकते हैं परंतु दृष्टि (विज़न) नहीं दिया जा सकता है। समाज निर्माण की दीर्घदृष्टि अध्यात्म द्वारा ही प्राप्त होती है। स्वामी विवेकानंद के सुप्रसिद्ध वचन का उल्लेख करते हुए केन्द्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री ने कहा कि जिस प्रकार आकाश से बरसने वाला पानी नदियों के माध्यम से समुद्र से मिलता है उसी प्रकार हमारा अध्यात्म हमें साधना-भक्ति के विभिन्न मार्गों के माध्यम से भगवान के निकट पहुँचाता है। मूल्यनिष्ठ समाज की रचना हमारी संस्कृति की नींव में है। भगवान के अवतार संत शास्त्र; इन सभी के द्वारा अब तक जीवन निर्माण का प्रयास होता आया है। उन्होंने शुभ प्रार्थना की कि इसी दिशा में प्रयासरत सरकार को निर्धन शोषित पीड़ित की सेवा करने का साहस मिले तथा सबका जीवन उन्नत बने।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद की धरती पर पद्मभूषण आचार्यश्री विजयरत्न सुंदर सूरिश्वरजी महाराज की 400वीं पुस्तक के विमोचन अवसर पर आयोजित स्पर्श महोत्सव में उपस्थित रहने का अवसर मिलनाउनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। ऐसे में इस समय को सही अर्थ में अमृतकाल बनाने हेतु महाराज साहब की पुस्तकें उपयोगी बनेंगी। मुख्यमंत्री ने सद्वचनों के महत्व को समझाते हुए कहा कि हम सब भौतिकता की ओर आगे बढ़ रहे हैं तब भौतिकता का सदुपयोग किस प्रकार से हो इस हेतु आचार्य श्री विजयरत्न सुंदर सूरिश्वरजी की पुस्तकें अति उपयोगी बनेंगी। स्पर्श महोत्सव में सेवा की भावना की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने हेतु सद्कार्यों तथा धर्मकार्यों को करने हेतु अध्यात्म का स्पर्श अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हम

जीवन में चाहे कितनी ही तेज़ी से आगे बढ़ें लेकिन सच्ची दिशा बनाए रखने के लिए हमें साधु-भगवंतों की वाणी का स्पर्श बनाए रखना चाहिए।मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त की कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के छोटेसेछोटे तथा अंतिम छोर के मानव को मुख्य धारा में जोड़ने के प्रयास में समग्र सरकार को साधु-भगवंतों का आशीर्वाद मिलेगा।

झारखंड की चोर गैंग अहमदाबाद पुलिस की गिरफ्त में 12.50 लाख के मोबाइल जब्त

अहमदाबाद। शहर की अमराईवाडी पुलिस ने झारखंड के एक चोर गिरोह को गिरफ्तार किया है जो खास चोरी करने उद्देश्य अपने राज्य से गुजरात आते थे। पकड़े गए आरोपी के पास से पुलिस ने आई फोन समेत विभिन्न कंपनियों के 70 मोबाइल बरामद किए हैं जिनकी कीमत करीब 12.50 लाख बताई गई है। पांच लोगों के गिरोह में 2-3 किशोर हैं। जानकारी के मुताबिक झारखंड के साहेबगंज जिले निवासी इंदर मंडल को पूर्व सूचना के आधार पर अमराईवाडी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इंदर से पूछताछ में पता चला कि बीते डेढ़ महीने के भीतर उसके गिरोह ने अहमदाबाद में आयोजित कांकरिया कार्निवल प्रमुख स्वामी शताब्दी महोत्सव फ्लावर शो और काइट फेस्टिवल के दौरान अनेक मोबाइल की चोरी की है। इंदर का गिरोह बड़े बड़े इवेंट में हाथ साफ करने के उद्देश्य से झारखंड से गुजरात आता था। ट्रेन के जरिए अहमदाबाद पहुंचने के बाद शहर के पूर्वी क्षेत्र की किसी चाली में एक कमरा किराए पर लेते थे। जिसके बाद शहर में आयोजित इवेन्ट में ऑटो रिक्शा के जरिए पहुंच जाते और जहां भीड़भाड़ देखते गिरोह के लोग हाथ साफ कर भाग लेते। गिरोह में 2-3 किशोरावस्था के बच्चे हैं जिनके पकड़े जाने पर अक्सर लोग बच्चा समझकर छोड़ देते थे और मामला पुलिस थाने तक नहीं पहुंचता। गिरोह चोरी के मोबाइल झारखंड में बेचता था। लेकिन अहमदाबाद की अमराईवाडी पुलिस को झारखंड के चोर गिरोह के बारे में सूचना मिली और उसने इंदर मंडल नामक आरोपी को दबोच लिया। पुलिस को चोरी के मोबाइल का उपयोग ऑनलाइन ठगी के में उपयोग किए जाने की आशंका है। फिलहाल पुलिस ने मोबाइल चोरी के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने की कोशिशें तेज कर दी हैं। साथ ही विभिन्न इवेन्ट के दौरान जिन लोगों के मोबाइल चोरी हुए हैं उनसे अमराईवाडी पुलिस का संपर्क कर अपना मोबाइल प्राप्त करने की अपील भी की है।

फुटपाथ पर सो रहे मजदूरों को सेवन हेवन सोसायटी के युवाओं द्वारा कंबल वितरण

सूरत भूमि, सूरत। जहां पूरे गुजरात समेत सूरत शहर में पिछले दो-तीन दिनों से कड़ाके की ठंड पड़ रही है, वहीं मेहता वेल्थ के सहयोग से सेवन हेवन सोसाइटी के नौजवानों द्वारा कड़ाके की ठंड में वेसु वी.आई.पी. रोड फुटपाथ पर सो रहे मजदूरों व अणुव्रत मार्ग के आसपास झुग्गियों में रहने वाले जरूरतमंद श्रमिकों को गर्माहट प्रदान करने के लिए गर्म कंबल बांटे गए। कार्यक्रम में मेहता वेल्थ ऑर्गनाइजेशन के अध्यक्ष क्रुणाल मेहता, किंजल मेहता और जॉली शाह सहित अन्य शामिल हुए। युवाओं के इस अनुकरणीय प्रदर्शन को देखकर शहरवासियों ने बधाई दी।

गुजरात की हर नगर पालिका में बनेगी एक टीपी स्कीम: मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल

गांधीनगर । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने यह महत्वपूर्ण घोषणा की है कि राज्य की सभी नगर पालिकाएं एक नगर नियोजन योजना (टीपी स्कीम) बनाएंगी। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने यह निर्णय इसलिए किया है ताकि राज्य की छोटी-बड़ी नगर पालिकाएं अपने नगरों के विकास कार्यों के लिए अतिरिक्त धन की व्यवस्था के साथ शहरी सुख-सुविधा और जन सुविधा में वृद्धि के कार्य कर सके। मुख्यमंत्री ने यह घोषणा गुरुवार को गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में शहरी विकास एवं शहरी गृह निर्माण विभाग की ओर से आयोजित 'सिटी लीडर्स कॉन्क्लेव' में की। राज्य की 'ब' 'क' और 'ड' श्रेणी की नगर पालिकाओं के अध्यक्ष स्थायी समिति के चेयरमैन और चीफ ऑफिसरों के इस कॉन्क्लेव में शहरों में स्वच्छता-सफाई पानी बिजली सीवरेज और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन तथा किफायती आवास के क्षेत्र में हुए कार्यों और सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री ने कॉन्क्लेव में प्रेरक मार्गदर्शन देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकास की राजनीति के माध्यम से जनता-जनार्दन का भरोसा जीता है। उन्होंने नगर पालिकाओं सहित स्थानीय निकाय संस्थाओं का आह्वान किया कि वह भी विकास कार्यों की तेज रफ्तार से उस भरोसे-विश्वास को और भी अधिक बढ़ाए। मुख्यमंत्री ने नगर पालिकाओं में स्वच्छता अभियान और अमृत मिशन के अंतर्गत शुरू किए गए कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि अब स्वच्छता अंतिम स्तर तक सभी का सहज स्वभाव बन गई है। आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता से स्वच्छता अब जन आंदोलन बन गई है। ऐसे में नगर पालिकाएं भी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और स्वच्छता एवं सफाई के माध्यम से नगरों को साफ-सुथरा रखें। भूपेंद्र पटेल ने यह भी कहा कि राज्य सरकार सुदृढ़ वित्तीय प्रबंधन और नई व्यवस्थाएं विकसित करने में नगर पालिकाओं के साथ खड़ी है ताकि धन के अभाव में नगर पालिकाओं के विकास कार्य न रुकें। उन्होंने इस कॉन्क्लेव में नगरों में रोजमर्रा के मुद्दों का नगर पालिका और राज्य सरकार के साथ मिलकर तेजी से निराकरण करने की भी हिमायत की। शहरी विकास और शहरी ग्राम गृह निर्माण विभाग के प्रधान सचिव मुकेश कुमार ने स्वागत भाषण में कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। शहरी विकास और शहरी ग्राम गृह निर्माण विभाग के सचिव राकेश शंकर ने वर्ष 2022-23 के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत हुए कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि वर्ष 2022-23 के दौरान 1.57 लाख आवासों का निर्माण कार्य पूरा किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) अवॉर्ड के अंतर्गत वर्ष 2022-23 में केंद्र सरकार

ने गुजरात को 7 अवॉर्ड से सम्मानित किया है। सचिव राकेश शंकर ने किफायती आवास और ठोस कचरे के निस्तारण के प्रबंधन के संदर्भ में विस्तार से जानकारी दी। म्युनिसिपैलिटीज एडमिनिस्ट्रेशन के आयुक्त राजकुमार बेनीवाल ने राज्य की 'ब' 'क' और 'ड' श्रेणी की नगर पालिकाओं में जलापूर्ति और सीवरेज व्यवस्था के संबंध में मौजूदा परिस्थिति का विश्लेषण करने वाला प्रेजेंटेशन प्रस्तुत कर आवश्यक मार्गदर्शन दिया।

छोटी अवधि की संभावित चुनौतियों के बावजूद, भारत की कहानी अब एक वास्तविकता है: डीएसपी इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स

मुंबई। छोटी अवधि की संभावित चुनौतियों के बावजूद, डीएसपी इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स को पक्कास भरोसा है कि भारत की कहानी (इंडिया स्टोरी) अब एक वास्तविकता है। अपने वार्षिक नोट – '2023, इट्स ए रिलेटिव वर्ल्ड ', में डीएसपी का कहना है कि देश में हो संरचनात्मक बदलाव में कई घटकों से तेज़ी आ रही है जिसमें शामिल है कॉर्पोरेट्स द्वारा लाभ उठाया जाना, मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में क्षमता इस्ते माल में वृद्धि, इन्फ्रास्ट्रक्चर में सरकारी निवेश और अच्छी तरह पूंजीकृत बैंकिंग प्रणाली। यह निवेशकों के लिए एक बड़े बदलाव और महत्वपूर्ण अवसर का प्रतिनिधित्व करता है क्योंकि भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में लगातार बढ़ोतरी कर रहा है।

इस नोट में उल्लेख किया गया है कि वर्तमान में दो जोखिम कारक हैं जिन पर विचार किया जाना चाहिए: ब्याज दर और विकास। जबकि सेंट्रल बैंकों द्वारा इस वक्त विकास की जगह महंगाई पर नियंत्रण को प्राथमिकता दी जा रही है, वहीं मंहगाई से जुड़े दबाव के कम होने के संकेत मिल रहे हैं। हो सकता है कि मार्केट द्वारा विकास में कमी आने की संभावना पर पर्याप्त रूप से विचार नहीं किया जा रहा है। इसकी वजह से निकट भविष्य में आगे डाउनवर्ड रिवीज़न की स्थिति आ सकती है। पुराने आंकड़ों की तुलना में भारतीय बाज़ारों के लिए मौजूदा मल्टीपल्स उच्च हैं (एमएससीआई इंडिया सूचकांक फॉरवर्ड पीई के 921 गुना स्तर पर ट्रेड कर रहा है) और इससे पहले इस स्तर पर मिले रिटर्न्स मामूली रहे हैं।

इस नोट में प्रमुखता से बताया गया है कि भारत और पूरे विश्व में च्गुणवत्ताज्ज कारक के लिए 2022 चुनौतीपूर्ण रहा है, विशेष रूप से यूएस में जहाँ साल 2008 के बाद इसने सबसे बुरे सालों में से एक का अनुभव किया है। लेकिन साल 2007 से "गुणवत्ता" कारक सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले कारकों में से एक रहा है, और "वृद्धि की गतिशीलताज्ज के बाद दूसरे नंबर पर रहा। इस बात पर गौर करना जरूरी होगा कि इससे पहले इसकी रिकवरी तेज़ होने की बजाय अक्सर धीमी रही है। इसके विपरीत "मूल्य" और "वृद्धि की गतिशीलता" वाले कारक अधिक उल्लेखनीय उतार-चढ़ाव प्रदर्शित करने की प्रवृत्ति रखते हैं। इसलिए हमें इन व्यवहारों के संबंध में अधिक सजग रहने की ज़रूरत है। जबकि कमोडिटी कीमतों की भावी गतिविधियों, सेंट्रल बैंक नीतियों, लिक्विडिटी के स्तर और कोविड-19 के प्रभाव के बारे में अनुमान लगाना स्वाभाविक है, वहीं डीएसपी ने नोट में यह उल्लेख किया है कि ज़्यादातर निवेशकों की सफलता पर इन कारकों का कोई महत्वपूर्ण असर नहीं होगा। इसकी बजाय निर्णायक क्षणों में महत्वपूर्ण गलतियाँ टालना, निवेश अनुशासन बनाए रखना और अस्थिरता के निश्चित स्तर के साथ ही उच्च इक्विटी रिटर्न्स प्राप्त होते हैं, इस बात को स्वीकार करने से ही बड़ा परिवर्तन होता है।

विनित साम्ब्रे, हेड-इक्विटीज़, डीएसपी इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स प्राइवेट लि., ने कहा, "यह देखकर खुशी हो रही है कि भारतीय निवेशक भारतीय अर्थव्यवस्था और बाजारों के विकास में भाग लेने का विकल्प चुन रहे हैं। इन निवेशकों के लिए हमारी सिफारिशें सरल और एक समान रही हैं: एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाएं। जैसा कि हमने पिछले वार्षिक नोट्स में ज़ोर देकर कहा है जैसे "चांद पाने की उम्मीद रखना" और "सिद्धांत - सबसे पहले ", जब मूल्यांकन उच्च स्तर पर हो तो इक्विटी असेट क्लास से बाहर निकलना समझदारी की बात नहीं है। इसकी बजाय व्यावहारिक होना और यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि जब आप किसी एसेट को ऊंची कीमत पर खरीदते हैं तो मिलने वाले रिटर्न्स कम हो सकते हैं जबकि इसे कम कीमत में खरीदा जा सकता है। पोर्टफोलियो को फिर से संतुलित करना महत्वपूर्ण है ताकि आपके उद्देश्यों और जोखिम लेने की क्षमता के आधार पर आपके पास उपयुक्त मिले-जुले विकल्प हों। सही अपेक्षायें रखना, अनुशासन बनाए रखना और धैर्य रखना आपकी निवेश यात्रा में आपको काफी दूर लेकर जा सकता है।"

लेनोवो ने भारत का पहला 13वीं जेनरेशन का इंटेल कोर प्रोसेसर पॉवर्ड लैपटॉप लॉन्च किया

वैश्विक तकनीकी अग्रणी, लेनोवो ने आज देश का पहला लैपटॉप पेश किया, जो नवीनतम 13वीं जेन के इंटेल0 कोर™ प्रोसेसर से संचालित है। प्रीमियम लेनोवो योगा 9i बहुमुखी प्रतिभा के लिए तैयार किया गया है और यह इंटेल के नवीनतम प्रोसेसर द्वारा संचालित है जो प्रभावशाली प्रदर्शन देने के लिए परफॉर्मेंस हाइब्रिड आर्किटेक्चर का लाभ उठाता है। इंटेल0 एवो ज्प्लैटफ़ॉर्म के साथ जुड़ा, इस लैपटॉप को सिस्टम की बैटरी लाइफ, प्रतिक्रियाशीलता या कनेक्टिविटी पर प्रभाव को कम करते हुए रचनात्मक रूप से मल्टीटास्किंग के लिए एक प्रीमियम मोबाइल अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

सौंदर्यपूर्ण डिजाइन और अद्वितीय मनोरंजन : लेनोवो योगा 9द्व एक पतला और हल्का कन्वर्टिबल लैपटॉप है, जिसे गोल फिनिश और अधिक एर्गोनोमिक ग्रिप के साथ आराम के लिए खूबसूरती से डिजाइन किया गया है। देखने के बेहतरीन अनुभव के लिए इसमें 14 इंच का टचस्क्रीन ओएलईडी प्योरसाइट डिस्प्ले और 4के रिजॉल्यूशन वाला डॉल्बी विजन0 है। इस लैपटॉप में ऑडियो बोवर्स एंड विल्किंस स्पीकर्स द्वारा संचालित है, और इसमें 360ए घूमने वाले साउंडबार पर डॉल्बी एटमॉस0 है, जो उपभोक्ताओं को गतिविधि के केंद्र में रखता है।

स्मार्ट सेवाएं : लेनोवो वांटेज के भीतर लेनोवो स्मार्ट प्रदर्शन सेवाएँ सिस्टम को इष्टतम प्रदर्शन पर चालू रखती हैं और उन समस्याओं को सक्रिय रूप से ठीक करती हैं जो पीसी के प्रदर्शन, इंटरनेट प्रदर्शन को प्रभावित करती हैं, मैलवेयर को हटाती हैं, और डिवाइस सुरक्षा में सुधार करती हैं। लेनोवो प्रीमियम केयर प्लस विशिष्ट तकनीशियनों के एक वैश्विक नेटवर्क से व्यक्तिगत हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर समर्थन प्रदान करता है, साथ ही आकस्मिक डॅमेज संरक्षण, डेटा माइग्रेशन सहायता और पीसी प्रदर्शन और सुरक्षा को अनुकूलित करने वाले स्मार्ट प्रदर्शन समाधान प्रदान करता है।

दिनेश नायर, डायरेक्टर-कंज्यूमर बिजनेस, लेनोवो इंडिया ने कहा, "हम भारतीय बाजार में इंटेल के 13वें जेनरेशन के नेक्स्ट-लेवल कंप्यूटिंग प्रोसेसर-आधारित लैपटॉप पेश करने वाले पहले ब्रांड बनकर उत्साहित है। उपकरणों की हमारी योगा रेंज हमेशा अपनी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ होने के लिए खड़ी रही है और उपभोक्ताओं की स्मार्ट पसंद और उनकी विस्तृत उत्पादकता आवश्यकताओं का समर्थन करने में आगे रही है, और हम नवीनतम इंटेल प्रोसेसर द्वारा संचालित हमारे नए और ताज़ा योगा 9द्व के साथ इस परंपरा को जारी रखते हैं। यह 2-1 लैपटॉप उन लोगों के लिए एकदम सही है जो बहुमुखी जीवन शैली का आनंद लेते हैं और आंतरिक रूप से प्रौद्योगिकी पर भरोसा करते हैं जो उन्हें चीजों को करने के लिए स्मार्ट, अधिक सुविधाजनक और कुशल तरीके से सक्षम बनाता है।

डायनैमिक बॉन्डन योजनाएँ सक्रिय रूप से अवधि का प्रबंधन करते हुए निवेशकों को स्थिर रिटर्न से मदद करती हैं : सौरीन ऐ. मेहता, म्युच्युअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर

डेट में निवेश करने के मामले में अनेक प्रकार के मानदंड काम करते हैं, जैसे कि ब्याज दरें, मुद्रास्फीति, बृहद आर्थिक स्थिति, केन्द्रीय बैंक का मौद्रिक रवैया आदि। इससे निवेशकों के लिए डेट के क्षेत्र में निवेश करने का फैसला करना अक्सर कठिन हो जाता है। ऐसी स्थिति में ही डेट फंड्स की एक कैटेगरी, डायनैमिक बॉन्डक फंड्स निवेशकों के काम आते हैं।

डायनैमिक बॉन्ड योजनाएँ सक्रिय रूप से अवधि का प्रबंधन करते हुए निवेशकों को स्थिर रिटर्न से मदद करती हैं। इस फंड के माध्यम से निवेशकों को बदलती ब्याज दर व्यवस्था के आधार पर अपने डेट एलोकेशन को ठीक करने की चिंता नहीं करनी पड़ेगी। लम्बे समय में निवेशक उचित और कर-क्षम रिटर्न्स, बेहतर लिक्विडिटी तथा कॉर्पोरेट बॉन्ड्स और सरकारी प्रतिभूतियों में विविधीकरण के द्वारा फ्लेक्सिबल पोर्टफोलियो की उम्मीद कर सकते हैं। इस प्रकार आपको जोखिम-समायोजित रिटर्न्स और सुरक्षा का सबसे लाभकारी संयोजन प्राप्त हो सकता है।

आमतौर पर, डायनैमिक बॉन्डो योजनाएँ जब ब्याज दर गिरने की उम्मीद होती है तब अपनी होल्डिंग्स की अवधि बड़ा देता है, जिसमें पूँजी की मूल्यवृद्धि से लाभ पर फोकस होता है। जब ब्याज दरों के बढ़ने की संभावना होती है, तब वे बाज़ार-से-बाज़ार हानि से होने वाले जोखिम को कम करने के लिए अवधि घटा देते हैं। इस प्रकार, जब ब्याज दरें ऊँची रहती हैं, तब योजना एक दीर्घ अवधि योजना की तरह व्यवहार करेगी और इसके विपरीत स्थिति में यह वास्तविक योजना का रूप ले लेगी। इस प्रकार सही चक्र के लिए सही फंड का चुनाव करने की परेशानी समाप्त हो जाती है। अभी के समय में डायनैमिक बॉन्डग फंड्स, यह देखते हुए कि रिटर्न का ग्राफ अमूमन ऊपर की ओर है, बाज़ार में प्रचलित परिस्थितियों के लिए उपयुक्त हैं। इस तरह की योजनाएँ बेहतर संचयी आमदनी के लिए आस्तियों के विस्तार की दिशा में पर्याप्त एक्सपोज़र सुनिश्चित करती हैं और विपत्रों का बढ़िया मिश्रण प्रस्तुत करती हैं जिसे उच्चतर आवधिक प्रीमियम और बेहतर लिक्विडिटी का लाभ मिलता है। लम्बे समय में, और विविध बाज़ार चक्र में डायनैमिक बॉन्डक फंड्स परम्परागत डेट उत्पादों की तुलना में बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं।

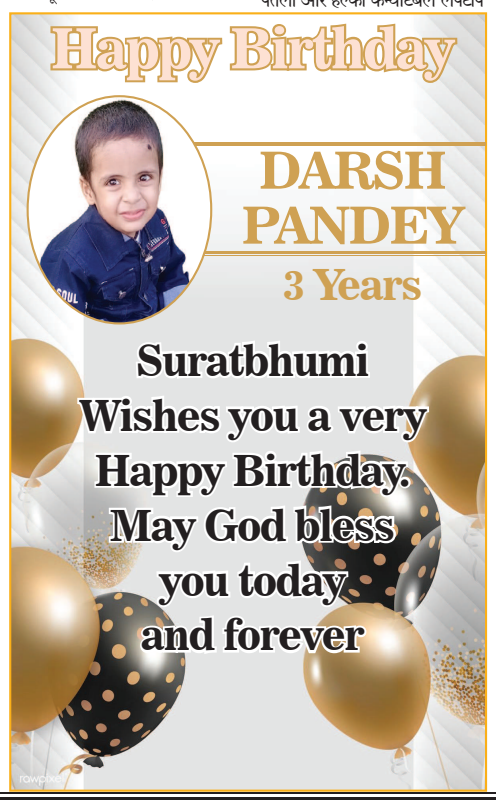

ट्रांसवॉय लॉजिस्टिक्स इंडिया लिमिटेड अपना 511.20 लाख रुपये का आईपीओ लेकर आ रही है

इंटीग्रेटेड लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस (एकीकृत परिवहन एवं आपूर्ति सेवाएं) के कारोबार में लगी ट्रांसवॉय लॉजिस्टिक्स इंडिया लिमिटेड 720,000 शेयरों के लिए 511.20 लाख रुपये का आईपीओ लेकर आ रही है। प्रति शेयर अंकित मूल्य 10 रुपये है और प्रति शेयर इक्विटी मूल्य 71 रुपये है। लॉट साइज 1600 शेयर है। 720,000 शेयरों में से, 340,800 शेयर एचएनआई कोटा के लिए आरक्षित हैं, 340,800 शेयर खुदरा कोटा के तहत और 38,400 शेयर मार्केट मेकर कोटा के लिए आरक्षित हैं। यह इश्यू शुक्रवार, 20 जनवरी को खुलेगा और 24 जनवरी, 2023 को बंद होगा। इसके बाद इसे बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध किया जाएगा। इश्यू के लीड मैनेजर बीलाइन कैपिटल एडवाइज़र्स प्राइवेट लिमिटेड हैं और इश्यू के रजिस्ट्रार लिंक इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड हैं।

इश्यू से प्राप्त आय का उपयोग निम्नलिखित के लिए किया जाएगा:

1. कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए
2. कंटेनरों की खरीद के लिए अनुषंगी में निवेश
3. सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य
4. पब्लिक इश्यू के खर्चों को पूरा करने के लिए

2015 में निगमित, ट्रांसवॉय लॉजिस्टिक्स इंडिया लिमिटेड एकीकृत लॉजिस्टिक्स सेवाएं के कारोबार से जुडी है। कंपनी NVOCC, फ्रेट फ़ॉरवर्डिंग, कस्टम क्लीयरेंस, ट्रांसपोर्टेशन हैंडलिंग और MEIS लाइसेंस ट्रेडिंग पर एडवाइजरी जैसी सेवाएं प्रदान करती है।

कंपनी का मुख्य व्यवसाय है

1. माल अग्रेषण
2. सीमा शुल्क निकासी
3. संबद्ध रसद और परिवहन सेवाएं

ट्रांसवॉय लॉजिस्टिक्स श्रीलंका, चीन, मलेशिया, मध्य पूर्व और सिंगापुर सहित दुनिया के विभिन्न हिस्सों में विस्तार के साथ-साथ मुख्य रूप से भारत में काम करता है। वे सेवा में उच्चतम गुणवत्ता बनाए रखते हैं और ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करने का प्रयास करते हैं। वे मुख्य रूप से भारत, चीन, मध्य पूर्व, श्रीलंका, सिंगापुर और मलेशिया जैसे देशों में ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करते हैं।

कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, आशीर्वाद शिपिंग एंड एलाइड प्राइवेट लिमिटेड (एएसएपीएल) है। एएसएपीएल कस्टम क्लियरिंग की सेवाएं प्रदान करने के कारोबार से जुडी हुई है। कंपनी ने हाल ही में सिंगापुर में ट्रांसवॉय लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड (ट्रांसवॉय - सिंगापुर) नाम से एक कंपनी बनाई है, जहां कंपनी की 55त्न हिस्सेदारी है। यह गैर-पोत स्वामित्व वाले सामान्य वाहक (एनवीओसीसी) की सेवाएं प्रदान करने के व्यवसाय में लगी हुई है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-22 ।42 ।1, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)